रांची, रविवार 14 सितंबर 2025 I आश्विन कृष्ण पक्ष सप्तमी, संवत 2082 I रांची एवं पटना से प्रकाशित I वर्ष : 3, अंक : 158 I मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

https://epaper.shubhamsandesh.net

# शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

# ताश के पत्तों की तरह ढह गई करोड़ों की वाशरी

## जनरल मैनेजर कुमार रंजीव ने कहा, घटना की गहन जांच कराई जाएगी और दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई

शुभम संदेश। बाघमारा

कोयला नगरी धनबाद के बाघमारा में मौजूद देश की सबसे बड़ी कोलवाशरी शुक्रवार की देर रात ताश की पत्तों की तरह भरभरा कर ढह गई. बीसीसीएल ब्लॉक-2 के न्यू मधुबन वाशरी में हुए हुए इस हादसे से वाशरी निर्माण में बड़े भ्रष्टाचार को उजागर कर दिया है. करोड़ों रुपये की लागत से बनी वाशरी के तीन साइलो पॉइंट्स में से एक साइलो का ढांचा समेत कन्वेयर बेल्ट धराशाही हो गया.साइलो का ढांचा करीब 200 फीट ऊंचा और 40 फीट चौड़ा था हादसे के दौरान साइलो नंबर-3 के ऊपरी हिस्से में एक मजदूर घंटों फंसा रहा. हालांकि सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे उपरी हिस्से में फंसे मजदूर धर्मेंद्र ठाकुर को रेस्क्यू टीम ने भारी मशक्कत के बाद सुरक्षित निकाल लिया. सौभाग्य से इस बड़ी वारदात में कोई जानहानि नहीं हुई, लेकिन दो अन्य साइलो क्षतिग्रस्त हो गए. घटनास्थल के नीचे कुछ कर्मी सो रहे थे, जिन्होंने तेज आवाज सुनकर भाग कर अपनी जान बचाई .एक-दो कर्मी जान बचाने के लिए पास के तालाब में कूद पड़े, उन्हें मामूली चोटें आईं. हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और हजारों लोग जमा हो गए. बीसीसीएल ब्लॉक-2 के जनरल मैनेजर कुमार रंजीव ने कहा, घटना की गहन जांच कराई जाएगी और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी. बचाव कार्य के लिए बोकारो से किरण दमकल और रेस्क्यू टीम बुलाई गई, जबकि बीसीसीएल की अपनी टीम भी मौके पर सक्रिय रही. खबर पाकर बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो अपने समर्थकों के साथ घटनास्थल पहुंचे और बीसीसीएल के जीएम, एजीएम व अन्य अधिकारियों को फटकार लगाई. उन्होंने अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए निर्माण करने वाले ठेकेदार पर कार्रवाई व ब्लैकलिस्टेड की मांग की.

सूत्रों के अनुसार, न्यू मधुबन वाशरी का निर्माण एचईसी हेवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन कंपनी को सौंपा गया था, जो छोटे पेटी ठेकेदारों को सब-कॉन्ट्रैक्ट दे चुकी थी. इनमें घोर लापरवाही बरती गई, जिसका खामियाजा जल्द सामने आया. इस हादसे से बीसीसीएल को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है. वाशरी का संचालन पूरी तरह ठप हो गया है. लते प्रबंधन की नजर अब पुरानी मधुबन वाशरी पर टिक गई है. जांच पूरी होने तक वाशरी के कार्य प्रभावित रहने की संभावना है. इधर शनिवार की दोपहर करीब 12:00 बजे धनबाद सांसद ढुलू महतो घटनास्थल पर पहुंचकर अधिकारियों व कर्मियों से जानकारी ली. उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि घटना की जिम्मेवार बीसीसीएल निर्माण करने वाली कंपनी है हर हाल में दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए.

- साइलो का ढांचा समेत कन्वेयर बेल्ट धराशाही
- बीसीसीएल ब्लॉक-2 के न्यू मधुबन वाशरी में हादसा
- देश की सबसे बड़ी कोलवाशरी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी
- 120 फीट ऊंचाई में घंटों फंसा रहा मजदूर, मशक्कत से रेस्क्यू

### पूर्व कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी ने किया था वाशरी का ऑनलाइन उद्घाटन

बीसीसीएल की सबसे बड़ी 5 एमटीपीएस क्षमता वाली अत्याधुनिक वैश्विक तकनीक से युक्त न्यू मधुबन कोल वाशरी का निर्माण मेसर्स एचईसीएल द्वारा 8 साल में किया गया था . इसका उदघाटन 24 मार्च 2022 को पूर्व कोयला खान एवं संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने ऑनलाइन किया था . उद्घाटन समारोह में तत्कालीन राज्यमंत्री राव साहब पाटील दानवे, कोयला मंत्री सचिव अनिल कुमार जैन, कोल इंडिया अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल, बीसीसीएल के सीएमडी समीरन दत्ता, डीपी पीबीकेआर मल्लिकार्जुन राव, डीटी संजय कुमार सिंह भी उपस्थित थे . 8 महीने तक परफॉर्मेंस गारंटी टेस्ट किया गया था .

### परफॉर्मेंस गारंटी टेस्ट के 2 साल बाद धराशायी हो गया साइलो

मेसर्स एचईसीएल ने वाशरी के संचालन के लिए चेन्नई राधा इंजीनियरिंग वर्क्स प्रा लि को हैंडओवर किया . 29 नवंबर 2023 को बीसीसीएल की इस ड्रीम वाशरी परियोजना का वाणिज्यिक परिचालन शुरू किया गया था . शुरुआती दौर में ही 5 रैक वाश्ड कोल डिस्पैच करना अच्छा परफॉरमेंस माना जा रहा था . लेकिन, उस वक्त यूनियन प्रतिनिधियों ने वाशरी की कमजोर कंस्ट्रक्शन पर सवाल उठाये थे . प्रबंधन ने इसे गंभीरता से नहीं लिया . तत्कालीन सीएमडी समीरन दत्ता ने कहा था कि वाशरी को एक प्लानिंग के साथ चलाया जा रहा है . इसे चलाने में कोई दिक्कत नहीं होगी .

दिल्ली की कंपनी ने स्थानीय ठेकेदार को पेटी पर दिया कामसाइलो का निर्माण 2014 में दिल्ली की कंपनी बेगेन इंडिया ने शुरू किया था . बाद में उस कंपनी के इंचार्ज आरके पांडेय ने यह कार्य पेटी ठेकेदार राजेश पांडेय को दे दिया . वर्ष 2017 में साइलो का निर्माण पूरा हुआ . निर्माण के दौरान भी साइलो का कुछ हिस्सा टूटकर गिर गया था . इसमें चंद्रपुरा के एक कर्मी की मौत हो गयी थी . बाद में बीसीसीएल वाशरी डिवीजन प्रबंधन की देखरेख में फिर से साइलो का निर्माण पूरा हुआ .

### मंईयां योजना की राशि व तीन माह की पेंशन 15 से आएगी खाते में

**रांची** । मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड सरकार दुर्गा पूजा से पहले राज्यवासियों को बड़ी राहत देने जा रही है. सरकार ने तय किया है कि मंईयां सम्मान योजना के तहत सितंबर माह की राशि लाभुक महिलाओं को दुर्गा पूजा से पहले मिल जाएगी. इसके साथ ही वृद्धा, विधवा और दिव्यांग पेंशनधारियों को जुलाई से सितंबर तक की तीन माह की पेंशन एक साथ उनके खातों में भेजी जाएगी. 50 लाख से अधिक महिलाओं को मिलेगा लाभ : सितंबर में मंईयां योजना के तहत 50 लाख से अधिक महिलाओं को 2500 प्रति माह की दर से राशि ट्रांसफर की जाएगी. अगस्त महीने में भी इतने ही लाभुकों के खाते में पैसे डाले गए थे. सामाजिक सुरक्षा निदेशालय जल्द ही जिलों को राशि ट्रांसफर के संबंध में निर्देश जारी करेगा, और 15 सितंबर के बाद जिला स्तर से भुगतान प्रक्रिया शुरू हो जाएगी.

### बैंक ऑफ़ इंडिया गुवा शाखा में करोड़ों का घोटाला, शाखा प्रबंधक निलंबित

**चाईबासा** । पश्चिमी सिंहभूम जिला स्थित बैंक ऑफ़ इंडिया गुवा शाखा में करोड़ों रुपये के गबन का मामला सामने आया है. इस मामले में पूर्व शाखा प्रबंधक सुदीप सिंकु पर आरोप साबित होने के बाद गुवा थाना में केस दर्ज किया गया है. वर्तमान शाखा प्रबंधक निलेश कुमार की शिकायत पर यह कार्रवाई हुई है. मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपित शाखा प्रबंधक को निलंबित कर दिया गया है. शनिवार को गुवा थाना प्रभारी नीतीश कुमार ने बताया कि जमशेदपुर कदमा शाखा के वरीय प्रबंधक विश्वजीत कुमार द्वारा की गई विशेष लेखा परीक्षा रिपोर्ट में गबन का खुलासा हुआ. जांच में सामने आया कि एक जुलाई 2021 को गुवा शाखा प्रबंधक रहे जगन्नाथपुर निवासी सुदीप सिंकु ने स्टील अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया लिमिटेड (सेल) के खाते से बिना आदेश के दो करोड़ 14 लाख 81 हजार 192 रुपये का अवैध रूप से पे ऑर्डर भुगतान कर राशि को अपने नियंत्रण में ले लिया.

### झामुमो नेता अमीर पर मस्जिद कमेटी का 11,40,000 गबन का आरोप

# मस्जिद में चिपकी झामुमो नेता के फरार होने की तस्वीर

## पार्टी से बड़ा फंड दिलाने के नाम पर दान की रकम रखते थे अपने पास

- बर्खास्त नहीं किया तो मस्जिदों में जाकर झामुमो को वोट नहीं देने की अपील करेगी कमेटी
- मामला कतरास के गुहीबांध मस्जिद का

शुभम संदेश। कतरास

> मस्जिद का पेसा गबन करने वाले को अल्लाह की अदालत में खड़े होकर हिसाब देना होगा . मस्जिद कमेटी की शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच कराई जाएगी . यदि जांच में दोष साबित हुआ तो आमिर के खिलाफ पार्टी सख्त से सख्त कार्रवाई करेगी . फिलहाल जिला कमेटी के पास कोई शिकायत नहीं आई है .
>
> **मन्नु आलम**
> **जिला सचिव, झामुमो धनबाद**

गुहीबांध मस्जिद कमेटी और अल्पसंख्यक सामुदायिक प्रतिनिधियों ने मस्जिद प्रांगण में प्रेस वार्ता आयोजित कर कमेटी के नवनियुक्त सचिव सह झामुमो नेता आमिर खान पर 11,40,000 गबन करने का आरोप लगाया है .कहा कि आमिर मस्जिद कमिटी का पैसा लेकर फरार हो गए हैं. लोगों ने बताया कि आमिर खुद को झामुमो पार्टी का बड़ा नेता बताकर मस्जिद कमिटी लोगों को भ्रमित किया और यह आश्वासन दिया था कि पार्टी द्वारा बड़ा फंड मुहैया करवाया जाएगा. आरोप है कि कई लुभावने सपने दिखाकर आमिर लोगों को भ्रमित करते रहे. मस्जिद की रख-रखाव और निर्माण कार्यों के सिलसिले में दिए गए दान और फंड अपने पास रखा करते थे . कमेटी का कहना है कि कुछ कार्यों के भुगतान किए जाने के बाद भी बड़ी रकम का हिसाब साफ नहीं किया गया और जब इस संबंध में पूछा गया तो आमिर खान कमेटी के लोगों को ही अपने पहुंच की धमकी देने लगा. यहां तक वह कतरास थाने में लोगों के खिलाफ झूठी शिकायत देते हुए जेल भिजवाने की धमकी दी. इसके बाद भी जब उनसे हिसाब-किताब की मांग की गई तो वे कहीं भाग गए.लोगों ने कहा कि उनकी नियत कमेटी का पैसा हजम करने की है. कमेटी के लोगों ने बताया कि आमिर के भाग जाने के बाद अंततः मस्जिद के बाहर बैनर लगाकर समुदाय ने यह जानकारी साझा की गई है. ऐसे गलत मानसिकता रखने वाले आमिर खान को झामुमो पार्टी से निष्कासन की मांग करते हैं अन्यथा हमारा समुदाय आगामी समय में मस्जिदों में जाकर जनता से झामुमो को वोट न देने की अपील करेगा. यदि पैसा वापस नहीं किया गया तो आमिर खान तथा उनके परिवार के सदस्यों पर स्थानीय स्तर पर सामाजिक बहिष्कार की भी चेतावनी दी गई. मस्जिद कमेटी का कहना है कि मामला गंभीर है और उन्होंने स्थानीय प्रशासन तथा संबंधित पक्षों से त्वरित जांच और कार्रवाई की मांग की है. झारखंड मुक्ति मोर्चा धनबाद जिला के पदाधिकारियों से भी अनुरोध किया है कि ऐसे लोगों को अपने पास न रखें, ऐसे आचरण से पार्टी का नाम और समुदाय दोनों का नुकसान हो रहा है.इधर झामुमो नेता व कमिटी सचिव आमिर खान का पक्ष लेने का प्रयास किया गया लेकिन उनका फोन नहीं लगा.

# 82,722 नए लोगों का नाम राशन कार्ड में जुड़ा

- 49 हजार का नाम काटा गया, जल्द केवाईसी कराने की अपील

शुभम संदेश। धनबाद

अपने पारिवारिक सदस्यों का नाम राशन कार्ड में चढ़ने का इंतजार करने वाले लोगों को दुर्गा पूजा से पहले एक तोहफा मिला है. धनबाद जिले में राशन कार्ड से 49000 लोगों का नाम हटा दिया गया है. इन नामों के हटते ही नए 82722 सदस्यों का नाम राशन कार्ड में चढ़ाने के लिए स्वीकृति दे दी गई है. राशन वितरण प्रणाली को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के लिए खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने हाल ही में बड़ा अभियान चलाया है. इस अभियान के तहत राशन कार्ड में 82,722 नए सदस्यों का नाम जोड़ा गया है, जबकि 49,000 राशन कार्डधारकों के नाम सूची से हटा दिए गए हैं. यह कदम लगातार छह महीनों से राशन का उठाव न करने वाले लाभार्थियों के खिलाफ उठाया गया है, ताकि योजना का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंच सके.

जिला आपूर्ति पदाधिकारी पंकज कुमार ने बताया कि विभाग द्वारा चलाए जा रहे ई-केवाईसी अभियान के अंतर्गत यह कार्रवाई की गई है. उन्होंने कहा कि राशन कार्ड धारकों को समय-समय पर अपनी जानकारी अपडेट करना अनिवार्य है. जो परिवार छह महीने से अधिक समय से राशन दुकानों से अनाज नहीं उठा रहे हैं, उनके नाम स्वतः ही प्रणाली से हटा दिए जाते हैं. यह कदम फर्जी लाभार्थियों को रोकने और संसाधनों का सही उपयोग सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है.

विभाग के आंकड़ों के अनुसार, नए सदस्यों को जोड़ने का यह कार्य मुख्य रूप से उन परिवारों के लिए किया गया है, जहां जन्म, विवाह या अन्य कारणों से नए सदस्य जुड़े हैं. वहीं, नाम कटौती का मुख्य कारण राशन उठाव में लापरवाही ही है. पंकज कुमार ने लाभार्थियों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द अपना केवाईसी अपडेट करा लें.

(शेष पेज-7 पर)

**रणनीति** प्रदेश कार्यसमिति की 97 वीं बैठक में बोले भामसं के राष्ट्रीय संगठन मंत्री

# भामसं का कार्य संगठित-असंगठित क्षेत्र तक सीमित नहीं

शुभम संदेश। धनबाद

भारतीय मजदूर संघ झारखंड प्रदेश के दो दिवसीय (13-14 सितम्बर 2025) को 97 वीं कार्यसमिति की बैठक धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ के सौजन्य से जुबली हॉल कोयला नगर धनबाद में प्रथम दिन सम्पन्न हुई. जिसमें पूरे झारखण्ड प्रदेश से पदाधिकारीगण एवं कार्यसमिति सदस्य उपस्थित हुये. बैठक की अध्यक्षता भामसंघ झा. प्रदेश के अध्यक्ष बलिराम यादव तथा संचालन महामंत्री राजीव रंजन सिंह ने की. बैठक का उद्घाटन भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय संगठन मंत्री बी. सुरेन्द्रम ने भगवान विश्वकर्मा, मां भारती एवं ठेंगडी जी के चित्र पर मार्त्यापण व द्वीप प्रज्वलित कर श्रमिक गीत के साथ बैठक शुरू हुई. आपेक्षित कार्यसमिति के सदस्यों को अंगवस्त्र एवं मंत्रोचारण के साथ तिलक लगाकर स्वागत किया गया.

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुये अखिल भारतीय मजदूर संघ के संगठन मंत्री बी. सुरेन्द्र ने कहा कि केन्द्र सरकार जो 4 श्रम कानून लागु कर रही है. जिसमें 2 श्रम कानून का भामसंघ ने स्वागत किया और शेष दो श्रम कानून को बदले या सुधार करने की मांग को लेकर भारतीय मजदूर संघ लगातार विरोध कर रहा है और उसमें सरकार को निर्णय लेने पर बाध्य होना होगा क्योंकि भामसंघ देश का ही नहीं, विश्व का सबसे बड़ा श्रम संगठन है. भामसं किसी राजनीतिक पार्टी का संगठन नहीं है. यह संगठन शुद्ध रूप से मजदूरों का, मजदूरों से और मजदूरों द्वारा ही संचालित होता है. उन्होंने संगठन पर जोर देते हुये कहा कि जिस लक्ष्य के लिए हम खड़े हैं, उस लक्ष्य को पूरा करना होगा ताकि देश को परम वैभव के शिखर ले जा सकें. भारतीय मजदूर संघ संगठित-असंगठित क्षेत्र तक सीमित नहीं है. गाँव-घर किसी प्रदेशों में जहां भामसंघ का कार्य नहीं है, वहां संघ के कार्य को आगे बढ़ रहा है. संगठित क्षेत्र का अस्तित्व असंगठित क्षेत्र से ही है. धन-बल संगठित के पास है तो जन-बल असंगठित के पास है.

(शेष पेज-7 पर)

### प्रशासनिक अनियमितियों पर सवाल

# मनरेगा में मृतक के नाम पर मजदूरी का भुगतान

सियारामशरण सिंह

**दुमका**। दुमका जिला के शिकारीपाड़ा प्रखंड में मनरेगा योजना के कार्यान्वयन में अनियमितताओं की खबर सामने आई है. योजना के नियमों और केंद्र एवं राज्य सरकार के निर्देशों की अनदेखी करते हुए प्रखंड स्तरीय अधिकारी मजदूरी और सामग्री खर्च में मनमानी कर रहे हैं. मनरेगा योजना मजदूरों को रोजगार देने के उद्देश्य से संचालित होती है. योजना के तहत 60% राशि मजदूरी के लिए और 40% सामग्री के लिए खर्च की जाती है. एक परिवार को एक योजना का लाभ केवल एक बार ही मिलना चाहिए.

(शेष पेज-7 पर)

यूपीएससी को अनुराग गुप्ता डीजीपी के रूप में मंजूर नहीं

# झारखंड में आईपीएस प्रोन्नति प्रक्रिया फिर अटकी

शुभम संदेश। रांची

झारखंड पुलिस सेवा से भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) में अधिकारियों की प्रोन्नति का मामला एक बार फिर अधर में लटक गया है. वजह है डीजीपी नियुक्ति को लेकर चल रहा विवाद. संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने राज्य के वर्तमान पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता को मान्यता देने से इनकार कर दिया है. इसके चलते आईपीएस प्रोन्नति समिति की प्रस्तावित बैठक बिना किसी नतीजे के टल गई.

राज्य पुलिस सेवा (डीएसपी संवर्ग) से आईपीएस में प्रोन्नति की प्रक्रिया यूपीएससी के माध्यम से होती है. इस समिति में राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव और डीजीपी सदस्य रहते हैं. जानकारी के अनुसार, 13 अगस्त को दिल्ली में बैठक प्रस्तावित थी, जिसमें झारखंड की मुख्य सचिव अलका तिवारी, गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल और डीजीपी अनुराग गुप्ता भाग लेने पहुंचे थे. हालांकि, आयोग ने अनुराग गुप्ता को डीजीपी के रूप में स्वीकार नहीं किया और बैठक निरस्त कर दी गई. आयोग ने राज्य सरकार के तर्कों को भी खारिज कर दिया और अगली बैठक की कोई तारीख तय नहीं की. इससे योग्य अधिकारियों की प्रोन्नति की राह एक बार फिर अटक गई. राज्य सरकार का कहना है कि अनावश्यक देरी से पुलिस सेवा के अफसरों का करियर प्रभावित हो रहा है. गृह विभाग ने यूपीएससी से आग्रह किया है कि या तो अनुराग गुप्ता को समिति में शामिल होने की अनुमति दी जाए या फिर डीजीपी की अनुपस्थिति में ही बैठक आयोजित की जाए.

गौरतलब है कि राज्य सरकार ने डीएसपी से आईपीएस संवर्ग में प्रोन्नति के लिए 17 सीनियर अधिकारियों की फाइल यूपीएससी को भेजी थी. यह बैठक आईपीएस संवर्ग में उपलब्ध 9 रिक्त पदों को भरने के लिए बुलाई जानी थी.

**अफसरों का टूट रहा धैर्य :** राज्य पुलिस सेवा से आईपीएस में पदोन्नति लंबे समय से अटकी हुई है. ऐसे में वरिष्ठ अधिकारियों का धैर्य टूटता दिख रहा है. उनका मानना है कि यह देरी न केवल उनके करियर ग्राफ को प्रभावित कर रही है, बल्कि प्रशासनिक दक्षता पर भी असर डाल रही है. झारखंड सरकार की दलील है कि डीजीपी नियुक्ति से जुड़े विवाद के कारण राज्य के पुलिस अधिकारियों को नुकसान नहीं उठाना चाहिए. लेकिन आयोग का रुख सख्त दिखाई देता है। अब देखना होगा कि यूपीएससी राज्य सरकार के आग्रह पर क्या रुख अपनाता है और प्रोन्नति समिति की बैठक कब बुलाई जाती है.

### इन अधिकारियों की फाइल विचाराधीन

जिन 17 अधिकारियों की फाइल विचाराधीन थी, उनमें राजेश कुमार, अविनाश कुमार, रौशन गुड़िया, श्रीराम समद, निशा मुर्मू, सुरजीत कुमार, वीरेंद्र कुमार चौधरी, राहुल देव बड़ाईक, खीस्टोफर केरकेट्टा, प्रभात रंजन बरवार, अनूप कुमार बड़ाईक, समीर कुमार तिर्की, शिवेंद्र, राधा प्रेम किशोर, मुकेश कुमार महतो, दीपक कुमार-1 और मजरूल होदा शामिल हैं.

रांची-पूर्णिया के यात्रियों के लिए खुशखबरी

# 17 सितंबर से इंडिगो शुरू करेगा नई विमान सेवा

शुभम संदेश। रांची

रांची और पूर्णिया के यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है. इंडिगो एयरलाइंस 17 सितंबर से रांची से पूर्णिया के लिए कोलकाता के रास्ते नई विमान सेवा शुरू करने जा रहा है. यह सेवा फिलहाल प्रायोगिक तौर पर सप्ताह में तीन दिन – सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को संचालित होगी. इंडिगो के अनुसार, यह नई कनेक्टिविटी बिहार और झारखंड के यात्रियों के लिए यात्रा को अधिक सुगम और समय बचाने वाला बनाएगी.

**फ्लाइट शेड्यूल इस प्रकार होगा**

- रांची से सुबह 7:40 बजे विमान कोलकाता के लिए रवाना होगा.
- कोलकाता से यह फ्लाइट दोपहर 1:40 बजे पूर्णिया पहुंचेगी.
- पूर्णिया से यह विमान दोपहर 2:30 बजे उड़ान भरकर कोलकाता जाएगा.
- फिर कोलकाता से उड़ान भरकर यह विमान रात 8:45 बजे रांची लौटेगा.

इस सेवा के शुरू होने से रांची से पूर्णिया की यात्रा अब तेज, सुरक्षित और आरामदायक हो जाएगी. वर्तमान में रांची से पूर्णिया के लिए केवल एक ट्रेन (रांची-पूर्णिया कोर्ट एक्सप्रेस) उपलब्ध है, जबकि बस यात्रा लंबी और थकाऊ मानी जाती है.

**रांची एयरपोर्ट से बढ़ी उड़ानों की सुविधा:** रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से अब देश के कई प्रमुख शहरों के लिए हवाई यात्रा और आसान हो गई है:

- दिल्ली के लिए 7 सीधी फ्लाइट
- बेंगलुरु के लिए 4
- मुंबई और कोलकाता के लिए 3-3 फ्लाइट
- हैदराबाद के लिए 2
- पटना, अहमदाबाद, भुवनेश्वर, चेन्नई और पुणे के लिए 1-1 फ्लाइट

### कनेक्टिंग फ्लाइट्स की सुविधा भी मिलेगी

रांची एयरपोर्ट अब यात्रियों को कई शहरों के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट सुविधा भी दे रहा है. एयरपोर्ट निदेशक आरआर मौर्या ने बताया कि भुवनेश्वर के लिए वाया मुंबई, इंदौर वाया दिल्ली, गुवाहाटी वाया बेंगलुरु, विशाखापत्तनम वाया हैदराबाद, त्रिवेंद्रम वाया बेंगलुरु. इन शहरों के लिए यात्रियों को रांची एयरपोर्ट पर एक बार बोर्डिंग कराने के बाद यात्रा के दौरान दोबारा बोर्डिंग की जरूरत नहीं होगी.

# 15 से 21 सितंबर तक झारखंड दौरे पर कांग्रेस के प्रभारी के राजू

शुभम संदेश। रांची

संगठन सृजन अभियान के तहत अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी (एआईसीसी) के स्थायी आमंत्रित सदस्य एवं झारखंड प्रभारी के. राजू 15 से 21 सितंबर तक झारखंड के सात दिवसीय दौरे पर रहेंगे. इस दौरान वे राज्य के विभिन्न जिलों में ग्राम पंचायत कांग्रेस समितियों, जिला कांग्रेस अध्यक्षों और पर्यवेक्षकों के साथ संगठनात्मक समीक्षा बैठकें करेंगे.

**कांग्रेस ने झारखंड में संगठन सुदृढ़ करने पर दिया जोर:** प्रदेश महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया कि यह दौरा झारखंड में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की दिशा में अहम साबित होगा.

### देवघर से शुरू होगा दौरा

- **15 सितंबर : सुबह 11 बजे देवघर एयरपोर्ट पर आगमन.**

दोपहर 2 बजे सरैयाहाट (दुमका) में ग्राम पंचायत समिति बैठक.
शाम 5 बजे बरहरवा (साहिबगंज) में बैठक, रात्रि विश्राम पाकुड़.
पाकुड़, दुमका और जामताड़ा कार्यक्रम

- **16 सितंबर : सुबह 10 बजे पाकुड़ सदर प्रखंड में बैठक.**

दोपहर 3 बजे दुमका सर्किट हाउस में संथाल परगना की समीक्षा बैठक.
शाम को जामताड़ा में रात्रि विश्राम.

- **17 सितंबर : सुबह 10 बजे नारायणपुर ब्लॉक (जामताड़ा) में बैठक.**

दोपहर 1 बजे हजारीबाग प्रस्थान, रात्रि विश्राम हजारीबाग.
हजारीबाग और पलामू संभाग का कार्यक्रम

- **18 सितंबर :** सुबह 10 बजे हजारीबाग सर्किट हाउस में उत्तर छोटानागपुर प्रमंडल समीक्षा बैठक.

दोपहर 12 बजे पलामू के लिए प्रस्थान.
शाम 4 बजे पलामू सर्किट हाउस में बैठक, रात्रि विश्राम पलामू.

- **19 सितंबर : सुबह 10 बजे बड़गढ़ (गढ़वा) में ग्राम पंचायत बैठक.**

11:30 बजे रांची प्रस्थान.
शाम 4 बजे राजकीय अतिथिशाला रांची में दक्षिण छोटानागपुर संभाग की समीक्षा बैठक.
कोल्हान प्रमंडल और रांची कार्यक्रम

- **20 सितंबर : सुबह 10 बजे सरायकेला-खरसावां में कोल्हान प्रमंडल समीक्षा बैठक.**

दोपहर 3 बजे पुराने विधानसभा हॉल (धुर्वा, रांची) में मीडिया एवं सोशल मीडिया जिला अध्यक्ष बैठक.

- **21 सितंबर : सुबह 10 बजे पुराने विधानसभा हॉल (धुर्वा) में अनुसूचित जाति नेताओं की बैठक.**

11:30 बजे कोचांग (खूंटी) के लिए प्रस्थान.
दोपहर 1 बजे कोचांग में स्थानीय आदिवासियों से मुलाकात.
शाम 5 बजे रांची एयरपोर्ट प्रस्थान और रात 9 बजे हैदराबाद वापसी.

रिम्स शासी परिषद की बैठक संपन्न, 16 अहम एजेंडों पर गहन समीक्षा

# स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने दिए कड़े निर्देश

### खास बातें

- रिम्स को देश का बेहतरीन संस्थान बनाने की तैयारी
- एमआरआई मशीन की खरीद पर त्वरित आदेश
- ट्रॉमा सेंटर और वेंटीलेटर सुधार पर जोर

स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि हम रिम्स को देश के बेहतरीन संस्थानों की श्रेणी में लाना चाहते हैं. यह तभी संभव है जब सभी जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी गंभीरता से अपनी भूमिका निभाएं. हर स्तर पर बदलाव लाने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। रिम्स की व्यवस्था को बदलने के लिए मैं पूरी तरह गंभीर हूं. इस दिशा में मेरी लगातार मुख्यमंत्री जी से वार्ता होती रहती है और उनका मार्गदर्शन मुझे निरंतर मिल रहा है. बहुत जल्द रिम्स में एक बड़ा और व्यापक बदलाव देखने को मिलेगा. थोड़ा समय जरूर लग सकता है, लेकिन बदलाव की बयार अब लोगों को दिखने लगी है और आने वाले समय में और भी ठोस कदम उठाए जाएंगे, जिससे मरीजों को बेहतर इलाज और आधुनिक सुविधाएं मिल सकें. वह राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स (राजेन्द्र आयुर्विज्ञान संस्थान), रांची में शनिवार को रिम्स शासी परिषद की महत्वपूर्ण बैठक में बोल रहे थे.

**निजी प्रैक्टिस पर होगी सख्त कार्रवाई:** मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि सरकारी ड्यूटी के दौरान बाहर प्राइवेट प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी. एमआरआई मशीन की खरीद प्रक्रिया को त्वरित गति देने का आदेश निदेशक को दिया गया है. ट्रॉमा सेंटर में खराब पड़े वेंटीलेटरों को बदलने/मरम्मत करने, बिल्डिंग की मरम्मत और साफ-सफाई को प्राथमिकता देने का भी निदेश दिया गया है. अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि निदेशक को कई मुद्दों पर तत्काल कार्रवाई करने के आदेश दिए गए हैं और आने वाले समय में रिम्स में ठोस बदलाव नजर आएगा.

रिम्स निदेशक ने बैठक को सकारात्मक और परिणामदायक बताया और भरोसा दिलाया कि आने वाले दिनों में रिम्स में व्यापक सुधार देखने को मिलेगा. बैठक में निर्णय लिया गया कि अगली बैठक 9 अक्टूबर 2025 को होगी, जिसमें शेष प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी.

**बैठक में ये थे मौजूद:** बैठक में विधायक सुरेश कुमार बैठा, अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, वित्त सचिव, रिम्स निदेशक, रांची विश्वविद्यालय के कुलपति, रिनपास निदेशक, प्रमंडलीय आयुक्त सहित कई अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे.

### मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में रिम्स को नई दिशा

### बैठक में विभिन्न एजेंडों पर गहन विचार-विमर्श हुआ

- क्रय में देरी और उससे उत्पन्न समस्याएं
- ट्रॉमा सेंटर की सुविधाएं व खामियां
- रखरखाव व्यवस्था और खराब वेंटीलेटरों की स्थिति
- आवश्यक मशीनों की खरीद और उपयोग
- इलाज की वर्तमान स्थिति और सुधार की रूपरेखा

कांग्रेस नेता ने भाजपा नेता गिरिराज सिंह की मानसिक स्थिति पर उठाए सवाल

# गिरिराज को जो मन में आता है, वही बोल देते हैं...

उन्हें कोई गंभीरता से नहीं लेता है : राजेश ठाकुर

शुभम संदेश। रांची

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता व केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह को लेकर झारखंड कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता राजेश ठाकुर ने तीखी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने गिरिराज सिंह की मानसिक स्थिति पर सवाल उठाते हुए कहा कि वे जो मन में आता है, वही बोल देते हैं, इसलिए अब लोग उन्हें गंभीरता से नहीं लेते. ठाकुर ने कहा कि गिरिराज सिंह की मानसिक स्थिति ठीक नहीं दिखती. उनके बयानों में स्थिरता नहीं है और वे अक्सर असंगत बातें कर जाते हैं. शायद यही कारण है कि उन्हें अब कोई गंभीरता से नहीं लेता है.

राजेश ठाकुर ने गिरिराज सिंह के हालिया बयानों पर भी कड़ी आपत्ति जताई और कहा कि लोकतंत्र में किसे क्या अधिकार है, यह जनता तय करती है, न कि कोई व्यक्ति विशेष. उन्होंने कहा कि देश की जनता ही तय करेगी कि कौन क्या है. आने वाले दिनों में जनता इनके चाल, चरित्र और चेहरे को पहचान लेगी और उचित निर्णय लेगी.कांग्रेस नेता ने गिरिराज सिंह द्वारा समुदाय विशेष को लेकर की गई टिप्पणियों की भी आलोचना की. उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म या समुदाय के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणी करना निंदनीय है और इसे किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किया जा सकता. ऐसे बयान समाज को तोड़ने वाले होते हैं, न कि जोड़ने वाले.

ठाकुर ने आरोप लगाया कि गिरिराज सिंह जैसे नेता मंदिर की आड़ में राजनीति कर रहे हैं और अब तक जनता के हित में कोई ठोस कदम नहीं उठाया है. उन्होंने कहा, "वे न तो किसी मंदिर के पुजारी हैं और न ही उन्हें कुछ तय करने का कोई अधिकार है. लोकतंत्र में फैसले जनता करती है, न कि नेता.उन्होंने सलाह देते हुए कहा कि गिरिराज सिंह को अब अपने रवैये में बदलाव लाना चाहिए और केवल राजनीति पर ध्यान देना चाहिए. साथ ही, उन्हें उस समुदाय की गरिमा बनाए रखनी चाहिए, जिसका वे प्रतिनिधित्व करते हैं. ठाकुर ने कहा कि अगर वे ऐसा करेंगे, तो यह उनके लिए ही बेहतर होगा.

**बड़ा सवाल :** तीन माह बाद भी विभागों तक नहीं पहुंचा कार्मिक का आदेश

# एक ही पद पर बैठे दो सेवाओं के लिए मूल्यांकन में भिन्नता पर भी सवाल

शुभम संदेश। रांची

झारखंड सरकार के कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा 26 जून 2025 को जारी आदेश तीन माह बीत जाने के बाद भी अधिकांश विभागों तक नहीं पहुंच सका है. हैरानी की बात है कि प्रोजेक्ट भवन में स्थित विभागों को भी इसकी प्रति नहीं मिली, जबकि यहीं कार्मिक विभाग का कार्यालय भी है. आदेश सचिवालय सेवा (राजपत्रित और अराजपत्रित) के पदाधिकारियों की वार्षिक गोपनीय चरित्र रिपोर्ट (एसीआर) से जुड़ा है. पत्रांक संख्या 3829 के तहत जारी इस आदेश को विभागीय वेबसाइट पर भी अपलोड नहीं किया गया है.

हालांकि, जैसे-जैसे आदेश की प्रति अनौपचारिक रूप से सचिवालय सेवा के अधिकारियों तक पहुंच रही है, इस पर सवाल खड़े हो रहे हैं. अधिकारियों का कहना है कि आदेश में किए गए संशोधन से न केवल पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं, बल्कि सेवा शर्तों में असमानता भी पैदा हो रही है. कुल मिलाकर, कार्मिक विभाग के आदेश में विलंब और संशोधनों को लेकर सचिवालय सेवा के पदाधिकारियों में असंतोष गहराता जा रहा है. एक ही पद पर कार्यरत दो सेवाओं के लिए अलग मूल्यांकन प्रणाली और एमएस ऑफिस ज्ञान को एसीआर का आधार बनाने जैसे बिंदु विवाद को और गहरा सकते हैं. अब देखना होगा कि सरकार इन आपत्तियों पर क्या रुख अपनाती है और आदेश को लेकर उत्पन्न असमंजस को कैसे दूर करती है.

**मूल्यांकन प्रणाली में असमानता :** कार्मिक विभाग ने एसीआर से जुड़े जिन दो बिंदुओं में बदलाव किया है, उनमें सबसे बड़ा विवाद मूल्यांकन प्रणाली को लेकर है. सचिवालयों में अवर सचिव, उप सचिव और संयुक्त सचिव के पदों पर सचिवालय सेवा और राज्य प्रशासनिक सेवा, दोनों के अधिकारी कार्यरत रहते हैं. लेकिन आदेश के अनुसार, दोनों सेवाओं के लिए अलग-अलग मूल्यांकन प्रणाली अपनाई जाएगी. सवाल उठ रहा है कि एक ही पद पर कार्यरत दो सेवाओं के लिए मूल्यांकन का पैमाना अलग कैसे हो सकता है. इसे सेवा शर्तों में भेदभाव माना जा रहा है.

### तकनीकी दक्षता पर आपत्ति

कार्मिक विभाग के एक अन्य संशोधन के तहत अब एमएस ऑफिस की जानकारी को भी एसीआर का आधार बनाया गया है. सचिवालय सेवा के अधिकारियों का कहना है कि यह संशोधन 26 जुलाई 2016 को जारी आदेश के विरुद्ध है. उस आदेश (पत्रांक 6427) में स्पष्ट किया गया था कि सहायक प्रशाखा पदाधिकारियों से टंकण परीक्षा नहीं ली जाएगी. ऐसे में अब तकनीकी दक्षता को एसीआर से जोड़ना सेवा शर्तों में अनावश्यक और दुर्भावनापूर्ण परिवर्तन माना जा रहा है.

### पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न

आदेश की प्रति तीन महीने बाद भी संबंधित विभागों तक आधिकारिक रूप से न पहुंचना प्रशासनिक लापरवाही को दर्शाता है. वेबसाइट पर अपलोड न किया जाना भी पारदर्शिता की कमी को उजागर करता है. अधिकारी मानते हैं कि इस तरह के आदेश को स्पष्ट और समय पर सभी विभागों तक पहुंचाना आवश्यक था.

राष्ट्रीय लोक अदालत में राज्य भर में 20.61 लाख वादों का निपटारा

# झारखंड 'नालसा वीर परिवार सहायता योजना 2025' का वर्चुअल शुभारंभ, सैनिकों को निः शुल्क विधिक सहायता के लिए नई पहल

- 924 करोड़ रु के वादों का सेटलमेंट किया गया

शुभम संदेश। रांची

झारखंड राज्य के सभी जिलों में शनिवार को नालसा वीर परिवार सहायता योजना 2025 के तहत रक्षा कर्मियों, भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों के लिए विधिक सेवा क्लिनिकों का वर्चुअल शुभारंभ किया गया. इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का उद्घाटन झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सह संरक्षक-इन-चीफ, झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (झालसा) न्यायमूर्ति तरलोक सिंह चौहान ने रांची स्थित आर्मी कैंट के केरकेट्टा सभागार में किया. मौके पर उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद, न्यायमूर्ति संजय कुमार द्विवेदी, न्यायमूर्ति संजय प्रसाद, मेजर जनरल सज्जन सिंह मान (जीओसी, 23 इन्फैंट्री डिवीजन), ब्रिगेडियर राज कुमार सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित थे.

मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान ने इसे महज औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि राष्ट्र रक्षा में समर्पित वीर सैनिकों के प्रति न्यायपालिका की ओर से श्रद्धांजलि बताया. साथ ही उन्होंने बताया कि यह पहल न्याय से वंचित वीर परिवारों तक पहुंचने का संकल्प है.

इस अवसर पर राज्यभर में राष्ट्रीय लोक अदालत का भी आयोजन किया गया, जिसमें 288 पीठों के माध्यम से 19,01,846 वादपूर्व और 1,60,032 लंबित मामलों का निपटारा किया गया. कुल 9,24,93,44,880 की राशि के वादों में समझौता संपन्न हुआ.

कार्यक्रम के दौरान 90 दिवसीय वीर परिवार सहायता अभियान की भी शुरुआत हुई, जिसका उद्देश्य अधिक से अधिक लाभार्थियों की पहचान कर उन्हें त्वरित विधिक सहायता एवं राहत उपलब्ध कराना है.

झालसा की सदस्य सचिव कुमारी रंजना अस्थाना ने बताया कि यह योजना संविधान के अनुच्छेद 39(क) के तहत सैनिकों, पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों को मिले अधिकारों के प्रति उन्हें जागरूक करने और मुफ्त विधिक सहायता प्रदान करने की दिशा में एक प्रभावी कदम है.

# मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलेगा अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ का प्रतिनिधिमंडल

**रांची।** झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ जल्द ही अपनी 21 सूत्री मांगों को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात करेगा. महासंघ ने आरोप लगाया कि जेएसएलपीएस सहित विभिन्न विभागों के संविदा, अनुबंध व दैनिक वेतनभोगी कर्मियों को आज तक न तो केंद्र के अनुरूप वेतनमान, ग्रेड-पे व भत्ता मिला है और न ही स्थायीत्व. डाटा एंट्री ऑपरेटर, ऑफिस अटेंडेंट, बीपीएम, पीआरपी-बीएपी आदि को उचित वेतन और ग्रेड नहीं दिया गया. महासंघ ने बताया कि 2023 में मुख्यमंत्री सचिवालय द्वारा सभी विभागों को पत्र भेजे गए, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई. इससे कर्मचारियों में आक्रोश है. महासंघ के महामंत्री सुनील कुमार साह अध्यक्ष, देव नारायण सिंह मुंडा, संरक्षक गणेश प्रसाद सिंह, सम्मानित अध्यक्ष मुक्तेश्वर लाल, सुरेश हाजरा, डॉ गणेश राम, बिनोद कुमार, कमलेश कुमार, सुरेश कुमार, करन कुमार गुप्ता ने सीएम से महासंघ की मांगों को पूरा करने की मांग की है.

# पुलिस-प्रशासन को बंधक बनाकर हेमंत खेल रहे सत्ता का खेल: बाबूलाल मरांडी

शुभम संदेश। रांची

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर आज फिर कई गंभीर आरोप लगाये हैं. उन्होंने कहा है कि हेमंत सरकार में झारखंड की पुलिस व्यवस्था और प्रशासन को बंधक बनाकर सत्ता का खेल खेला जा रहा है. यही वजह है कि 17 सीनियर डीएसपी के प्रमोशन की प्रक्रिया महीनों से ठप पड़ी है. पुलिसकर्मी अपने हक से वंचित हैं, क्योंकि सरकार ने एक अवैध नियुक्ति को जबरदस्ती थोप रखा है. संविधान और कानून की धज्जियां उड़ाकर सिर्फ और सिर्फ अपने भ्रष्टाचार को बचाने के लिए पूरी व्यवस्था को पंगु बना दिया है.

**गुनाहों को ढकने के लिए दी डीजीपी की कुर्सी :** बाबूलाल ने कहा कि यूपीएससी ने अनुराग गुप्ता को प्रोन्नति बैठक में शामिल करने से इनकार कर दिया और इसी कारण बैठक तक रद्द कर दी गई, लेकिन मुख्यमंत्री लोकतंत्र का गला घोटने पर उतर आए हैं. राज्य सरकार ने जिन अनुराग गुप्ता को डीजीपी बनाकर बिठा रखा है, उन्हें न तो यूपीएससी मान्यता देता है, न ही भारत सरकार. यहां तक कि वे अपनी सेवा अवधि पूरी कर चुके हैं, सेवानिवृत्ति की उम्र पार कर चुके हैं और वेतन तक नहीं पा रहे हैं. फिर भी सत्ता की कुर्सी बचाने और अपने गुनाहों को ढकने के लिए हेमंत सोरेन सरकार ने उन्हें डीजीपी की कुर्सी थमा दी.

### सिस्टम को माफिया की सेवा में झोंक दिया

मरांडी ने आगे कहा कि अगर पुलिस प्रमोशन जैसी नियमित प्रक्रिया ही रुक जाए तो क्या इसका सीधा असर पूरे राज्य की कानून-व्यवस्था और पुलिस मनोबल पर नहीं पड़ेगा. असलियत यही है कि हेमंत सरकार ने पूरे सिस्टम को अपने भ्रष्ट नेटवर्क और माफ़ियाओं की सेवा में झोंक दिया है. डीजीपी की कुर्सी भी अब उनके लिए एक "सुरक्षा कवच" बन गई है ताकि उनके काले कारनामे बाहर न आ सकें और वे जेल से दूर रह सकें. हेमंत सोरेन को समझना होगा कि डीजीपी संवैधानिक पद है, मुख्यमंत्री के हाथ का झुनझुना नहीं है कि जिसे जब मन चाहा थमा दिया. आपकी मनमानी का जवाब जनता के पास भी है और संविधान के पास भी.

# बाबूलाल का डीजीपी मुद्दे पर बोलने का कोई औचित्य नहीं, भाषा की मर्यादा सीखें : विनोद पांडेय

शुभम संदेश। रांची

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की नसीहत के बाद भाजपा नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के पास डीजीपी नियुक्ति पर सवाल उठाने का कोई औचित्य नहीं बचता. उन्होंने कहा कि माननीय अदालत ने मरांडी की अवमानना याचिका को महत्वहीन ठहराया था. कहा था कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के लिए कोर्ट में याचिका नहीं दायर करनी चाहिए. पांडेय ने याद दिलाया कि भाजपा नेताओं के अनुसार अदालत की टिप्पणी के बाद ही मरांडी ने स्वेच्छा से अपना मामला वापस ले लिया था.

पांडेय ने कहा है कि जब सर्वोच्च न्यायालय ने कह दिया है कि यह मामला दो अधिकारियों के बीच प्रतिद्वंद्विता जैसा है, तब प्रेस के मंच से सरकार और पुलिस पर आरोप लगाकर मरांडी आखिर क्या साबित करना चाहते हैं? झामुमो नेता ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार हमेशा संवैधानिक संस्थाओं और न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करती है. डीजीपी नियुक्ति का मुद्दा अभी अदालत में विचाराधीन है और सरकार उसी के अनुरूप आगे बढ़ रही है.

पांडेय ने चेतावनी दी कि विपक्षी नेताओं को आलोचना करते समय भाषा की मर्यादा बनाए रखनी चाहिए. कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष का मतलब असंयमित बयानबाजी नहीं है. कहा कि जनता सब देख रही है और यदि मरांडी को सचमुच पुलिस व्यवस्था की चिंता है, तो उन्हें अदालत के फैसलों और संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान करना चाहिए.

03

# शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, रविवार 14 सितंबर 2025 ● आश्विन कृष्ण पक्ष 07, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 158 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

**मौसम**

| शहर | अधिकतम | न्यूनतम |
|---|---|---|
| रांची | 31.1 | 24.2 |
| डालटनगंज | 32.0 | 25.6 |
| धनबाद | 31.6 | 25.5 |

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

## संडे खास: भारत के लिए बेहद अहम पड़ोसी है नेपाल यानी मोस्ट फेवर्ड नेशन

# 35 लाख वर्कर्स, 32 हजार गोरखा जवान, रोटी-बेटी का रिश्ता

शुभम संदेश डेस्क

पड़ोसी देश नेपाल में पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को अंतरिम प्रधानमंत्री बनाया गया है. पिछले कुछ दिनों से वहां उपद्रव की स्थिति थी. भारत सरकार वहां की स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए है. भारत का नेपाल के साथ रोटी-बेटी का संबंध रहा है. नेपाल में पेट्रोल और डीजल की पूरी सप्लाई भारत से होती है. दोनों देशों के बीच खुली सीमा है और लोग बेरोकटोक एक दूसरे के इलाके में जा सकते हैं.

एक अनुमान के मुताबिक 35 लाख नेपाली भारत में काम करते हैं या रहते हैं. नेपाल के 32,000 मशहूर गोरखा सैनिक दशकों पुराने एक स्पेशल एग्रीमेंट के तहत भारतीय सेना में हैं. साथ ही नेपाल भारत और चीन के बीच बफर स्टेट का भी काम करता है. इससे आप भारत के लिए नेपाल की

अहमियत का अंदाजा लगा सकते हैं. नेपाल एक हिंदू-बहुसंख्यक देश है और बॉर्डर के दोनों तरफ के समुदायों के बीच गहरे पारिवारिक संबंध हैं. लोग बिना वीजा या पासपोर्ट के दोनों देशों के बीच यात्रा करते हैं. 1950 की संधि के तहत नेपाली बिना किसी रोक-टोक के भारत में काम भी कर सकते हैं. बॉर्डर खुला होने की वजह से दोनों देशों के लोगों का आपस में जुड़ाव है. दोनों तरफ के परिवार रोजाना एक-दूसरे के साथ बातचीत करते हैं. नेपाल में कई महत्वपूर्ण हिंदू तीर्थ स्थल भी हैं. हर साल भारत से हजारों हिंदू तीर्थयात्री नेपाल आते हैं.

### सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर

जानकारों का कहना है कि नेपाल में लंबे समय तक राजनीतिक अस्थिरता रहने से सप्लाई चेन बाधित हो सकती है और एक्सपोर्ट पर इसका असर पड़ सकता है. भारत, नेपाल का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है. पिछले फाइनेंशियल ईयर में भारत ने नेपाल को 7.32 बिलियन डॉलर का सामान एक्सपोर्ट किया जबकि भारत में हिमालय की गोद में बसे इस देश से 1.2 बिलियन डॉलर का इम्पोर्ट किया. इस तरह भारत ट्रेड सरप्लस की स्थिति में है. वित्त वर्ष 2024 में भारत का एक्सपोर्ट 7 बिलियन डॉलर था जबकि इम्पोर्ट 0.831 बिलियन डॉलर था. भारत ने नेपाल को मोस्ट फेवर्ड नेशन का दर्जा दे रखा है. दोनों देश एकदूसरे के अधिकांश सामान पर कोई टैरिफ नहीं लगाते हैं. भारत से नेपाल को होने वाले मुख्य एक्सपोर्ट में पेट्रोलियम उत्पाद, गाड़ियां, मशीनरी, बिजली के उपकरण और खाने-पीने की चीजें शामिल हैं. नेपाल का अधिकांश हिस्सा पहाड़ी होने की वजह से इसकी अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से खेती और पर्यटन पर निर्भर है. उसके कुल व्यापार में 60 फीसदी से ज्यादा भारत के साथ ही होता है. भारत से नेपाल को बिजली से लेकर तेल तक की सप्लाई की जाती है.

### तेल की सप्लाई

हमारी सरकारी कंपनी इंडियन आयल कारपोरेशन नेपाल को उसकी जरूरत के तेल की सप्लाई करती है. इतना ही नहीं वहां डिस्ट्रीब्यूशन का काम भी इसी कंपनी के हवाले है. भारत के मुकाबले नेपाल में तेल की कीमत काफी कम है. इसकी वजह यह है कि वहां टैक्स कम है. साथ ही भारत से नेपाल को सस्ती दरों पर बिजली की भी आपूर्ति की जाती है. भारत के बजट में नेपाल के लिए भी प्रावधान किया जाता है. नेपाल के एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार रक्सौल से हल्दिया के बीच एक एक्सप्रेसवे भी बना रही है. भारत भी नेपाल से कुछ चीजें खरीदता है. इनमें उसमें जूट प्रोडक्ट, इस्पात फाइबर, लकड़ी के सामान, कॉफी, चाय और मसाले शामिल हैं. पिछले साल भारत ने नेपाल से सबसे ज्यादा वनस्पति तेल और फैट का आयात किया था. इसके अलावा स्टील, कॉफी-चाय, मसालों, लकड़ी और लकड़ी से बने सामान, टेक्सटाइल, फाइबर, नमक और स्टोन जैसी चीजें भी नेपाल से आयात की गईं. भारत की कई दिग्गज कंपनियों के प्रोजेक्ट नेपाल में चल रहे हैं. इनके जरिए वहां के हजारों लोगों को रोजगार मिल रहा है. नेपाली कंपनियों के प्रोडक्ट के लिए भी भारत सबसे बड़ा बाजार बना हुआ है.

**भारतीय कंपनियां:** साथ ही भारत की एफएमसीजी कंपनियों की नेपाल में बड़ी मौजूदगी है. मसलन सूर्या नेपाल पर आईटीसी का कंट्रोल है. इसी तरह डाबर, यूनिलीवर, वरुण बेवरेजेज, ब्रिटानिया और देवयानी इंटरनेशनल ने नेपाल में अपनी यूनिट स्थापित की है. हर साल करीब 5 लाख लोग भारत और नेपाल के बीच यात्रा करते हैं. 2024 में 202,501 नेपाली भारत आए जबकि 309,207 भारतीयों ने नेपाल का यात्रा की. अभी रोजाना 10 फ्लाइट्स भारत से नेपाल के लिए उड़ान भरती हैं. एयर इंडिया की पांच और इंडिगो की तीन फ्लाइट दिल्ली से काठमांडू के बीच चलती हैं. इसी तरह इंडिगो हैदराबाद और मुंबई से भी नेपाल के लिए फ्लाइट ऑपरेट करती है. एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि अभी नेपाल के साथ व्यापार को लेकर चिंता की कोई बात नहीं है. भारत सरकार स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही हैं और एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल्स के साथ लगातार संपर्क में हैं ताकि किसी भी संभावित खतरे का आकलन किया जा सके. एक अन्य अधिकारी ने कहा कि सुचारू व्यापार प्रवाह सुनिश्चित करना जरूरी है.

नेपाल के साथ दशकों पुरानी व्यापार साझेदारी को बनाए रखने के लिए लगातार बातचीत भी जरूरी है. बिना किसी रुकावट के सामान की आवाजाही बनाए रखना न केवल भारतीय एक्सपोर्टर्स के लिए जरूरी है, बल्कि नेपाली उपभोक्ताओं के लिए भी जरूरी है.

## ब्रीफ न्यूज

### कांग्रेस की आईटी सेल के खिलाफ एफआईआर दर्ज

**नयी दिल्ली।** पीएम मोदी व उनकी मां हीराबेन को लेकर बनाए गए एआई के वीडियो के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है. पुलिस ने शनिवार को बिहार कांग्रेस के सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर 10 सितंबर को एआई/डीपफेक वीडियो शेयर करने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की है. एफआईआर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में दर्ज किया गया है. ये एफआईआर भाजपा चुनाव सेल के संयोजक संकेत गुप्ता की ओर से की गई शिकायत पर पर दर्ज हुई है.

### रूस में धरती कांपी, 7.1 तीव्रता का भूकंप आया

**मॉस्को।** रूस में शनिवार को भीषण भूकंप आने की खबर है. रूस स्थित कमचटका प्रायद्वीप के पूर्वी तट के पास रिक्टर पैमाने पर 7.1 तीव्रता का भूकंप आया. भूकंप आने के बाद सुनामी की चेतावनी भी जारी की गई. जर्मन रिसर्च सेंटर के अनुसार भूकंप की गहराई लगभग 10 किमी थी. हालांकि अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने भूकंप की तीव्रता 7.4 और गहराई 39.5 किमी दर्ज की है. इस क्रम में पैसिफिक सुनामी वार्निंग सेंटर ने चेतावनी जारी कर कहा है कि इस भूकंप से सुनामी की लहरें पैदा हो सकती हैं.

### छह करोड़ से भी अधिक आईटी रिटर्न दाखिल हुए

**नयी दिल्ली।** आईटीआर फाइलिंग, कर भुगतान और अन्य संबंधित सेवाओं के लिए करदाताओं की सहायता के लिए, हेल्पडेस्क 24x7 आधार पर काम कर रहा है. विभाग ने उन लोगों से भी कहा, जिन्होंने अब तक आईटीआर दाखिल नहीं किया है, से अपील की है कि वे भीड़ से बचने के लिए जल्द इसे दाखिल करें. विभाग ने मई में ऐसे व्यक्तियों, एचयूएफ और संस्थाओं की ओर से 2025-26 (2024-25 की आय के लिए) के लिए आईटीआर जमा करने की अंतिम तारीख बढ़ाकर 15 सितंबर करने की घोषणा की थी.

## मणिपुर में पीएम ने लोगों से की शांति के मार्ग पर चलने की अपील, कहा

# मैं आपके साथ, भारत सरकार आपके साथ

एजेंसियां। इंफाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को मणिपुर का दौरा किया. दो साल पहले भड़की हिंसा के बाद पीएम मोदी का यहां का पहला दौरा है. उन्होंने मणिपुर के चुराचांदपुर में विभिन्न विकास कार्यों की आधारशिला रखी. उन्होंने जनसभा को भी संबोधित किया.

पीएम मोदी ने मणिपुर के लोगों से वादा करते हुए कहा, मैं आपके साथ हूं, भारत सरकार आप लोगों के साथ है. उन्होंने कहा, मैं मणिपुर के लोगों के जज्बे को सलाम करता हूं. भारी बारिश के बावजूद आप इतनी बड़ी संख्या में यहां एकत्रित हुए हैं और मैं आपके प्यार और स्नेह के लिए तहे दिल से आभारी हूं. जब मौसम की वजह से हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका, तो मैंने सड़क मार्ग से यात्रा करने का विकल्प चुना. मुझे जो गर्मजोशी और प्यार मिला, उसे मैं कभी नहीं भूल पाऊंगा. मैं मणिपुर के लोगों के प्रति सम्मान में सिर झुकाता हूं.

**सैकड़ों गांवों में रोड कनेक्टिविटी पहुंचाई गई :** उन्होंने कहा कि पहले यहां गांवों में पहुंचना कितना मुश्किल था, आप सभी जानते हैं. अब सैकड़ों गांवों में यहां रोड कनेक्टिविटी पहुंचाई गई है. इसका बहुत अधिक लाभ पहाड़ी लोगों को, ट्राइबल गांवों को हुआ है. हमारी सरकार के दौरान ही मणिपुर में रेल कनेक्टिविटी का विस्तार हो रहा है. जीरीबाम-इंफाल रेलवे लाइन बहुत जल्द राजधानी इंफाल को नेशनल रेल नेटवर्क से जोड़ देगी.

**चुराचांदपुर में मेडिकल कॉलेज बन गया :** मोदी ने कहा कि पहले पहाड़ी और आदिवासी इलाकों में अच्छे स्कूल और अस्पताल बस सपना ही थे. आज चुराचांदपुर में एक मेडिकल कॉलेज बन गया है. आजादी के दशकों बाद भी मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में एक भी मेडिकल कॉलेज नहीं था. हमारी सरकार ने इस जरूरत को पूरा किया है. पीएम-देवाइन योजना के तहत हमारी सरकार पांच पहाड़ी जिलों में आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का विकास कर रही है. आयुष्मान भारत योजना के जरिए भारत सरकार गरीबों को 5 लाख तक का मुफ्त इलाज मुहैया करा रही है.

**हिंसा के कारण विस्थापित हुए कई लोगों से बातचीत :** इससे पहले पीएम ने चुराचांदपुर शांति मैदान में मणिपुर जातीय हिंसा के कारण विस्थापित हुए कई लोगों से बात की. मोदी ने आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों के परिवारों की चिंताओं को सुना और उन्हें राज्य में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया.

### दुर्भाग्य से इस खूबसूरत क्षेत्र पर हिंसा का साया पड़ गया

पीएम मोदी ने कहा, मणिपुर की धरती आशा और आकांक्षाओं की धरती है. दुर्भाग्य से इस खूबसूरत क्षेत्र पर हिंसा का साया पड़ गया है. कुछ समय पहले मैं राहत शिविरों में रह रहे प्रभावित लोगों से मिला. उनसे मिलने के बाद मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि मणिपुर में आशा और विश्वास का एक नया सवेरा उग रहा है. ये भारत सरकार के प्रयासों का हिस्सा हैं, जिनमें संवाद, सम्मान और आपसी समझ को महत्व देते हुए शांति स्थापित करने का कार्य किया जा रहा है. मैं सभी संगठनों से शांति के मार्ग पर आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने की अपील करता हूं.

### मणिपुर की ये धरती हौसलों और हिम्मत की धरती

उन्होंने कहा, मणिपुर की ये धरती हौसलों और हिम्मत की धरती है. ये हिल्स... प्रकृति का अनमोल उपहार हैं, और साथ ही ये हिल्स आप सभी लोगों की निरंतर मेहनत का भी प्रतीक हैं. मणिपुर के नाम में ही मणि है, ये वो मणि है, जो आने वाले समय में पूरे नॉर्थ-ईस्ट की चमक को बढ़ाने वाली है. भारत सरकार का निरंतर प्रयास रहा है कि मणिपुर को विकास के रास्ते पर तेजी से आगे ले जाएं. इसी कड़ी में मैं आज यहां आप सभी के बीच आया हूं. इसी मंच से करीब 7 हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास हुआ है.

### संगठनों के साथ समझौतों के लिए बातचीत हुई

उन्होंने कहा कि हमें संतोष है कि हाल ही में पहाड़ी और घाटी में अलग-अलग संगठनों के साथ समझौतों के लिए बातचीत हुई है. ये भारत सरकार के उन प्रयासों का हिस्सा है, जिसमें संवाद, सम्मान और आपसी समझ को महत्व देते हुए शांति की स्थापना के लिए काम किया जा रहा है. मैं सभी संगठनों से अपील करूंगा कि शांति के रास्ते पर आगे बढ़कर अपने सपनों को पूरा करें. मैं आपके साथ हूं, भारत सरकार मणिपुर के लोगों के साथ है.

### मणिपुर को क्या-क्या सौगात मिली

- पीएम ने चुराचांदपुर में 7,300 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास किया. इनमें 3,647 करोड़ की शहरी सड़कें, जल निकासी और परिसंपत्ति प्रबंधन सुधार और 550 करोड़ की मणिपुर इन्फोटेक परियोजना शामिल हैं.
- उन्होंने 142 करोड़ की लागत से नौ महिला छात्रावासों और 105 करोड़ की लागत से विकसित होने वाली सुपर व स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं का शिलान्यास किया.
- पीएम मोदी ने पोलो ग्राउंड और उसके आसपास 30 करोड़ रुपये की लागत से बुनियादी ढांचे के विकास और सभी 16 जिलों में 134 करोड़ रुपये की लागत से 120 स्कूलों की सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की आधारशिला रखी.
- मणिपुर के विभिन्न हिस्सों में ग्रामीण संपर्क, शिक्षा और पर्यटन से संबंधित 102 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली विभिन्न परियोजनाओं को भी उन पहलों की सूची में शामिल किया गया, जिनकी आधारशिला रखी गई।
- इंफाल में खुमान लम्पक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 36 करोड़ रुपये की लागत से बहुउद्देशीय इनडोर स्टेडियम का निर्माण और 502 करोड़ रुपये की लागत से टेंग्नौपाल खंड में एनएच 102 ए का उन्नयन भी सूची में शामिल है.

## पटना में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का तेजस्वी पर हमला, कहा

# जंगलराज ने बिहार को अंधकार में धकेला

शुभम संदेश। पटना

बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले सियासी तापमान चढ़ गया है. केंद्रीय मंत्री और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को बिहार की राजधानी पटना में विपक्ष पर तीखा हमला बोला. नड्डा ने राजद नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि स्वार्थी नेतृत्व और जंगलराज ने बिहार को अंधकार में धकेल दिया है.

नड्डा ने कहा कि बिहार, जो कभी देश को दिशा देता था, आज कुछ लोगों के गलत नेतृत्व और स्वार्थी प्रयासों के कारण पीछे चला गया. जंगलराज और जातिवाद ने बिहार को जकड़ लिया है. उन्होंने जोर देकर कहा कि जंगलराज का इतिहास भूलने वाला नहीं है, भले ही विपक्ष इसे भुलाने की बात कहे. नड्डा ने तेजस्वी यादव के नेतृत्व पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनकी नीतियों ने बिहार की प्रगति को बाधित किया. नड्डा ने विपक्ष, खासकर कांग्रेस और राजद पर राजनीति को निम्न स्तर पर ले जाने का आरोप लगाया. और कहा कि यह उनकी सोच का निम्न स्तर दिखाता है. नड्डा का यह बयान बिहार में चुनावी माहौल को और गरमा सकता है. तेजस्वी यादव की बिहार अधिकार यात्रा के जवाब में नड्डा ने एनडीए की उपलब्धियों को जनता के सामने रखने की रणनीति अपनाई है उन्होंने कहा कि बिहार की जनता विकास चाहती है, न कि जंगलराज की वापसी.

### एनडीए को ध्वस्त करने के लिए तेजस्वी का बड़ा मास्टरस्ट्रोक!

पटना। राजद नेता तेजस्वी यादव ने एनडीए सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए बड़ा मास्टरस्ट्रोक खेला है. 16 सितंबर से शुरू होने वाली बिहार अधिकार यात्रा के जरिए तेजस्वी ने बिहार की जनता के बीच बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार और वोट चोरी जैसे मुद्दों को उठाने की रणनीति बनाई है. तेजस्वी ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह यात्रा बिहार के उन जिलों में जाएगी, जो पिछली यात्राओं में छूट गए थे. उन्होंने कहा कि पिछली बार हम 20 से अधिक जिलों में गए थे. अब बाकी बचे जिलों में जनता के बीच जाएंगे और उनके अधिकारों की बात करेंगे. यात्रा का नाम बदलकर बिहार अधिकार यात्रा करने पर तेजस्वी ने स्पष्ट किया कि यह उनकी पार्टी की स्वतंत्र पहल है, जो बिहार की जनता के वोट और अधिकारों की रक्षा के लिए है. तेजस्वी ने दावा किया कि बिहार में बदलाव की लहर है. बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार और अपराध से लोग त्रस्त हैं. जनता मौजूदा सरकार से नाराज है, और इस बार बदलाव निश्चित है, उन्होंने जोर देकर कहा. राहुल गांधी के यात्रा में शामिल होने के सवाल पर तिवारी ने कहा कि राहुल गांधी लगातार बिहार के हित में राजद के साथ हैं. वोट चोरी और लोकतंत्र की रक्षा के लिए सभी दल एकजुट हैं. इस मामले में कोई अगर-मगर नहीं है, उन्होंने जोर दिया.

## भारत-पाक मैच पर शुभम की पत्नी का छलका दर्द, कहा

# पहले पहलगाम हमला याद करो...

एजेंसियां। कानपुर

एशिया कप में रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच को लेकर बीजेपी और बीसीसीआई विपक्ष के निशाने पर है. पहलगाम के आतंकी हमले के बाद हो रहे इस मैच का कई क्रिकेटर भी विरोध कर रहे. पहलगाम हमले में जान गंवाने वाले शुभम द्विवेदी की पत्नी ऐशान्या ने भी भारत-पाक के बीच होनेवाले, इस मैच पर सवाल खड़े किए हैं. उन्होंने कहा, पाकिस्तान इस मैच से होने वाली कमाई का इस्तेमाल आतंकियों पर

खर्च करेगा, जो हम पर फिर हमला करेंगे. हम उन्हें वो मौका क्यों दे रहे हैं? ऐशान्या ने कहा, कहा जाता है कि क्रिकेटर देशभक्त हैं. इसी देशप्रेम की भावना के कारण हॉकी से ज्यादा लोग क्रिकेट देखते हैं.

(शेष पेज-7 पर)

### बीसीसीआई हमें भूल गया

एशिया कप में होने वाले भारत-पाक मैच पर, पहलगाम हमले में जान गंवाने वाले शुभम द्विवेदी की पत्नी ऐशान्या ने कहा, बीसीसीआई को भारत-पाक मैच स्वीकार नहीं करना चाहिए था. मुझे लगता है कि बीसीसीआई उन 26 परिवारों के प्रति भावुक नहीं है. उन्होंने पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर में हुई हानि को भुला दिया है. मैं हमारे क्रिकेटरों से भी पूछना चाहूंगी कि वो ऐसा क्यों कर रहे हैं? वे क्यों पाक के साथ खेलने के तैयार हो गए हैं?

## बड़ी खबर: भारत और अमेरिका के बीच जल्द फाइनल हो सकती है एयरक्रॉफ्ट पी8आई डील

# गहरे समुद्र में भी पनडुब्बियों को किया जा सकेगा तबाह

शुभम संदेश डेस्क

भारत और अमेरिका के बीच रक्षा सहयोग एक नए स्तर पर पहुंचने वाला है. सूत्रों का मानना है कि भारतीय नौसेना के लिए 6 अतिरिक्त पी-8आई मैरीटाइम पेट्रोल एयरक्राफ्ट की डील को लेकर दोनों देशों के बीच बातचीत लगभग तय हो चुकी है. यह डील करीब 4 अरब डॉलर की है और इसके लिए 16 से 19 सितंबर के बीच एक अमेरिकी डेलिगेशन दिल्ली आएगा. यह डेलिगेशन यूएस डिपार्टमेंट ऑफ डिफेंस और बोइंग के प्रतिनिधियों के अलावा कई अहम संस्थाओं के अधिकारी शामिल होंगे. इनमें ऑफिस ऑफ द अंडर सेक्रेटरी ऑफ डिफेंस फॉर पॉलिसी, नेवी इंटरनेशनल प्रोग्राम्स ऑफिस, मैरीटाइम पेट्रोल एंड रिकग्निशन एयरक्राफ्ट प्रोग्राम ऑफिस और डिफेंस सिक्योरिटी कोऑपरेशन एजेंसी शामिल हैं. एनआईपीओ का दायित्व वैश्विक मैरीटाइम साझेदारियों को संभालना है जबकि पीएमए 290 मैरीटाइम पेट्रोल एयरक्राफ्ट के अधिग्रहण और सपोर्ट से जुड़ा हुआ है. भारत के पास फिलहाल 12 पी-8आई एयरक्राफ्ट हैं और नौसेना को इंडियन ओशियन रीजन (आईओआक) में अपनी निगरानी और एंटी-सबमरीन वॉरफेयर क्षमता को मजबूत करने के लिए 6 और एयरक्राफ्ट की जरूरत है. हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में चीन के युद्धपोतों और पनडुब्बियों की मौजूदगी बढ़ी है, चाहे वह सर्वे के नाम पर हो या एंटी-पाइरेसी ऑपरेशन्स के तहत. यही वजह है कि भारतीय नौसेना लगातार अपनी निगरानी क्षमताओं को अपग्रेड कर रही है.

### पी-8आई एयरक्राफ्ट की क्या है खासियत

ये एयरक्राफ्ट लंबी दूरी की निगरानी के लिए डिजाइन किए गए हैं और गहरे समुद्र में भी पनडुब्बियों का पता लगाकर उन्हें निष्क्रिय करने की क्षमता रखते हैं. पी-8आई एयरक्राफ्ट 41,000 फीट की ऊंचाई से उड़ान भर सकता है और एक सॉर्टी में 8,300 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकता है. इसमें 11 हार्ड पॉइंट्स हैं, जिनमें एंटी-शिप मिसाइल, क्रूज मिसाइल, लाइटवेट टॉरपीडो और एंटी-सबमरीन वॉरफेयर चार्ज लगाए जा सकते हैं.

**टैरिफ का डिफेंस डील पर कोई असर नहीं :** गौरतलब है कि हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर हाई टैरिफ लगाए थे, जिसके बाद कयास लगाए जा रहे थे कि रक्षा सौदों पर असर पड़ेगा, लेकिन सूत्रों के मुताबिक, इन टैरिफ का भारत-अमेरिका के रक्षा समझौतों पर कोई असर नहीं पड़ा है. फरवरी में पीएम नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान जारी एक जॉइंट स्टेटमेंट में साफ हुआ था कि 6 अतिरिक्त पी-8आई एयरक्राफ्ट की डील अपने अंतिम चरण में है और शर्तों पर सहमति बन चुकी है.

**भारत ने पहली बार 2008 में खरीदा था पी-8I एयरक्राफ्ट:** भारत की यात्रा पी-8आई एयरक्राफ्ट के साथ 2009 में शुरू हुई थी जब नौसेना ने पहली बार 8 एयरक्राफ्ट खरीदे थे. इसके बाद 2016 में 4 और एयरक्राफ्ट लिए गए. नौसेना ने कुल 10 अतिरिक्त एयरक्राफ्ट की मांग की थी, लेकिन 2019 में 6 पी-8आई की मंजूरी मिली. इस फैसले को मई 2021 में अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट से हरी झंडी मिली.

SARALA BIRLA PUBLIC SCHOOL
Birla Knowledge City, Vill – Anu, P.O. – Mahilong,
Ranchi-Purulia Highway, Ranchi-835103 (Jharkhand)
Phone: 9507035717, 9507035987
E-mail – info@sbpsranchi.com • Website : www.sbpsranchi.com

REGISTRATION FOR ADMISSION (2026-27)

Registration forms for admission in **Nursery, KG-I, KG-II & Std. I** can be filled and submitted online through the school's official website www.sbpsranchi.com from 15.09.2025 to 31.10.2025. Online registration form (2026-27) is also available for provisional admission in **Std. XI** (Science, Commerce & Humanities). For further details please log on to www.sbpsranchi.com or call front office 9507035717, 9507035987 on working days. (Timing: 08:00 am to 01:00 pm).
BPL/EWS category candidates can apply online through https://rsranchi.in (as per Govt. norms) for admission in Nursery only.

VACANCY FOR TEACHERS (2026-27)

**PGT, TGT and PRTs** are required for all the subjects including **foreign languages** and **AI & Robotics**.
**How to Apply:** The eligible candidates are instructed to fill and submit the online application form along with a recent scanned photograph and a brief narrative (500-1000 words) on their professional ideology through the link https://sbpsranchi.in/career on or before 31.10.2025.
**Principal**

## मुनिडीह में एक ही रात आठ घरों में चोरी

### बीसीसीएल कालोनी में मचा हड़कंप, पुलिस पर उठ रही अंगुलियां

शुभम संदेश। पुटकी

बेखौफ अपराधियों ने मुनिडीह के जतूडीह बीसीसीएल कॉलोनी में शुक्रवार की रात डीएवी के इलेक्ट्रिशियन निसार अहमद सहित आठ बन्द आवासों का ताला तोड़ तीन लाख रुपये से ज्यादा की सम्पति चुरा ली. चोरी की रकम का आंकड़ा बढ़ सकता है. कारण कि गृह स्वामियों के गांव जाने के चलते छह घरों में हुई चोरी के सामानों की जानकारी नहीं मिल पाई है. मुनिडीह ओपी इलाके में हाल के महीनों में बन्द घरों में लगातार चोरी को अंजाम देकर अपराधियों ने पुलिस को चुनौती दे डाली है. खबर पाकर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की जांच की. निसार शुक्रवार को पत्नी समेत ससुराल चन्द्रपुरा गए थे. इधर घर खाली पाकर चोरों ने सामने का दरवाजे के ताला तोड़ डाला. अंदर आलमारी को तोड़ बैंक में फिक्स्ड करने के लिए रखे 13 हजार, ऋण चुकाने की रकम 70 हजार रुपये के अलावे सोने का चेन, मांगटीका, झुमका, नथिया, बेसर, कंगन, पायल आदि चुरा ले गए. शनिवार की सुबह छह बजे लौटने पर चोरी की जानकारी हुई. वहीं पड़ोस के भागलपुर गयी हिना देवी, डुमरी गए कन्हाई साव व निजी नाईट गार्ड अम्बुज सिंह के घर का ताला तोड़ 6 हजार रुपये चुरा लिया. इसके अतिरिक्त चार अन्य घरों को भी निशाना बनाया गया है. एक ही रात आठ घरों में चोरी की वारदात से लोग सहमे हुए हैं. पुलिस पर अंगुली उठने लगी है.

## कतरास में माले ने फूंका डीजीएमएस का पुतला

### मजदूरों की मौत पर भाकपा माले में आक्रोश

शुभम संदेश। कतरास

मां अंबे आउटसोर्सिंग कंपनी में हुए हादसे में 7 मजदूरों की मौत के मामले में शनिवार को भाकपा माले के नेता हलधर महतो के नेतृत्व में कतरास थाना चौक पर डीजीएमएस का पुतला दहन किया गया. प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि मजदूरों की मौत के लिए डीजीएमएस और प्रबंधन की लापरवाही व जिम्मेदार है. घटना के बाद डीजीएमएस द्वारा आउटसोर्सिंग कंपनियों के काम पर रोक लगाने का निर्णय लिया गया. जिस पर मजदूर संगठनों ने नाराज़गी जताई. उनका कहना है कि हादसे की आड़ लेकर आईवाश किया जा रहा है. हलधर महतो ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मजदूरों की सुरक्षा सुनिश्चित करना डीजीएमएस की जिम्मेदारी है, लेकिन जब हादसा हुआ तब कोई निगरानी नहीं थी. उन्होंने मृतक परिवारों को मुआवजा और निर्योजन की मांग की. साथ ही चेतावनी दी कि यदि मजदूर हितों की अनदेखी की गई तो आंदोलन और तेज होगा. पुतला दहन में भैरवनाथ महतो, देवनंदन महतो,सुनील कुमार महतो, ठाकुर महतो, मानिक महतो, चंदन महतो, कपूर पंडित, शिव पंडित,महेंद्र पंडित, टिंकू पंडित,चेतू साव, अर्जुन पंडित, सृष्टिदर महतो, कार्तिक महतो, बबलू गांजू, साहब सोरेन, लकी बेसरा, हेमंत महतो, आकाशदीप महतो, कई माले कार्यकर्ता शामिल हुए.

## ब्रीफ खबरें

### सूर्यदेव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा, निकली कलश यात्रा

**निरसा बाजार।** निरसा नयाडांगा काली मंदिर परिसर के भीतर स्थित नए बनाए गए भगवान सूर्य देव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शनिवार को एक कलश यात्रा का आयोजन किया गया. यह यात्रा मंदिर परिसर से आरंभ हुई, और कलश को खुदिया नदी तक ले जाया गया. नदी किनारे पुजारी द्वारा विधिवत वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश में जल ग्रहण करवाया गया. कलश यात्रा में 108 महिलाएं और बच्चियां शामिल थीं, जिन्होंने गाजे-बाजे की धुनों के साथ नाचते और गाते हुए यात्रा पूरी की. वे उसी रास्ते से मंदिर परिसर वापिस पहुँचीं, जहाँ पुजारी ने कलश को विधि-विधान से मंदिर में स्थापित किया. कार्यक्रम के अनुसार, प्राण प्रतिष्ठा समारोह रविवार से मंदिर में आरंभ होगा. काली मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष मक्कू सिंह ने बताया कि उनका उद्देश्य है कि इस परिसर में अलग-अलग देवताओं के लिए अलग मंदिर हों, लेकिन सभी एक ही परिसर में हों. उन्होंने यह भी कहा कि ट्रस्ट सदस्यों और निरसा की जनता के सहयोग से यह संभव हो पा रहा है.

### खुशरी ओसीपी विवाद सुलझा, बनेगा आधुनिक फुटबॉल मैदान

**निरसा बाजार।** ईसीएल मुगमा क्षेत्र के खुशरी ओपन कास्ट प्रोजेक्ट में ग्रामीणों और प्रबंधन के बीच लंबे समय से चल रहा विवाद शनिवार को सुलझ गया. ग्रामीणों ने खनन और मिट्टी कटाई कार्य को बंद करने की चेतावनी दी थी क्योंकि इससे उनका खेल मैदान प्रभावित हुआ था. बैजना कोलियरी के प्रतिनिधि एस.एन. शर्मा और ग्रामवासियों की बैठक में निर्णय लिया गया कि खुशरी ओसीपी के पश्चिमी हिस्से में, जहाँ कोयला नहीं है, ओबी डंप कर वह हिस्सा समतल किया जाएगा और उसे आधुनिक फुटबॉल मैदान में बदला जाएगा. मैदान में लाइटिंग की व्यवस्था भी होगी. प्रबंधन ने यह आश्वासन दिया कि यह पूरा काम तीन महीने के अंदर पूरा किया जाएगा. इस निर्णय के आधार पर, ग्रामीणों ने वर्तमान फुटबॉल ग्राउंड की मिट्टी कटाई की सहमति दे दी, और खनन कार्य पुनः शुरू कर दिया गया. बैठक में राज दे, बलराम बाउरी, बिक्रम बाउरी, विकास बाउरी, किशन बाउरी, श्यामापद बाउरी आदि उपस्थित थे.

### समिति विस्तार पर झामुमो युवा मोर्चा ने की बैठक

**गोमो।** झारखंड मुक्ति युवा मोर्चा की प्रखंड कमेटी के विस्तार से संबंधित एक बैठक शनिवार को हटिया मैदान, तोपचांची में आयोजित हुई. बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष लाल चंद महतो ने की. उपस्थित थे राज्य और जिला स्तर के कई पदाधिकारी जैसे जिला अध्यक्ष सूरज महतो, जिला सचिव मन्नू आलम, संगठन सचिव संदीप हांसदा, प्रखंड अध्यक्ष लाल चंद महतो, नवल किशोर केवट, अकबर अंसारी इत्यादि. सूरज महतो ने अपने संबोधन में कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा की ताकत गाँव और पंचायत स्तर पर संगठन की मजबूती से है. उन्होंने यह ज़ोर दिया कि संगठन विस्तार की जिम्मेदारी सभी को मिलकर निभानी है. उन्होंने कहा कि वे "दिशोम गुरु" शिबू सोरेन के सपनों का साकार करना चाहते हैं, और युवाओं को उनके हक अधिकार दिलाने के लिए संगठन संघर्ष करता रहेगा. बैठक के दौरान दिवंगत शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि दी गई, जिसमें दो मिनट का मौन रखा गया.

## रवि महतो स्मारक बीएड कॉलेज और महुदा ग्रामीण इंडियन गैस एजेंसी में घुसे चोर

### कॉलेज और गैस एजेंसी के मुख्य द्वार और अलमीरा का ताला तोड़ा

- सात नकाबपोशों में डेढ़ घंटे तक किया उत्पात

शुभम संदेश। महुदा

महुदा थाना के अन्तर्गत स्थित रवि महतो स्मारक बीएड कॉलेज एवं महुदा ग्रामीण इंडियन गैस एजेंसी में शुक्रवार की देर रात अज्ञात अपराधियों ने ताला तोड़कर चोरी का प्रयास किया. घटना को अंजाम देते हुए सीसीटीवी में 7 नकाबपोश अपराधी दिखे. बीएड कॉलेज में घटना की सूचना मिलते ही पूरा इलाका स्तब्ध है. घटना की जानकारी शनिवार प्रातः 5:30 बजे हुई, जब कॉलेज का ताला खोलने के लिए एक कर्मचारी रामू महतो पहुंचा तो देखा की मुख्य द्वार का ताला टूटा हुआ है. उसने घटना की सूचना तुरंत कॉलेज के संस्थापक सह पुर्व मंत्री जलेश्वर महतो को दिया. सूचना पाते ही जलेश्वर महतो ने पुलिस को घटना की सूचना दिया और वे कॉलेज पहुंचे. सूचना पाकर महुदा पुलिस निरिक्षक ममता कुमारी, महुदा थाना प्रभारी देवानंद प्रसाद दलबल के साथ घटना स्थल पहुंचे और छानबीन आरंभ कर दिया. छानबीन के क्रम में खोजी कुत्ता एवं फोरेंसिक विभाग की टीम को भी बुलाया गया. फोरेंसिक विभाग की टीम ने कई जगह से फिंगरप्रिंट का नमूना लिया व खोजी कुत्ता को लेकर कॉलेज से लेकर गैस एजेंसी तक पहुंचा. वहां से निकलकर वह राधानगर गांव के रास्ते पर जाकर रुक गया. इससे संभावना व्यक्त किया जा रहा है कि अपराधी उक्त स्थान से किसी वाहन से चले गए हैं. कॉलेज में लगे सीसीटीवी में देखा गया कि 7 अपराधी मुख्य द्वार की तरफ आते दिखे, जिसमें से तीन अपराधी ताला तोड़कर अंदर घुसे, बाकी बाहर में पहरेदारी करते दिखे. अपराधियों ने कॉलेज के मुख्य द्वार का ताला तोड़ने के बाद प्राचार्य कक्ष का ताला तोड़ा एवं उसमें रखी अलमारी को भी क्षतिग्रस्त कर दिया. इधर गैस एजेंसी में भी अपराधियों ने ताला तोड़ने के बाद अलमारी को क्षतिग्रस्त कर दिया. दोनो स्थलों पर अपराधियों को कुछ भी हाथ नहीं लगा. अपराधियों ने प्राचार्य कक्ष में रखे दो अलमारी में से एक को ही क्षतिग्रस्त किया. दूसरी अलमारी जैसे की वैसे ही थे. संभावना व्यक्त की जा रही है कि अपराधीयों द्वारा अलमारी क्षतिग्रस्त करने के दौरान अपराधियों को आभास हुआ होगा कि कहीं नाइट गार्ड जग तो नहीं गए. यही सोचकर अपराधी निकाल भागे. दोनों जगहों को मिलकर अपराधियों ने करीब डेढ़ घंटा तक चोरी की घटना को अंजाम देते रहे. सीसीटीवी में रिकॉर्डिंग के अनुसार शुक्रवार रात 1:20 बजे पर अपराधी पहुंचे थे एवं 3:00 के कुछ पहले ही निकल भागे. ज्ञात होगी कि इन दिनों महुदा क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटना से अपराधियों की हौसले बुलंद है.

## न्यूज अपडेट

### कुमारधुबी में रेलवे का अतिक्रमण हटाओ अभियान

रेलवे ने किया 40 घर ध्वस्त, 250 से अधिक लोग प्रभावित

**कुमारधुबी (शुभम संदेश)।** आसनसोल रेल मंडल की ओर से शनिवार को शिवलीबाड़ी मुंडाधौड़ा क्षेत्र में रेलवे जमीन पर बसे लगभग 40 घरों को अतिक्रमण करार देते हुए हटाने की कार्रवाई की गई. सुबह शुरू हुआ यह अभियान शाम पांच बजे तक चला, जिसमें तीन जेसीबी मशीनों की मदद से अतिक्रमण हटाया गया. रेलवे के इस अभियान से लगभग ढाई सौ लोगों की आबादी प्रभावित हुई है. प्रभावित लोगों ने आसपास के पड़ोसियों के घरों एवं सामुदायिक भवनों में अस्थायी रूप से शरण ली है. बताया जा रहा है कि अतिक्रमण हटाए गए अधिकतर घर मिट्टी से बने हुए थे, जिससे उन्हें तोड़ने में विशेष तकनीकी कठिनाई नहीं आई. रेलवे टीम द्वारा शुक्रवार की शाम माइकिंग कर अतिक्रमणकारियों को चेतावनी दी गई थी और उन्हें अपने-अपने घरों का सामान स्वतः हटाने को कहा गया था. अधिकांश लोगों ने बुलडोजर चलने से पहले जरूरी सामान हटा लिया था. इससे पहले भी रेलवे ने छह से सात घरों को पहले ही ध्वस्त कर दिया था. अवैध कब्जा हटाए जाने से पहले ग्रामीणों ने उपायुक्त धनबाद को पत्र लिखकर पुनर्वास की मांग की थी. डीसी के निर्देश पर एग्यारकुण्ड अंचलाधिकारी (सीओ) कृष्ण कुमार मरांडी ने इन्हें भूमि आवंटित कर बसाने की पहल भी की थी, लेकिन अब तक कोई ठोस पुनर्वास नहीं हो पाया है. इस अतिक्रमण हटाओ अभियान का नेतृत्व आसनसोल रेल मंडल के शिव कुमार ने किया. अभियान के दौरान रेलवे पुलिस की भारी तैनाती थी, लेकिन स्थानीय पुलिस प्रशासन मौके पर अनुपस्थित रहा, जिससे कुछ लोगों में असंतोष भी देखा गया.

### डीएवी + 2 उच्च विद्यालय कतरासगढ़ शिक्षक-अभिभावक त्रैमासिक बैठक

**कतरास (शुभम संदेश)।** शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार 3 सितंबर को डीएवी + 2 उच्च विद्यालय कतरासगढ़ में त्रैमासिक बैठक का आयोजन बाल संसद की कार्यकारी सदस्यों (छात्र-छात्राओं )की अगुवाई में हुई. विद्यालय सभागार में आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो विद्यालय प्रबंध करनी समिति के सदस्य, आर्य समाज के पदाधिकारी गण तथा विद्यालय के छात्राओं के अभिभावक एवं सभी शिक्षक-शिक्षिकेत्तर कर्मी के बीच महत्वपूर्ण परिचर्चा हुई. अध्यक्षता प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष प्रकाश राम गुप्ता ने की.विद्यालय के प्रधान अरविंद कुमार झा, प्रबंध समिति के सचिव मनोज खेमका एवं पदाधिकारियों ने सभी अभिभावकों के सलाह, उनकी अपेक्षा को गंभीरता से सुना तथा सभी विषयों पर गंभीरता पूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया. विधायक शत्रुघ्न महतो ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थी समाज के रीढ़ है, उनकी ऊर्जा उनकी सोच समाज में सकारात्मक योगदान दे, यह सुनिश्चित करना हम सबों की जिम्मेवारी है. शिक्षा विभाग तथा धनबाद उपायुक्त के इस दूरदर्शी एवं सार्थक पहल के लिए जो भी सहयोग होगा, मैं हमेशा तैयार रहूंगा. सभा को प्रदीप पांडे, उदय वर्मा एवं अभिभावकों ने संबोधित किया. प्रधानाध्यापक ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभा को अगले त्रैमासिक बैठक के लिए सभी को आमंत्रित किया.

### सेवा पखवाड़ा अभियान को लेकर बैठक

**तेतुलमारी (शुभम संदेश)।** शनिवार को भारतीय जनता पार्टी राजगंज मंडल के अंतर्गत नगरीकला दक्षिण पंचायत भवन तेतुलमारी में सेवा पखवाड़ा अभियान 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस से लेकर 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा अभियान कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक हुई. भाजपा राजगंज मंडल अध्यक्ष रंजीत सिंह ने अध्यक्षता की. संचालन मंडल महामंत्री संजीत सिंह ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन शिव प्रसाद वर्मा ने किया. सर्वप्रथम महापुरुषों के तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित की गई. आगामी सेवा पखवाड़ा अभियान कार्यक्रम तैयारी को लेकर मंडल अध्यक्ष रंजीत सिंह ने विस्तार पूर्वक कार्यक्रम की जानकारी दी एवं सभी सम्मानित नेता एवं कार्यकर्ता बंधु से आग्रह करते हुए सेवा पखवाड़ा अभियान कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी लोगों को सभी पंचायत में जिम्मेवारी दी गई है. इस कार्यक्रम में ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष सह प्रभारी राजेश चौधरी का विशेष रूप से मार्गदर्शन प्राप्त हुआ. मौके पर सुरेश महतो, रमेश महतो, आर.के चौधरी, शंकर महतो, झरी महतो,अजय साहनी, राजेंद्र महतो, अनिल चौहान, शंकर निषाद,सपन पंडित,असीम दत्ता, मनोज वर्मा, विश्वनाथ रवानी, प्रेम सोरेन, मनोज महतो, बसंत सिंह, अशोक झा, सिंकू पाण्डेय, अशोक कुमार, गौतम कुमार, डीके निषाद, राहुल साहनी, अशोक कुमार, आदि उपस्थित थे.

## राकोमयू ने कुमारधुबी कोलियरी खदान का किया दौरा

### कुमारधुबी कोलियरी का लक्ष्य 35 हजार टन कोयला

शुभम संदेश। चिरकुंडा

राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन की आठ सदस्यीय टीम ने शनिवार को ईसीएल मुगमा एरिया के कुमारधुबी कोलियरी का खदान का दौरा किया. नेतृत्व जेपी यादव ने की. खदान के अंदर यूडीएम मशीन चलने के दौरान बार-बार बिजली ट्रिप कर रही है. उत्पादन से संबंधित मैनपावर की काफी कमी है और पुराने कर्मचारी को ही उत्पादन में लगाया गया है. उत्पादन के लिए प्रयुक्त मैनपावर मांग की गई. जिससे कुमारधुबी कोलियरी का लक्ष्य 35 हजार टन कोयला प्राप्त हो सके. कहा कि संडे होलीडे वितरण में भी काम करने वाले कर्मचारियों को प्राथमिकता दी जाए ताकि उनका मनोबल ऊंचा रहे और कार्य तत्परता से करें. टब की संख्या बढ़ाया जाए और पम्प, टीसीयू व्यवस्था भूमिगत खदान में जल्द करवाया जाएं. एरिया जेसीसी सदस्य शशि भूषण तिवारी ने कर्मचारियों की परेशानियों को देखा और कहा कि कोलियरी में संसाधन की व्यवस्था होने से उत्पादन बढ़ जायेगा और इंजिनियरिंग विभाग खदान में प्रयोग में आने वाले सभी समान की व्यवस्था करें. कोलियरी के लिए एक अलग से इंजीनियर दें, जो सिर्फ कुमारधुबी कोलियरी ही देखें क्योंकि यहां तीन कोयला की सीम को पार कर चौथे सीम में जाकर कर्मचारी कोयला उत्पादन कर रहे हैं. कालेज के पास बोर हाल से जल्द पम्प की व्यवस्था कर खदान के अंदर का पानी को सुखाया जाएं. जिससे उत्पादन में वृद्धि हो सके. प्रबंधन की ओर से विकास कुमार और संजय कुमार के साथ यूनियन के जेपी यादव, शशि भूषण तिवारी, प्रभु नाथ पासवान,बिजेंद्र शर्मा, सत्येंद्र कुमार सिंह, राजीव कुमार यादव,शिव शंकर दास, ईश्वर हांसदा आदि थे.

## वासदेवपुर में बिजली संकट ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

शुभम संदेश। लोयाबाद

वासदेवपुर क्षेत्र में लंबे समय से जारी बिजली संकट से परेशान ग्रामीणों ने शनिवार को वासदेवपुर कोलियरी प्रबंधन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया. एकडा रिजनल स्टोर के पास स्थित बिजली घर के सामने बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएं, पुरुष और बच्चे एकत्र हुए और बिजली तथा पीट वाटर की सुचारू आपूर्ति की मांग करते हुए नारेबाजी की. ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बीते तीन महीनों से बिजली की आपूर्ति बेहद अनियमित हो गई है. कई बार तो पूरा दिन बिजली नहीं रहती, जिससे छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है. स्थानीय निवासी रामप्रति यादव, गुड्डू पासवान, नकुल चौहान और राजू पासवान ने बताया कि शिकायतें करने के बावजूद प्रबंधन ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया. ग्रामीणों ने कहा कि हम दिन-रात बिना बिजली के जीने को मजबूर हैं. बच्चों की पढ़ाई ठप हो गई है और गर्मी व अंधेरे में रहना अब रोजमर्रा की नियति बन चुकी है. प्रबंधन हमारी समस्याओं को नजरअंदाज कर रहा है. प्रदर्शनकारियों ने बीसीसीएल प्रबंधन से मांग की कि क्षेत्र में नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, खराब ट्रांसफार्मरों की मरम्मत कराई जाए और पीट वाटर की सुविधा बहाल की जाए. ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला, तो वे आने वाले दिनों में बड़ा आंदोलन शुरू करेंगे. बिजली संकट के कारण स्वास्थ्य, शिक्षा और दैनिक जीवन गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है.

### इंडियन स्कूल अवाड्र्स ने किया कोलकाता में सम्मान समारोह का आयोजन

## बेस्ट प्रिंसिपल अवार्ड से डॉ अरूण महतो सम्मानित

शुभम संदेश। महुदा

शहीद शक्तिनाथ महतो स्मारक इंटर कॉलेज सिजुआ के प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार महतो को बेस्ट प्रिंसिपल का अवार्ड, इंडियन स्कूल अवाड्र्स के द्वारा 12 सितम्बर शुक्रवार को कोलकाता में दिया गया. इंडियन स्कूल अवाड्र्स कोई एक पुरस्कार नहीं है, बल्कि भारत में शिक्षा उत्कृष्टता को मान्यता देने वाले कई पुरस्कारों और आयोजनों का एक समूह है, जिनमें इंडिया स्कूल मेरिट अवाड्र्स,एकेएस एजुकेशन अवाड्र्स, और विश्व के सर्वश्रेष्ठ स्कूल पुरस्कार शामिल हैं. ये पुरस्कार स्कूलों को उनके शैक्षणिक प्रदर्शन, छात्र विकास, नवाचार और सामुदायिक योगदान के आधार पर सम्मानित करते हैं. शिक्षकों के अद्वितीय योगदान को मनाने के लिए दिया जाने वाला यह सम्मान शिक्षकों की गुणवत्ता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है. इन पुरस्कारों का मुख्य उद्देश्य भारत में शिक्षा के मानकों को ऊपर उठाना है. कॉलेज के शिक्षको ने प्राचार्य को बुके देकर एवं मिठाई खिला कर स्वागत किया. मौके पर मोकितउद्दीन, प्रो० रमेश प्रसाद, प्राचार्य उत्तम कुमार महतो बीबीएम महाविद्यालय मदईडीह, प्रो० अविनाश कुमार,प्रो० समीर कुमार महतो, प्रो० राखोहरी महतो,प्रो० मनोज कुमार महतो,प्रो० मेघनाथ महतो, प्रो० राकेश कुमार महतो,प्रो० दिनेश मधेशिया,प्रो० राजकुमार प्रसाद ,प्रो० नागेन्द्र महतो, प्रो० एस नारायण,प्रो० पंचानन सिंह चौधरी , प्रो० शेखर महतो,प्रो० चमन महतो, प्रो० संजय गोप,नेहा कुमारी,मोहित कुमार महतो ,जितेंद्र महतो , तेंदुलकर भट्ट,चक्रधर महतो , अभिमन्यु महतो, मोहित महतो,लालू महतो,भुनेश्वर महतो,शांति देवी , लाजवंती देवी, अनीता देवी,फूल कुमारी,शंकर महतो, प्रदीप महतो, पंकज महतो एवं छात्र छात्राए मौजूद रहे.

## बाल विवाह मुल्क एवं बच्चों के लिए नुकसानदेह : मौलाना कमरुद्दीन कादरी

शुभम संदेश। महुद

झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट एवं जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के द्वारा बाल विवाह के खिलाफ विश्वव्यापी अंतर धार्मिक जागरुकता मुहिम को आगे बढ़ाते हुए मस्जिद अंसार अल मुजीबया महुदा बस्ती में धार्मिक गुरूओं के साथ जागरुकता एवं शपथ कार्यक्रम किया गया. उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता महुदा ग्राम पंचायत के मुखिया मोहम्मद बदरूद्दीन अंसारी एवं संचालन मदरसा कमेटी के सेक्रेटरी मेंहदी हसन तथा धन्यवाद ज्ञापन सदर डॉ इरफान ने किया. मस्जिद के इमाम मौलाना कमरुद्दीन क़ादरी मुजीबी ने बाल विवाह के खिलाफ बात रखते हुए कहा कि ये जो विश्वस्तरीय अभियान बच्चों के भविष्य को बचाने व संवारने के लिए चलाया जा रहा है. इसके लिए झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट एवं सहयोगी संगठन बधाई के पात्र है. उन्होंने आगे कहा कि हम पूरे आवाम को ये पैगाम देना चाहते हैं कि हम अपने बच्चों की निकाह वक्त से पहले नहीं करेंगे. जिसे आज बाल विवाह कहते है उससे पहले भी परहेज करते थे ,आज भी करते है और आगे भी परहेज करते रहेंगे. आगे उन्होंने बाल विवाह को बच्चों एवं मुल्क के लिए नुकसानदेह बताया. बाल विवाह की रोकथाम के लिए पूरे आवाम से अपील करते हुए कहा कि हमारे बच्चे तालिम हासिल करें और मुल्क को आगे बढ़ाये और खुद भी आगे बढ़ें. कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पंचायत के मुखिया ने अपने पंचायत को बाल विवाह मुक्त बनाने का शपथ ली. मौके पर झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के कोऑर्डिनेटर नईमुद्दीन अंसारी, फील्ड कोऑर्डिनेटर मुमताज अंसारी, गुलनाज बानो, तिलकधारी रवानी के साथ-साथ मस्जिद अंसार अल मुजीबया महुदा बस्ती सेक्रेटरी वासिफ अली अंसारी, सदर अहसानुल्लाह अंसारी, मदरसा कमिटी के सेक्रेटरी मेहंदी हसन अंसारी, सदर इरफ़ान अली अंसारी, मुखिया बदरुद्दीन अंसारी, मस्जिद के इमाम मौलाना कमरुद्दीन क़ादरी मुजीबी के बच्चों समेत 60 लोग आदि मौजूद थे.

शुभम संदेश
धनबाद, रविवार, 14 सितंबर 2025


▼ ब्रीफ खबरें

## करंट लगने से गृहस्वामी की मौत

**गोड्डा।** करंट की चपेट में आने से 50 वर्षीय अधेड़ की मौत हो गई. घटना बलबड्डा थाना क्षेत्र के घोसीचक गांव की है. मृतक की पहचान अकील यादव (50), पिता फुल्चू यादव के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार, अकील यादव के घर की बत्ती गुल हो गई थी. अर्थिंग तार का संपर्क टूट जाने के कारण घर में बिजली की आपूर्ति बाधित थी. शनिवार की सुबह अकील यादव बिजली पोल से तार जोड़ने की कोशिश कर रहे थे, तभी अचानक करंट की चपेट में आ गए और बेहोश होकर गिर पड़े. परिजनों ने आनन-फानन में उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया. इस घटना से घर में जिउतिया त्योहार की खुशियां मातम में बदल गईं. मृतक के घर पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था. सूचना पर बलबड्डा पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

## घर का ताला तोड़कर हजारों की चोरी

**कसमार (बोकारो)।** कसमार थाना क्षेत्र के दांतू में शुक्रवार देर रात एक गृहस्वामी के घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने घर में रखे सामान की चोरी कर फरार हो गया. इस संबंध में भुक्तभोगी सुधीर कुमार प्रीतम ने कसमार थाने में आवेदन देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्रवाई और चोरी किए गए सामान की बरामदगी की मांग की है. भुक्तभोगी ने बताया कि उनका पूरा परिवार रजरप्पा प्रोजेक्ट में रहता है. शुक्रवार की रात अचानक गांव के अवध कुमार ने उन्हें जानकारी दी कि उनके घर का ताला टूटा हुआ है. घर में रखे सारे सामान अव्यवस्थित देखकर उन्हें चोरी की घटना का पता चला. बताया गया कि चोरों ने घर में रखी कांसा की थाली, कांपर तार, पीतल की कढ़ाई सहित अन्य सामान चोरी कर लिया.

## धापानी पहाड़ में स्वास्थ्य शिविर आयोजित

**साहिबगंज।** धापानी पहाड़ में डॉ. सत्ती बाबू डबड़ा के नेतृत्व में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में मलेरिया मास सर्वे, घर-घर फीवर सर्वे और आईआरएस छिड़काव किया गया. मेडिकल टीम ने बुखार पीड़ितों की जांच की और ग्रामीणों को मलेरिया से बचाव व स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी. स्वास्थ्य कर्मियों ने आईआरएस छिड़काव का निरीक्षण और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए. धापानी पहाड़ में आईआरएस द्वितीय चक्र कीटनाशक छिड़काव ढोल बजाते हुए रैली निकाल कर किया गया. छिड़काव के दौरान उपस्थित एमपीएसडब्ल्यू, सहिया और छिड़काव कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए.

## शिक्षक विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित

**डुमरी (गिरिडीह)।** झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले शनिवार को संघ के प्रखंड अध्यक्ष मुमताज अहमद की अध्यक्षता में मध्य विद्यालय पडरियाटांड़ में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर यूएमएस पडरियाटांड़ के शिक्षक महेंद्र महतो तथा यूएचएस पोखरिया नावाडीह के शिक्षक उमाशंकर महतो, जिनका मैचुअल ट्रांसफर हुआ है, को विदाई दी गई. वहीं, सेवानिवृत्त शिक्षक मो. रूस्तम अली और स्थानांतरित सहायक अध्यापक राजेंद्र पांडेय को भी सम्मानित किया गया. सभी शिक्षकों का स्वागत उपहार भेंट कर एवं फूलमालाओं से किया गया.

## इंनौस की नवनिर्वाचित प्रखंड कमिटी की बैठक

**जमुआ (गिरिडीह)।** जमुआ स्थित कर्बला मैदान में इंकलाबी नौजवान सभा की नवनिर्वाचित प्रखंड कमिटी की बैठक आयोजित की गई. बैठक में गिरीडीह जिला सम्मेलन की तैयारी को लेकर विशेष चर्चा हुई. इसके लिए व्यापक स्तर पर सदस्यता अभियान चलाने और युवाओं को एकजुट करने पर जोर दिया गया. साथ ही यह निर्णय लिया गया कि जिला सम्मेलन के बाद राज्य एवं केंद्र सरकार की युवा विरोधी नीतियों के खिलाफ तथा झारखंड में स्थानीय नीति को लेकर इंकलाबी नौजवान सभा के बैनर तले आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी. बैठक में इंकलाबी नौजवान सभा जिला उपाध्यक्ष असगर अली, प्रखंड अध्यक्ष रंजीत यादव, सचिव वीरेंद्र वर्मा, सह सचिव बबन शेख, उपाध्यक्ष शाहनवाज इमाम समेत कई लोग उपस्थित थे.

# बीमा कर्मचारी संघ का एक दिवसीय अधिवेशन संपन्न

शुभम संदेश। गिरिडीह




बीमा कर्मचारी संघ, हजारीबाग मंडल का 32वां अधिवेशन शनिवार को संगम गार्डन होटल, गिरिडीह में संपन्न हुआ. अधिवेशन की अध्यक्षता हेमंत मिश्रा ने की, जबकि पूर्वांचल बीमा कर्मचारी संघ के सहायक सचिव अनिल कुमार ने उदघाटन किया. कार्यक्रम में सहायक सचिव राजीव शंकर और पटना मंडल के अध्यक्ष अशोक प्रसाद अतिथि के रूप में उपस्थित थे. अधिवेशन के कन्वेनर धर्म प्रकाश थे. कोलायांचल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज गिरिडीह तथा आविष्कार डायग्नोस्टिक की ओर से हजारीबाग मंडल के एलआईसी की 20 शाखाओं से आए 400 से अधिक प्रतिनिधियों और प्रेक्षकों की ब्लड शुगर जांच की गई. वहीं, बीएसएसआर यूनियन की ओर से मेडिसिन कैंप भी लगाया गया. महासचिव जे.सी. मित्तल ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि सरकार की जनविरोधी नीतियां, विशेष रूप से सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों का निजीकरण, श्रमिक कानूनों में बदलाव और सार्वजनिक सम्पत्तियों को पूंजीपतियों के हाथ सौंपना विनाशकारी अर्थव्यवस्था की ओर इशारा करता है. उन्होंने कहा कि सरकार संसद के आगामी सत्र में बीमा कानून संशोधन विधेयक लाने पर आमादा है, जिसमें बीमा अधिनियम 1938, जीवन बीमा निगम अधिनियम 1956 और बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण अधिनियम 1999 में संशोधन का प्रस्ताव है. उन्होंने कहा कि सरकार एलआईसी में 6.5% हिस्सेदारी ऑफर फॉर सेल के माध्यम से बेचने की योजना बना रही है और सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनियों के निजीकरण की तैयारी में भी है. एफडीआई सीमा को 74% से बढ़ाकर 100% करने का निर्णय भी बीमा क्षेत्र के लिए खतरा है, जबकि वास्तविक एफडीआई अभी मात्र 32% ही है. अधिवेशन को उपाध्यक्ष अरविंद कुमार, अजीत मिंज, संयुक्त सचिव रामायण गुप्ता, सुशील सिंह, शंकर कुमार, सांगठनिक सचिव अमित कुमार, राकेश शर्मा, सहायक सचिव अर्जुन तिवारी और राजेश शर्मा सहित कई पदाधिकारियों ने संबोधित किया. कार्यक्रम को सफल बनाने में संजय शर्मा, विजय कुमार, राजेश कुमार उपाध्याय, उमानाथ झा, कुमकुम बाला वर्मा, स्वेता, प्रीतम कुमार, रोशन कुमार, नीरज सिंह, अंशु कुमारी सिंघानिया, नीतीश गुप्ता, देवनाथ दास, प्रभाष शर्मा, अभय कुमार, सुनील कुमार वर्मा, पंकज कुमार, गौरव सिंह, माहेश्वरी वर्मा, प्रदीप कुमार, प्रदीप प्रसाद, संजय गुप्ता, विजय मंडल और अन्य कर्मचारियों का सराहनीय योगदान रहा.

# कुख्यात गिरोह का सरगना मछली सहित पांच गिरफ्तार

**अपराधियों के पास से 3 लाख नगद, 97 ग्राम सोना समेत अन्य सामान बरामद**

शुभम संदेश। बोकारो



जिले के बालीडीह, दुग्दा, चंद्रपुरा, बीटीपीएस और गोमिया थाना क्षेत्र में ताला तोड़कर घरों में चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले कुख्यात गिरोह का बोकारो पुलिस ने पर्दाफाश किया है. इस अंतरराज्यीय गिरोह के सरगना राजू अंसारी उर्फ मछली अंसारी समेत पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तार अपराधियों के पास से 3,07,600 नगद, 97 ग्राम सोना, लगभग 1 किलो चांदी, चांदी के पायल, बिछिया, सिकरी, सिक्के, 15 जोड़ी पायल, गैस सिलेंडर व पाइप (सोना गलाने हेतु), तराजू, 7 मोबाइल फोन, 2 मोटरसाइकिल और ताला तोड़ने के औजार सहित अन्य सामान बरामद किया गया. पुलिस कप्तान हरविंदर सिंह ने शनिवार को आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि गिरोह पर बोकारो के अलावा धनबाद, पश्चिम बंगाल के पुरुलिया और पश्चिम बर्द्धमान जिलों में भी चोरी के दर्जनों मामले दर्ज हैं. गिरोह विशेष रूप से दिन में ही सरकारी क्वार्टरों को निशाना बनाता था. लगातार हो रही घटनाओं को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने डीएसपी मुख्यालय और बेरमो अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष अनुसंधान टीम गठित की. टीम ने तकनीकी व मानवीय सूचना के आधार पर करीब दर्जनभर से अधिक मामलों का सफल उद्भेदन किया. इस मामले में राजू अंसारी उर्फ मछली (48 वर्ष), जोरापोखर, धनबाद, सरगना, जिस पर 55 मामले दर्ज, फैयाज अंसारी उर्फ गुड्डु (33 वर्ष), बागदिगी बस्ती, जोरापोखर, धनबाद, आबिद अंसारी उर्फ धन्नु (42 वर्ष), बरारी मस्जिद के पास, धनबाद, राहुल कुमार वर्मा (29 वर्ष), डिगवाडीह, जोरापोखर, धनबाद, रवि रंगराव शिंदे (35 वर्ष), सोनापट्टी, पोदारपाड़ा, झरिया, धनबाद को गिरफ्तार किया गया. इस अभियान में बालीडीह, गोमिया और बीटीपीएस थाना प्रभारी समेत दर्जनों पुलिस अधिकारी और जवान शामिल थे.

## ब्लैकमेल कर महिला से यौन शोषण में एक गिरफ्तार

**बेंगाबाद (शुभम संदेश)।** बेंगाबाद थाना क्षेत्र के पोषक गांव से ब्लैकमेल कर 29 वर्षीय महिला के साथ यौन शोषण का सनसनीखेज मामला सामने आया है. पीड़िता द्वारा थाना में आवेदन दिए जाने के आधार पर पुलिस ने कांड संख्या 142/2025 दर्ज की है. मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी राहुल कुमार को गिरफ्तार कर शनिवार को गिरिडीह जेल भेज दिया, जबकि चार नामजद आरोपी अब भी फरार हैं. पीड़िता के अनुसार, 3 नवंबर 2024 की रात करीब 8 बजे बगलगीर युवक उसके घर आया और जबरन शारीरिक संबंध स्थापित किया. इस दौरान आरोपी ने उसकी अश्लील तस्वीर और वीडियो भी बना लिया. बाद में तस्वीर डिलीट करने की गुहार लगाने पर भी आरोपी ने वीडियो नहीं हटाया और लगातार ब्लैकमेल करते हुए संबंध बनाए रखा. पीड़िता का वीडियो उसके दोस्तों को भी भेज दिया गया. इसके बाद आरोपी विक्रम मंडल, भरत मंडल, शिव कुमार और मैनेजर मंडल ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर महिला का यौन शोषण किया और दस लाख रुपये फिरौती की मांग की. महिला ने किस्तों में 20 हजार रुपये भी दिए, लेकिन आरोपी लगातार दबाव बनाने लगे. पीड़िता ने थक-हारकर पुलिस से न्याय की गुहार लगाई.

# महिला काव्य मंच की मासिक गोष्ठी में बही काव्य बयार

शुभम संदेश। बोकारो



महिला काव्य मंच की मासिक गोष्ठी शनिवार को ऑनलाइन आयोजित की गई. इसकी अध्यक्षता काजल भलोटिया ने की. गोष्ठी संस्थापक नरेश नाज, राष्ट्रीय अध्यक्ष सारिका भूषण एवं प्रदेश अध्यक्ष मोना बग्गा के संज्ञान में संपन्न हुई. इस अवसर पर महासचिव अर्चना मिश्रा 'अश्क़' मुख्य अतिथि तथा रेणुका सिन्हा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं. कार्यक्रम का शुभारंभ दीप्ति झा की सरस्वती वंदना से हुआ, जबकि स्वागत भाषण अध्यक्ष काजल भलोटिया ने दिया. मंच का संचालन सुप्रिया कुमारी ने सुंदर ढंग से किया और कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रदेश महासचिव अर्चना मिश्रा 'अश्क़' ने प्रस्तुत की. गोष्ठी में कवयित्रियों ने अपनी रचनाओं से काव्य बयार बहाई और सभी को आनंदित किया. प्रस्तुत रचनाओं में रेणुका सिन्हा की गरिमामयी हिंदी, डॉ. आशा पुष्प की समर्थ हिंदी, ॠचा प्रियदर्शिनी की मां, सुप्रिया की अब खुद से मिलना चाहती हूँ, अर्चना मिश्रा 'अश्क़' की अस्तित्व, राखी की नेता की अभिलाषा, अमृता शर्मा की बवाल-ए-जान, ज्योति कुमारी की मानवता, जयंती सिंह की काव्य पथ, काजल भलोटिया की वो बस इतनी सी थी, दीप्ति निशंक की चाहत, दीप्ति झा की तेरा नशा, रिंकू गिरि रतन की दिल ये क्या कहता है, शीला तिवारी की रुक्मिणी, करूणा कलिका की मैं नहीं वो फूल, स्मिता की समानता का दावा और पद्मावती कोमल की सूर्य बनो कुछ रातों का शामिल रही. समापन भाषण सचिव ॠचा प्रियदर्शिनी ने दिया.

# थाना कस्टडी में आरोपी की संदिग्ध मौत मामले में पुलिस थ्योरी पर उठे सवाल

शुभम संदेश। गावां (गिरिडीह)

डबल मर्डर केस के आरोपी श्रीकांत चौधरी की थाना कस्टडी में हुई संदिग्ध मौत ने इलाके में सनसनी फैला दी है. पुलिस का दावा है कि आरोपी ने फांसी लगाकर आत्महत्या की, लेकिन ग्रामीणों और परिजनों का कहना है कि पूरा मामला संदिग्ध है. उन्होंने निष्पक्ष जांच की मांग की है. मंगलवार की शाम गावां थानेदार अभिषेक कुमार सिंह आरोपी श्रीकांत को गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लेकर पहुंचे. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आरोपी के गले पर गहरे कट का निशान था और वहां से लगातार खून बह रहा था. प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति गंभीर होने पर उसे गिरिडीह सदर अस्पताल रेफर किया गया, जहां आईसीयू में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई और डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. मीडिया से बातचीत में खोरीमहुआ एसडीपीओ राजेन्द्र प्रसाद ने कहा था कि श्रीकांत डबल हत्याकांड का आरोपी था और उसने सुतली से फांसी लगाई, जिससे गले में कट का निशान आया. इधर इस मामले की न्यायिक जांच शुरू हो गई है. शुक्रवार को जिला न्यायाधीश अक्षय शर्मा ने गावां थाना पहुंचकर पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली और घटना के समय ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों से पूछताछ की. हालांकि जांच पूरी तरह गोपनीय रखी गई और मीडिया को आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई. सूत्रों के अनुसार, जांच में फांसी का फंदा और खून से सना ब्लेड अहम सबूत के तौर पर मिले हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि यह सवाल बेहद गंभीर है कि कोई व्यक्ति गला काटने के बाद फांसी कैसे लगा सकता है या फांसी लगाने के बाद गला कैसे काट सकता है, दोनों परिस्थितियां लगभग असंभव हैं. श्रीकांत के पिता ने मीडिया को बताया कि गिरफ्तारी के बाद जब वे खाना-पानी लेकर थाने पहुंचे तो पुलिस ने पहले उन्हें वही खाना खिलाया और फिर आरोपी को दिया. उन्होंने सवाल उठाया कि जब इतनी सतर्कता बरती जा रही थी तो गला काटने के लिए ब्लेड और फांसी लगाने के लिए रस्सी उसके पास कैसे पहुंची?

**संदेह के बिंदु**

1. आरोपी को लॉकअप की बजाय कॉन्फ्रेंस रूम में क्यों रखा गया?
2. उसकी लगातार निगरानी क्यों नहीं की गई?
3. ब्लेड और रस्सी आरोपी तक कैसे पहुंचे?

**मानवाधिकार पर सवाल**

भले ही श्रीकांत डबल मर्डर का आरोपी था, लेकिन संविधान हर नागरिक को मानवाधिकार देता है. पुलिस कह रही है कि उसने फांसी लगाई, जबकि गले पर गहरे कट के निशान मिले. सवाल यह है—अगर फांसी लगाई तो गला रेता क्यों गया? और अगर गला रेता गया तो फांसी की बात क्यों की जा रही है? स्थानीय लोग और सामाजिक कार्यकर्ता इस मौत को संदिग्ध मानते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग कर रहे हैं.

# शिक्षकों का सम्मान, राष्ट्र निर्माण में योगदान अमूल्य : डीसी




शुभम संदेश। बोकारो

शिक्षक को सम्मानित करना हमारे लिए गौरव की बात है. शिक्षक समाज के मार्गदर्शक होते हैं और उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता. विद्यार्थी जब अपने शिक्षक का सम्मान करते हैं, तभी राष्ट्र और विश्व का भविष्य मजबूत बनता है. आज मैं उपायुक्त नहीं, बल्कि एक विद्यार्थी के रूप में शिक्षकों को सम्मानित करने आया हूं. उक्त बातें उपायुक्त अजय नाथ झा ने शनिवार को बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर-04 स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल सभागार में डॉ. राधाकृष्णन सहोदय स्कूल कॉम्प्लेक्स द्वारा आयोजित गुरु वशिष्ठ अवार्ड 2025 समारोह में शिक्षकों को संबोधित करते हुए कही. उपायुक्त ने कहा कि शिक्षक किसी भी परिस्थिति से हतोत्साहित या मायूस नहीं हों. स्थिति पर रोना नहीं है, बल्कि अवसर को पहचानना है. शिक्षक बनने का निर्णय आपने स्वयं लिया था, इसलिए किसी भी परिस्थिति में मायूस नहीं होना है. पूरे विश्व का भविष्य आपके हाथों में है और आप ही नई पीढ़ी को दिशा देने वाले हैं. उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे बच्चों में सकारात्मक ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार करें. उन्होंने सुझाव दिया कि कक्षा में पाठ्यक्रम की पढ़ाई शुरू करने से पहले शिक्षक प्रतिदिन कम से कम 5 मिनट बच्चों से संवाद करें. बच्चों से जुड़ें, उन्हें देश-दुनिया की प्रमुख घटनाओं से अवगत कराएं. इस अभ्यास से न केवल विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा, बल्कि वे जिम्मेदार नागरिक भी बनेंगे. साथ ही, बच्चों को यह भी अभ्यास कराएं कि कल कक्षा में क्या पढ़ना है. इस मौके पर चिन्मया विद्यालय के प्रिंसिपल सुरज शर्मा, द ओरिएंटल फाउंडेशन स्कूल मोहनडीह के प्रिंसिपल डॉ. अमिर हुसैन, रेनबो पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल विपुल कुमार सिंह, डीएवी स्कूल कथारा के प्रिंसिपल जी. एन. खान, मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल बोकारो के प्रिंसिपल अशोक कुमार पाठक, गैलेक्सी पब्लिक स्कूल चास के प्रिंसिपल सुबोध कुमार, दयानंद आदर्श विद्यालय के मनोज कुमार, माउंटसन सेक्टर-12 विद्यालय की प्रिंसिपल डॉ. बी. रीना ठाकुर, एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल फादर डॉ. जोशी वारगेसी, सेक्टर-4 डीएवी स्कूल के प्रिंसिपल एस. के. मिश्रा, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाध्यापक व शिक्षक उपस्थित थे.

## डीपीएस बोकारो में मनाया गया हिन्दी दिवस

**वार्षिक हिन्दी पत्रिका 'स्वरा' का विमोचन**

**बोकारो।** 'निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल, बिनु निज भाषा-ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल.' प्रखर राष्ट्रवादी लेखक भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की ये पंक्तियां भारत में हमारी भाषा हिन्दी की महत्ता को बताने के लिए पर्याप्त हैं. उक्त बातें दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने कहीं. वह शनिवार को हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालय में आयोजित विशेष सभा में उपस्थित हजारों विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों को संबोधित कर रहे थे. राजभाषा हिन्दी के संवर्द्धन एवं विद्यार्थियों में इसके प्रति रुचि विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं और हिन्दी भाषा व विषय पर अपनी सशक्त पकड़ का परिचय दिया. कार्यक्रम का शुभारंभ छात्रा आव्या सिंह द्वारा सुविचार और अभव्य सिंह द्वारा समाचार वाचन से हुआ. इसके बाद कुमुद भारती ने कविता 'माथे का चंदन है हिन्दी...' प्रस्तुत कर सबकी सराहना पाई. वहीं, छात्रा दिव्यदर्शिनी ने राष्ट्रकवि दिनकर की 'रश्मिरथी' से 'कृष्ण की चेतावनी' का ऊर्जावान और ओजपूर्ण पाठ कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया. छात्र आयुष केसरी ने अपनी स्वरचित कविता 'रक्त नहीं, पानी है...' सुनाकर तालियां बटोरीं. विद्यार्थियों के एक दल ने विद्यालय की हिन्दी शिक्षिका महाश्वेता द्वारा लिखित एवं निर्देशित नुक्कड़ नाटक 'ब्रांड का बवंडर' प्रस्तुत किया. इस नाटक में युवा पीढ़ी की दिखावे की सनक, उसके दुष्परिणाम तथा उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरुकता का संदेश दिया गया. समारोह के दौरान हिन्दी दिवस को स्मरणीय बनाने हेतु विद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा तैयार वार्षिक हिन्दी साहित्यिक पत्रिका 'स्वरा' के नए अंक का विमोचन भी किया गया.

न्यूज अपडेट

## बीडीओ ने दिया लुप्पी डोभा घोटाले की जांच का आदेश

**खबर का असर**

**बेंगाबाद (शुभम संदेश)।** लुप्पी पंचायत के लोधरातरी गांव में डोभा निर्माण किए बिना ही ढाई लाख रुपये की फर्जी निकासी का मामला सामने आया है. इस गंभीर आरोप के आधार पर बेंगाबाद बीडीओ सुनील कुमार मुर्मू ने जूनियर इंजीनियर रईस को जांच का आदेश दिया है. बीडीओ ने कहा कि जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. जानकारी के अनुसार, झुनिया देवी की जमीन पर मनरेगा के तहत डोभा स्वीकृत था, लेकिन धरातल पर कोई काम नहीं हुआ. इसके बावजूद रोजगार सेवक मुस्ताक अहमद ने योजना मद से राशि निकाल ली. समाजसेवी अजीत यादव ने इस मामले में बीडीओ सहित संबंधित विभाग को लिखित शिकायत भेजी थी. ग्रामीणों का मानना है कि यदि निष्पक्ष जांच की जाती है, तो पंचायत में अन्य योजनाओं में हुए घोटालों का भी खुलासा हो सकता है. सूत्रों के अनुसार, रोजगार सेवक मामले को दबाने की कोशिश में है और योजनाओं की लीपा–पोती कर रहा है. अब सभी की नजर जांच रिपोर्ट पर टिकी है, जिससे फर्जी निकासी के पीछे शामिल अन्य लोगों का भी पता चलेगा.

## शिक्षिका ने अध्यक्ष पर लगाया दुर्व्यवहार का आरोप

**कसमार (शुभम संदेश)।** कसमार प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय, पोंडा की सहायक शिक्षिका कुमारी पुष्पांजलि ने विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं. थाना प्रभारी को दिए लिखित आवेदन में शिक्षिका ने कहा है कि विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष विनोद हेम्ब्रम ने 11 सितंबर 2025 को विद्यालय परिसर में उनके साथ दुर्व्यवहार किया. आरोप है कि इस दौरान गाली-गलौज की गई और उन्हें बेबुनियाद मामलों में फंसाने की धमकी दी गई. शिक्षिका का कहना है कि 16 जुलाई को आयोजित विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक में भी उन्हें अपमानित किया गया था. सबसे गंभीर आरोप यह है कि अध्यक्ष ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी. शिक्षिका ने बताया कि इस पूरी घटना के कारण वे गहरे मानसिक तनाव में हैं. उन्होंने आगे कहा कि अध्यक्ष मध्याह्न भोजन योजना के तहत सड़ा हुआ अनाज उपयोग करना चाह रहे थे. जब उन्होंने इसका विरोध किया तो अध्यक्ष बौखला गए और उनके साथ अभद्र व्यवहार करते हुए झूठे आरोप लगाकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया. शिक्षिका ने थाना में गुहार लगाते हुए मामले की गहन जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो. उन्होंने बताया कि वह प्रतिदिन अपने घर से लगभग 15 किलोमीटर दूर विद्यालय आती-जाती हैं और आशंका जताई है कि अध्यक्ष उनके साथ कोई अप्रिय घटना को अंजाम दे सकते हैं.

## मक्का-मदीना जाने वाले नन्हें जायरीन को दी विदाई

**जमुआ (शुभम संदेश)।** जिले के सबसे कम उम्र के उमराह जायरीन, दस वर्षीय असजद इकबाल को जमुआ में भव्य विदाई दी गई. जानकारी के अनुसार जिले के विभिन्न प्रखंडों से शनिवार को मक्का एवं मदीना जाने वाले दर्जनों जायरीन जमुआ से रांची एयरपोर्ट के लिए रवाना हुए. इस जत्थे में असजद इकबाल भी शामिल थे. असजद ने पत्रकारों से कहा कि वह अपने दादा हाजी मुफीद अहमद के साथ मक्का एवं मदीना के ज्यारत के लिए निकले हैं. उन्होंने बताया कि मक्का और मदीना मुस्लिमों के पवित्र तीर्थ स्थल है और उन्हें वहां जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है. असजद ने कहा कि मैं संत जोसेफ स्कूल, जमुआ का कक्षा 3 का छात्र हूँ. मक्का एवं मदीना पहुंच कर मैं अपने तथा अपने मुल्क की अमन-चैन के लिए दुआ मांगूंगा. मदीना टूर एवं ट्रैवल्स के संचालक मौलाना इल्यास और हाजी मुफीद अहमद ने बताया कि जमुआ सहित जिले के विभिन्न प्रखंडों से कुल 49 उमराह जायरीन हैं. इनका फ्लाइट रांची के बिरसा मुंडा हवाई अड्डे से दिल्ली के लिए और फिर दिल्ली से कनेक्टिंग फ्लाइट के माध्यम से मक्का के जद्दा एयरपोर्ट के लिए है. मौके पर बड़ी संख्या में लोग इन जायरीन को छोड़ने रांची पहुंचे.

## टूटी पुलिया का पूर्व विधायक ने लिया जायजा

**तिसरी (शुभम संदेश)।** तिसरी प्रखंड के पिपराटांड गांव जाने वाली मुख्य सड़क पर स्थित पुलिया बारिश के बाद पूरी तरह ध्वस्त हो गई है. इसके कारण आसपास के आधा दर्जन गांवों का मुख्य मार्ग बाधित हो गया है. करीब दो माह पहले इस पुलिया का आधा हिस्सा ध्वस्त हो गया था. उस समय ग्रामीणों ने स्थानीय विधायक बाबूलाल मरांडी को आवेदन देकर जिला प्रशासन से मरम्मत या नवनिर्माण की मांग की थी, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया. मजबूर होकर ग्रामीणों ने निजी खर्च से अस्थायी मरम्मत करवाई थी. बीते गुरुवार की तेज बारिश के कारण पुलिया पूरी तरह बह गई. अब पिपराटांड के साथ-साथ कोरचांचो, भेलवाटांड, केंदुआ, बस्तीकुरा, तेतरियाटांड, घोड़मरवा, परसवा और चोरनीतरी समेत कई गांवों का संपर्क बाधित हो गया है. यहां तक कि बच्चों को स्कूल जाने के लिए टूटी पुलिया से होकर जोखिम उठाकर गुजरना पड़ रहा है. जानकारी मिलने पर धनवार के पूर्व विधायक राजकुमार यादव मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया. उन्होंने मौके से ही विभाग के एसडीओ को फोन कर पुलिया निर्माण की मांग की तथा उपायुक्त को भी स्थिति से अवगत कराने की बात कही. यादव ने जिला प्रशासन और विभाग को तीन दिनों का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी कि यदि पहल नहीं की गई तो वे ग्रामीणों के साथ अपने नेतृत्व में गांव–गिरिडीह मुख्य सड़क जाम करेंगे.

## जिला आपूर्ति टास्क फोर्स की बैठक में डीसी ने दिए निर्देश

**दुमका (शुभम संदेश)।** समाहरणालय सभागार में शनिवार को उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में जिला आपूर्ति टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि जिन लाभुकों ने पिछले तीन वर्षों से राशन का उठाव नहीं किया है, नियमानुसार उनके नाम राशन कार्ड से हटाए जाएं. साथ ही प्रखंड स्तर पर आयोजित जनता दरबार में योग्य लाभुकों के बीच धोती-साड़ी का वितरण सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया. उन्होंने सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि 1 वर्ष, 3 वर्ष और 5 वर्ष से राशन का उठाव नहीं करने वाले लाभुकों की सूची तैयार कर उपलब्ध कराई जाए. इसके अलावा, प्रत्येक माह कम से कम पाँच जन वितरण प्रणाली की दुकानों की जांच अनिवार्य रूप से की जाए. उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहित से जुड़े सभी कार्य पारदर्शिता और प्राथमिकता के आधार पर संपन्न किए जाएं. बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी राजशेखर कुमार, सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी और सहायक गोदाम प्रबंधक उपस्थित थे.

## नहाय-खाय के साथ जितिया पर्व की हुई शुरुआत

**साहिबगंज (शुभम संदेश)।** जिले के सभी प्रखंडों समेत अन्य स्थानों में महिलाओं का प्रमुख व्रत, जितिया पर्व, शनिवार से पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ शुरू हो गया. पर्व का आगाज शनिवार को नहाय-खाय की विधि से हुआ, जिसमें व्रती महिलाएं पवित्र नदी, कुएँ या तालाब में स्नान कर सात्विक भोजन करती हैं. नहाय खाय से ही तीन दिवसीय पर्व की शुरुआत मानी जाती है. पहले दिन, शनिवार को महिलाओं ने नहाय-खाय किया. इस दिन स्नान के बाद अरवा चावल, कद्दू, झिंगनी, मूली जैसी मौसमी सब्जियां और घी का शाकाहारी भोजन किया जाता है. माना जाता है कि इस दिन किया गया भोजन अगले दिन के निर्जला उपवास को शक्ति देता है. दूसरे दिन, रविवार को व्रती महिलाएं निर्जला उपवास रखती हैं. यह व्रत संतान की लंबी उम्र की कामना के लिए किया जाता है. आचार्य लक्ष्मण पांडे ने बताया कि इस व्रत के नियम के अनुसार महिलाएं एक दिन तिनका या दातुन भी मुंह में नहीं लेती हैं, इसलिए इसे खर जितिया के नाम से भी जाना जाता है. जितिया व्रत पितृ पक्ष के दौरान मनाया जाता है और इसे जीवित्पुत्रिका व्रत भी कहा जाता है. यह व्रत विवाहित महिलाएं अपने पुत्र की लंबी आयु के लिए करती हैं. हर साल आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को जितिया मनाया जाता है.

## डीसी ने शिक्षा विभाग की बैठक में दिए कई निर्देश

**दुमका (शुभम संदेश)।** समाहरणालय स्थित अपने कक्ष में शनिवार को आयोजित शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिले के सभी शिक्षक अनिवार्य रूप से बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करें. जानकारी दी गई कि वर्तमान में 21 शिक्षक उपस्थिति दर्ज नहीं कर रहे हैं. उपायुक्त ने ऐसे शिक्षकों को चिह्नित कर स्पष्टीकरण पूछने एवं कार्रवाई करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि सभी शिक्षक जय गुरुजी ऐप पर पाठ्यक्रम की स्थिति अपलोड करना सुनिश्चित करें. जो शिक्षक ऐसा नहीं करेंगे, उन्हें चिह्नित कर कार्रवाई की जाएगी. वहीं, बेहतर कार्य करने वाले शिक्षक एवं बच्चों को जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित करने की पहल की जाएगी. उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जन चेतना केंद्र के माध्यम से सुदूर एवं पिछड़े क्षेत्रों में एडल्ट एजुकेशन नियमित रूप से संचालित की जाए, ताकि लोगों को हस्ताक्षर करने से लेकर आवश्यक जीवनोपयोगी ज्ञान मिल सके. उन्होंने मिड-डे मील योजना में बच्चों को मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता एवं मानक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए. साथ ही, शिक्षा विभाग द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले किताब, नोटबुक, बैग आदि का शत-प्रतिशत वितरण बच्चों के बीच सुनिश्चित करने को कहा. सभी विद्यालयों में फायर सेफ्टी मॉक ड्रिल आयोजित करने का भी निर्देश दिया.

## लोयाबाद में एक को सांप ने डसा

**लोयाबाद।** लगातार हो रही बारिश के कारण वन्य जीव-जंतु अपने बिलों से निकलकर रिहायशी इलाकों की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे लोगों की सुरक्षा पर खतरा बढ़ गया है. लोयाबाद तीन नंबर इलाके में शनिवार सुबह ऐसी ही एक घटना सामने आई, जब 42 वर्षीय धर्मेंद्र भुइंया को एक विषैले सांप ने डस लिया. प्राप्त जानकारी के अनुसार, धर्मेंद्र सुबह करीब 10 बजे अपने मिट्टी के घर की करकट की छत की सफाई कर रहा था. सफाई के दौरान अचानक उसकी नज़र एक सांप पर पड़ी. वह घबराकर भागने लगा, लेकिन इससे पहले कि वह दूर जा पाता, सांप ने उसके दाहिने हाथ की पहली उंगली में काट लिया. घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए पहले सांप को मार गिराया और फिर धर्मेंद्र को तुरंत एसएनएमएमसीएच धनबाद ले जाया गया. अस्पताल प्रशासन के अनुसार, धर्मेंद्र की हालत अभी स्थिर है और उसे 24 घंटे चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है. स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि बरसात के मौसम में बढ़ते खतरे को देखते हुए जागरूकता अभियान चलाया जाए .

# करकेंद में दिखेगी झारखंडी संस्कृति की छटा

## 55 सालों से हो रही है मां दुर्गा की आराधना, सुंदर पंडालों के आकर्षण से खिंचे आते हैं श्रद्धालु

- पंडाल के अंदर करमा नृत्य और झारखंडी वाद्य यंत्रों के होंगे दीदार

शुभम संदेश। पुटकी

श्रीश्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा महोत्सव करकेंद ने कोयला खनन प्रक्षेत्र में विगत 55 सालों में एक अमिट पहचान बनाई है. यहां पूजा पंडाल को अनूठी कला सजाया और संवारा जाता है. इस बार 35 फ़ीट ऊंचा व 110 फीट चौड़ा भव्य पंडाल बनेगा. अध्यक्ष राजू पांडे ने कहा कि पूजन समिति 56 वें वर्ष में पूजा पंडाल को झारखंड की लोक कला संस्कृति के रूप में उकेर कर भक्तों के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा, जो श्रद्धालु व दर्शनकर्ताओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगा. पंडाल को पश्चिम बंगाल के कलाकार बहार अली व मनईटांड़ के रोहित कुमार झारखंड की लोक कला की मनोरम दृश्य को उकेरने का काम कर रहे हैं. बता दें कि करकेन्द में दुर्गा पूजा वर्ष 1969 से लगातार से होती आ रही है. इस वर्ष समिति ने पंडाल के लिए सोहराय खोवर एवं अन्य झारखंडी कल्चर की थीम चुनी है. पंडाल के अंदरूनी भाग को झारखंड की लोकसंस्कृति करमा नृत्य, दैनिक जीवन की वस्तुएं, वाद्य यंत्र तथा पारंपरिक अस्त्र-शस्त्र के दृश्यों को दर्शाया जाएगा. दुर्गा पूजा महोत्सव पर करकेंद बाजार रंग-बिरंगी लाइटों से जगमगाएगी. सड़क के दोनों किनारे लगभग डेढ़ किलोमीटर तक दुल्हन की तरह सजेगी. दुर्गा पूजन पारंपरिक रूप एवं धार्मिक पद्धति से पश्चिम बंगाल के आचार्य पंडित अशोक कुमार द्वारा संपन्न किया जाएगा. मां दुर्गा की प्रतिमा का निर्माण विख्यात मूर्तिकार तजमय पाल, दामोदरपुर धनबाद के द्वारा किया जा रहा है.समिति के अध्यक्ष राजू पांडेय के नेतृत्व में पूरी समिति के पदाधिकारी गण एवं सदस्य गण हर्षोल्लाह से सभी कार्यों को क्रियान्वित कर रहे हैं.मुख्य रूप से वर्ष 2007 से ही समिति लगातार जिले के वृहद दुर्गोत्सव में करकेंद के दुर्गा पूजा का स्थान भव्य एवं भिन्न -भिन्न थीम आधारित पूजा पंडाल बनाकर तथा आकर्षक विद्युत सज्जा कर अपने को स्थापित करते आ रही है.

# विधायक जयराम महतो का पैर फ्रेक्चर, सांसद ने पूछा कुशलक्षेम

शुभम संदेश। धनबाद

धनबाद सांसद ढुलू महतो शनिवार को असर्फी हॉस्पिटल, धनबाद पहुँचे. उन्होंने इलाजरत डुमरी के विधायक जयराम महतो के स्वास्थ से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली. उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की. विगत दिनों डुमरी विधायक जयराम महतो के पैर में फ्रैक्चर हो गया था. जिसके बाद उन्हें अशर्फी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है. उनका प्लास्टर किया गया है और वे चिकित्सकों की निगरानी में इलाजरत हैं. सांसद ने चिकित्सकों से भी विधायक के स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी ली और परिवारजनों से भी मिलकर उनके कुशलक्षेम की जानकारी प्राप्त की. उन्होंने ईश्वर से जयराम महतो के जल्द पूर्णतः स्वस्थ होने की कामना की.

# जबरदस्त तनाव का दौर, खुद को करें प्रशिक्षित : डॉ प्रमोद पाठक

## झारखंड सशस्त्र पुलिस वाहिनी गोविंदपुर में तनाव प्रबंधन पर कार्यशाला

शुभम संदेश। गोविंदपुर

झारखंड सशस्त्र पुलिस वाहिनी गोविंदपुर में शनिवार को तनाव प्रबंधन पर कार्यशाला हुई. मुख्य वक्ता आईआईटी आईएसएम धनबाद के प्रबंध अध्ययन विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष सह मनोवैज्ञानिक सलाहकार डॉ प्रमोद पाठक ने जैप के जवानों एवं अधिकारियों को मानसिक तनाव से मुक्ति के गुर सिखाए. कहा कि वर्तमान समय में कुशल कार्य निष्पादन के लिए मानसिक तनाव को नियंत्रित करना नितांत आवश्यक है. यह मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है. बताया कि तनाव एक मनः स्थित है जो सोच और मनोभावों से उत्पन्न होती है और बाहरी कारकों से ज्यादा आंतरिक कारकों से उत्पन्न होती है. उन्होंने तनाव के चलते उत्पन्न हुई शारीरिक एवं मानसिक स्थितियों का विश्लेषण करते हुए तनाव प्रबंधन का वैज्ञानिक ढंग से बचाव करने के तरीकों पर प्रकाश डाला. डॉ पाठक ने कहा कि आज का दौर जबरदस्त तनाव का दौर है और पुलिस कर्मियों को इसके लिए खुद को प्रशिक्षित कर अपनी तनाव झेलने की क्षमता विकसित करनी पड़ेगी. तनाव एक प्रकार की दुश्चिंता से उत्पन्न होती है और कई मानसिक तथा शारीरिक विकारों को जन्म देती है. उन्होंने जैप के जवानों एवं अधिकारियों को तनाव की स्थिति में खुद को संयत रखने के कई सरल किंतु प्रभावी उपायों की वैज्ञानिकता के साथ व्याख्या की. ग्रामीण एसपी एवं जैप समादेष्टा कपिल चौधरी ने विषय वस्तु पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पुलिस जवानों और अधिकारियों को तनाव मुक्त रखना आवश्यक है. इसका असर कार्य क्षमता पर पड़ता है. जैप डीएसपी सतीश चंद्र झा ने प्रशिक्षण की उपयोगिता बताते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया. जवानों के प्रश्नों एवं शंकाओं का निवारण भी डॉ पाठक द्वारा किया गया.

# आजसू नेता सुभाष महतो नहीं रहे, तोपचांची में शोक

शुभम संदेश। गोमो

तोपचांची प्रखंड के आजसू नेता,श्रीरामपुर ग्राम पंचायत के पूर्व पंचायत समिति सदस्य व झारखण्ड आन्दोलनकारी रहे तोपचांची प्रखंड के दीगनगर निवासी सुभाष महतो (57) नहीं रहे. शनिवार को ईलाज के दौरान मिशन अस्पताल दुर्गापुर में उनका निधन हो गया. अचानक इस दुखद घटना की समाचार से तोपचांची प्रखंड क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ पड़ी. खबर के बाद लोग उनकी चर्चा में डूब गए.8 सितम्बर को आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो के धनबाद कार्यक्रम में शामिल हुए थे. गांव में भी बिलकुल सामान्य तौर पर घूमते फिरते देखे गए थे. अचानक एक दिन पूर्व उनकी तबीयत बिगड़ गई थी. इलाज के लिए दुर्गापुर मिशन अस्पताल ले जाया गया था. फिर उनकी मौत होने की खबर मिली. देर शाम को उनका शव दीगनगर लाया गया है.रविवार को दाह संस्कार किया जाएगा. तोपचांची के पूर्व अंचल अधिकारी विकास कुमार त्रिवेदी, गुरुजीत सिंह काजू, भाजपा नेता सुनील मंडल, खिरोधर मंडल, आजसू नेता सदानंद महतो, समाज सेवी अर्जुन महतो (गेंदनवाडीह) साक्षरता वाहिनी के प्रखंड संयोजक गिरिधारी प्रसाद महतो रामाकुंडा के मुखिया प्रतिनिधि अमृत रजक, अशोक दास, अनिल मेडिकल (आजाद नगर गुनघुसा) प्रसिद्ध सिंह पंकज मंडल, गुलाम मुस्तफा (श्रीरामपुर) सकील तारा, शिक्षक कनक कांति मेहता,रबिंद्र महतो (खेसमी) उप प्रमुख हेम लाल महतो, पूर्व मुखिया परसु राम महतो, नवल कुमार, जितेन्द्र दास, सहित दर्जनों विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सुभाष महतो के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है.

### आरपीएफ इंस्पेक्टर को बोला ट्रैक्टर चालक

# थाने में इंट्री दी है सर, छोड़ दीजिए

- गोमो में अवैध बालू लदे दो ट्रैक्टर पलटे, सड़क जाम

शुभम संदेश। गोमो

गोमो स्थित हरिहरपुर थाना क्षेत्र से महज एक किलोमीटर दूरी फासले पर सिक लाईन रेल कॉलोनी गोल चक्कर के समीप शनिवार सुबह लगभग 5 बजे अवैध बालू से भरे दो ट्रैक्टर नाली में गिरने से दो घंटे तक मुख्य सडक जाम रही. इस दौरान स्कूल बस सहित अन्य वाहन फंसे रहे. ग्रामीणों द्वारा घटना की सूचना हरिहरपुर थाना पुलिस को दी गई परंतु मौके पर नहीं पहुंची. घटना स्थल रेल कॉलोनी होने की सूचना पर आरपीएफ पोस्ट गोमो के इंस्पेक्टर संतोष कुमार झा जवानों के साथ पहुंचे और जायजा लेकर पूछताछ के लिए दो ट्रैक्टर चालकों को हिरासत में लिया. इस बीच पकड़े गए ट्रैक्टर चालकों ने आरपीएफ इंस्पेक्टर को सिविल ड्रेस में होने के कारण पहचान नहीं पाए और तपाक से बोल बैठे सर थाना को इंट्री दी गई है. हमको छोड़ दीजिए, यह सुनकर वहां मौजूद लोग चौंक गए.आरपीएफ इंस्पेक्टर ने बताया कि आए दिन अवैध बालू लदी ट्रैक्टर के परिचालन से रेल कॉलोनी की दीवार, नाली, सड़क को क्षति पहुंचा रहा है. लगातार शिकायतें मिल रही हैं. मना करने के बाद भी ट्रैक्टर चालक और बालू माफिया नहीं मान रहे हैं. रात के अंधेरे में अवैध बालू दर्जनों ट्रैक्टरों का परिचालन रोज हो रहा है. बाद में बालू तस्करों ने घंटों मशक्कत कर नाली में फंसे ट्रैक्टर को निकाला और लेकर भाग निकले.

## आसनसोल

# तीन शताब्दी पुरानी है मिश्र परिवार की दुर्गा पूजा परंपरा

शुभम संदेश। पुरुलिया

पश्चिम बंगाल के पुरुलिया ज़िले के रघुनाथपुर अनुमंडल स्थित आड़रा गाँव में स्थित मिश्र परिवार की दुर्गा पूजा न केवल एक पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठान है, बल्कि यह इतिहास, संस्कृति और आस्था की जीवंत मिसाल भी है. करीब 322 वर्षों से चली आ रही यह पारिवारिक पूजा बंगाल की धार्मिक विरासत में एक अनूठा स्थान रखती है. माना जाता है कि मिश्र परिवार 17वीं शताब्दी के मध्य, लगभग 1650 में उत्तर भारत के कन्नौज से पलायन कर पुरुलिया के आड़रा गाँव में आकर बसा था. मुगल अत्याचारों से बचने के लिए यह पलायन किया गया था. गाँव में बसने के बाद मिश्र वंश की स्थापना हुई और फिर 18वीं शताब्दी की शुरुआत में राजाराम मिश्र के नेतृत्व में दुर्गा पूजा की परंपरा शुरू हुई. इस पूजा की एक विशेष बात यह है कि आज भी सभी अनुष्ठान मिश्र परिवार के पास संरक्षित दो ऐतिहासिक पांडुलिपियों - 'रामचरित' और 'चंडी' - के निर्देशों के अनुसार ही संपन्न किए जाते हैं. ये पांडुलिपियाँ एक सदी से भी अधिक पुरानी मानी जाती हैं और ऐसा कहा जाता है कि इन्हें हरितकी को जलाकर बनी स्याही से लिखा गया था. पूजा के दौरान देवी दुर्गा के साथ-साथ दो ऐतिहासिक तलवारों की भी पूजा की जाती है. एक तलवार मिश्र परिवार द्वारा अपने साथ कन्नौज से लाई गई थी, जबकि दूसरी पंचकोट राजवंश द्वारा भेंट स्वरूप दी गई थी. ये तलवारें देवी की शक्ति का प्रतीक मानी जाती हैं और इनके साथ जुड़ा हुआ ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व इस पारंपरिक पूजा को और भी गरिमा प्रदान करता है. परिवार के सदस्य प्रदीप मिश्र के अनुसार कि हमारी पूजा सिर्फ एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि तीन सदियों से चली आ रही विरासत की निरंतरता है, जो हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखती है.

### ऑटो में महिला से छेड़छाड़, आरोपित धराया

**सिलीगुड़ी (शुभम संदेश)।** शहर के मुख्य मार्ग हिलकार्ट रोड पर सिटी ऑटो में एक महिला से छेड़छाड़ की घटना घटी है. सूत्रों के अनुसार, शनिवार दोपहर एक महिला हाशमी चौक से माटीगाड़ा जाने के लिए सिटी ऑटो में चढ़ी थी. कुछ दूर जाने पर ऑटो में सवार एक व्यक्ति ने महिला से छेड़छाड़ शुरू कर दी. महिला के चिल्लाने पर चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए गाड़ी रोक दी और आरोपित को पकड़ लिया. घटना सामने आते ही उत्तेजित भीड़ ने जमकर आरोपित की पिटाई कर दी. इसके बाद सिलीगुड़ी थाने की पुलिस को सूचना दी गई. पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपित को हिरासत में ले लिया. लोगों का आरोप है कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुलिस की विनर्स वाहिनी का गठन तो किया गया है, लेकिन वे व्यावहारिक रूप से नज़र नहीं आती है. आये दिन शहर में छिनतई और छेड़छाड़ की घटना हो रही है.

# जावेद हत्याकांड : शूटर गैंग का एक और सदस्य हथियार के साथ गिरफ्तार

- अबतक 8 आरोपी गिरफ्तार

शुभम संदेश। आसनसोल

29 अगस्त को नियामतपुर पुलिस फाड़ी क्षेत्र के रहमान पाड़ा इलाके में हुई जावेद बारी की हत्या के मामले में एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है. आसनसोल बस्तीन बाजार से शैफ अली कुरैशी उर्फ़ चांद को गिरफ्तार किया गया है, जिसके पास से एक बंदूक और तीन जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं. डीसीपी वेस्ट संदीप कर्रा ने प्रेस वार्ता में बताया कि यह हत्या जमीन विवाद को लेकर की गई थी. अब तक इस मामले में आठ आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जिनमें फरहा नाज (जावेद की ममेरी बहन), उसका भाई इंतकाब आलम, पति आशिफ खान सहित आदिल आलम, एहतशाह उर्फ सोनू, मनोज सुल्तान, फैजल शाह, सैयद अख्तर और शैफ अली कुरैशी शामिल हैं. जांच में सामने आया है कि इस मर्डर की साजिश जावेद की बहन फरहा नाज और उसके पति आशिफ खान ने रची थी. फिरौती के तौर पर पांच लाख रुपये देकर इस हत्या की सुपारी दी गई थी. फरहा के भाई इंतकाब आलम की पूछताछ में पूरी साजिश का खुलासा हुआ. पुलिस अब भी दो फरार आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है.

### हिंदी दिवस पर ईसीएल में कार्यक्रम का आयोजन

# हिंदी आत्मसम्मान और सांस्कृतिक विरासत की अभिव्यक्ति है : सतीश

शुभम संदेश। संकतोड़िया

हिंदी दिवस पर ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक सतीश झा ने अपने प्रेरणास्पद संदेश में हिंदी के महत्व, उसकी व्यापकता और राष्ट्रीय एकता में उसकी भूमिका को रेखांकित किया. ईसीएल पूरे सितंबर माह को राजभाषा (हिंदी) माह के रूप में मना रही है, जिसमें मुख्यालय के साथ-साथ सभी क्षेत्रीय कार्यालयों, अस्पतालों, इकाइयों और कार्यशालाओं की सक्रिय भागीदारी देखी जा रही है. अपने संदेश में झा ने कहा कि हिंदी दिवस का आयोजन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि हमारी राजभाषा के गौरव और सांस्कृतिक आत्मसम्मान का उत्सव है. आपकी भागीदारी यह भरोसा दिलाती है कि हिंदी निकट भविष्य में सम्पूर्ण मानवता का मार्गदर्शन करने में सक्षम होगी. उन्होंने आगे कहा कि हिंदी भारत की आत्मा है और यह न केवल संचार का माध्यम है, बल्कि विचारों, भावनाओं और संवेदनाओं को व्यक्त करने का सबसे प्रभावी जरिया भी है. यह भाषा देश की विविधता को जोड़ने का सशक्त सेतु है और आज भी भारत में सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा है. हमें गर्व होना चाहिए कि हमारी भाषा में तुलसीदास, कबीर, प्रेमचंद, महादेवी वर्मा और बच्चन जैसे महान साहित्यकारों ने इसे समृद्ध किया. हमें कार्यालयीन कामकाज के साथ-साथ दैनिक जीवन में भी हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना चाहिए.

### बराकर : गौरांग मंदिर में जरूरतमंदों को वस्त्र वितरण

**बराकर (शुभम संदेश)।** बराकर स्थित सीताराम बाबा द्वारा प्रतिष्ठित गौरांग मंदिर में साधु श्री हरे कृष्ण बाबा की ओर से सेवा मूलक वस्त्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम का उद्देश्य दुर्गा पूजा से पूर्व क्षेत्र के अति पिछड़े एवं बेसहारा परिवारों को राहत पहुंचाना था. मंदिर सेवाहित हरे कृष्ण बाबा ने बताया कि जिन परिवारों की महिलाएं दूसरों के घरों में काम कर अपने परिवार का भरण-पोषण करती हैं, उन्हें विशेष रूप से चिन्हित कर वस्त्र वितरित किए गए. इस आयोजन में महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को पूजा के लिए नए वस्त्र उपहार स्वरूप दिए गए. इस कार्य में साधु हरे कृष्ण बाबा, आलोक प्रकाश, निभा प्रकाश, सोमनाथ सहित कई धर्मात्माओं का विशेष योगदान रहा.

# श्याम मेटालिक्स के जमुरिया प्लांट में रक्तदान शिविर का आयोजन

- 800 से अधिक कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

शुभम संदेश। रानीगंज

श्याम मेटालिक्स, एक अग्रणी इंटीग्रेटेड मेटल प्रोड्यूसिंग कंपनी, ने अपने जमुरिया प्लांट में एक भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन कर सामाजिक उत्तरदायित्व की मिसाल पेश की. इस शिविर में 800 से अधिक कर्मचारियों ने स्वेच्छा से भाग लेकर कार्यबल की एकजुटता और सामुदायिक भावना का परिचय दिया. इस पुनीत पहल का उद्घाटन श्याम मेटालिक्स, जमुरिया यूनिट के प्लांट हेड श्री एस.के. माइती द्वारा किया गया. दिनभर चले इस रक्तदान शिविर में कर्मचारियों, वॉलंटियर्स और विशिष्ट अतिथियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. मौके पर आसनसोल के महाराज सोमात्मा नंदा, पश्चिम बर्दवान ज़िला परिषद सदस्य लतीफा काज़ी, और जमुरिया के विधायक हरेराम सिंह समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे. अतिथियों ने प्रेरणादायक भाषण देकर कर्मचारियों को संबोधित किया और श्याम मेटालिक्स की सामाजिक सेवा संस्कृति की भूरि-भूरि प्रशंसा की. उन्होंने रक्तदान स्थल का भी निरीक्षण किया और डोनर्स को प्रोत्साहित किया. श्याम मेटालिक्स के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर बृज भूषण अग्रवाल ने कहा कि कम्युनिटी वेलफेयर हमेशा हमारे काम करने के तरीके का हिस्सा रहा है.

### रूपनारायणपुर में रक्तदान शिविर

**रानीगंज।** डीएवी पब्लिक स्कूल हिंदुस्तान केबल्स, रूपनारायणपुर के पावन प्रांगण में थैलेसीमिया रोगियों के सहायतार्थ रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. यह शिविर विद्यालय प्रशासन एवं उज्जीवन शुभेच्छा रक्तदाता समिति, रूपनारायणपुर के संयुक्त प्रयास से लगाया गया था. इस कार्यक्रम का उद्देश्य थैलेसीमिया से पीड़ित मरीजों के लिए रक्त एकत्र करना और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना था.

# रानीगंज में वॉक ऑफ जॉय सांस्कृतिक कार्यक्रम

शुभम संदेश। रानीगंज

महिलाओं की अग्रणी संस्था इनर व्हील क्लब ऑफ रानीगंज ने लायंस क्लब हाल में एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम वॉक ऑफ़ जॉय का आयोजन किया. इस कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र की प्रतिभाशाली लड़कियों को मंच प्रदान कर उन्हें आत्मविश्वास और करियर के नए अवसरों की ओर प्रेरित करना था. संस्था की अध्यक्ष अनीशा भुवालका दुबे ने कहा कि आज की लड़कियां फैशन और कला के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहती हैं, और इस मंच के माध्यम से उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला. कार्यक्रम का संचालन रितिका वाधवा ने किया. निर्णायक मंडली में समाजसेविका शिल्पा भालोटिया, कुमकुम भारतीया एवं ज्योति साव ने जज की भूमिका निभाई. आयोजन की संयोजक हरप्रीत कौर एवं किरणजीत कौर रहीं. मुख्य अतिथि शिखा अग्रवाल ने इनर व्हील क्लब की समाज सेवा के लिए सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था जरूरतमंदों की मदद और महिला सशक्तिकरण में अग्रणी भूमिका निभा रही है. इस अवसर पर जया सानथोलिया, नेहा अंबानी, अर्चिता टोडानी, वीणा बाजोरिया, सिमरन बग्गा, मीनू गनेडीवाला और अर्चना अग्रवाल उपस्थित थीं. प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया.

### दुर्गापूजा से पूर्व कमीशन नहीं मिला तो 1 अक्टूबर से पीडीएस दुकानदारों जायेंगे हड़ताल पर

# बकाया कमिशन समेत अन्य मांगों के लिए पीडीएस डीलरों का प्रदर्शन

शुभम संदेश। निरसा बाजार

बकाया कमीशन भुगतान के साथ साथ चार सूत्री मांगों के समर्थन में निरसा के जन वितरण प्रणाली दुकानदारों ने फेयर प्राइस डीलर्स एसोसिएशन के बैनर तले शनिवार को निरसा खंड कार्यालय परिसर में धरना प्रदर्शन किया. धरना प्रदर्शन में महिला स्वयं सहायता समूह की दुकानदार भी शामिल थी. धरना प्रदर्शन के बाद उपायुक्त के नाम बीडीओ को मांग पत्र सौंपा. दुकानदारों ने कहा कि यदि हम लोगों के कमिशन के पैसे का भुगतान दुर्गा पूजा के पूर्व नहीं होता है तो 1 अक्टूबर से सभी दुकानदार अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे.

जविप्र दुकानदारों को संबोधित करते हुए प्रखंड अध्यक्ष विश्वरूप मंडल ने कहा कि सभी दुकानदारों का बीते कई माह से कमिश्नर का पैसा बकाया है. कमिशन का पैसा नहीं मिलने के कारण दुकानदारों के परिवार के समक्ष भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है. सभी दुकानदारों को एनएफएसए के अंतर्गत निशुल्क राशन वितरण का दिसंबर 2024 से अगस्त 2025 तक का कमीशन का भुगतान नहीं किया गया है. और तो और ग्रीन कार्ड के अंतर्गत निशुल्क राशन वितरण के कमीशन का भुगतान दिसंबर 2023 से अब तक नहीं किया गया है. राज्य सरकार द्वारा निशुल्क चना दाल एवं नमक के वितरण का कमीशन अप्रैल 2024 से अब तक बकाया है. ऐसी स्थिति में भी सभी दुकानदार दुकान संचालित करते हुए सबों को खाद्यान्न उपलब्ध करवा रहे हैं. दुकानदारों को जो ईपोश मशीन दी गई है वह 2 जी का है. जिसके कारण दुकानदारों को परेशानी हो रही है. ईपोश मशीन टू जी के स्थान पर 5 जी का दिया जाए. राज्य सरकार को हमारी मजबूरी समझनी चाहिए तथा जल्द से जल्द हम लोगों के बकाया कमिशन के पैसे का भुगतान कर देना चाहिए. झरना प्रदर्शन को प्रखंड सचिव परेश दास, जिला सहसचिव अजय कुमार सिंह जिला उपाध्यक्ष हलीम खान, नीरज सिंह,अजय कुमार गोयल, मोनिका दत्ता इत्यादि ने भी संबोधित किया.

## साइबर गढ़ चरकखुर्द में पुलिस का छापा, दो गिरफ्तार, चार फरार

- गुप्त सूचना पर मनियाडीह पुलिस की कार्रवाई, इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से करते थे ठगी

टुंडी। पश्चिमी टुंडी मनियाडीह थाना क्षेत्र के साइबर गढ़ इलाके के चरकखुर्द गांव के अहरवा तालाब के मेढ़ के पास शुक्रवार को देर शाम छः साइबर अपराधी सम्मिलित रूप से साइबर ठगी कर रहे थे. सूचना मिलने पर वरीय अधिकारियों को सूचित कर मनियाडीह थानेदार शिव कुमार कुमार,पुअनि संजय कुशवाहा,साअनि कन्हैया मंडल,सवनि मरियानुस एक्का के अगुवाई में गठित पुलिस टीम ने उक्त स्थान पर घेराबंदी कर छापेमारी की. जिसमें दो साइबर अपराधियों में से संजय मंडल 24 वर्ष, विष्णु उर्फ झरी मंडल 20 वर्ष को दबोचा गया जबकि चार साइबर अपराधी में से मंटु मंडल,चंदन मंडल,विवेक मंडल और चिंतामणि मंडल मौके से भागने में सफल रहे. पुलिस उनकी सरगर्मी से तलाश कर रही है. पकड़ाये दो साइबर अपराधियों ने बताया कि इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से लोगों को ठगी करते थे. पुलिस की जांच में विष्णु उर्फ झरी मंडल ने फिलहाल 4 सितंबर को राजस्थान के सुधांशु नामक व्यक्ति से 31हजार पांच सौ रुपए की ठगी की थी. इस बात का खुलासा एनसीआर पी पोर्टल के माध्यम से खुलासा हुआ है. वहीं संजय मंडल जो की शातिर अपराधी बताया जाता है, उसके मोबाइल से भी ठगी की बात उजागर हुई है. यह पहले भी साइबर ठगी के आरोप में जेल जा चुका है. पुलिस ने दो मोबाइल बरामद किया गया है. शनिवार को डीएसपी डीएन बंका, इंस्पेक्टर साजिद हुसैन, थानेदार शिव कुमार की मौजूदगी में प्रेस वार्ता के माध्यम से भी यह जानकारी दी.

### महिला ने बीसीसीएल अधिकारियों पर लगाया आरोप

## घर का पिछला हिस्सा था टूटा फूटा लाखों रुपये के सामान थे गायब

झरिया। लोदना ओपी अंतर्गत 8 नम्बर में रहने वाली 70 वर्षीय चन्द्रकला देवी ने बीसीसीएल अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए लोदना ओपी में लिखित शिकायत दर्ज कराई है.लिखित शिकायत में चन्द्रकला देवी ने बताया कि शनिवार दोपहर जब वे घर लौटीं तो देखा कि घर का पिछला हिस्सा टूटा हुआ है और अंदर का सारा सामान बिखरा पड़ा है. अलमारी का ताला टूटा मिला और उसमें रखे सोने-चांदी के गहने, नगदी और कीमती घरेलू सामान गायब थे.उन्होंने आरोप लगाया कि घटना के समय बीसीसीएल के कुछ अधिकारी घर के पास मौजूद थे. जब उनसे पूछताछ की गई तो उन्होंने मैनेजर से बात करने को कहा और मौके से गाड़ी लेकर चले गए. पीड़िता का कहना है कि इलाके के कई घरों को नहीं तोड़ा गया, लेकिन उनके घर को निशाना बनाकर तोड़ा गया और कीमती सामान उठा लिया गया. शिकायत में दर्ज सामानों में एक सोने का हार, झुमका, तीन सोने की चेन, दो अंगूठी, तीन मांगटीका, छह जीतिया, सात मंगलसूत्र, 25 ग्राम सोना, करीब 25 हजार रुपये नकद, एक एलसीडी टीवी, एसी, पलंग, अलमारी और अन्य घरेलू सामान शामिल हैं. पीड़िता ने कहा कि मैनेजर शांतनु सील के साथ 2-3 लोग साथ में खड़े थे. जिसे देख पहचान सकती हैं, जो घटना के वक्त मौके पर मौजूद थे. उन्होंने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर जेवर और नकदी बरामद कराने की मांग की है.

### सदर अस्पताल में आज

**गायनी इमर्जेंसी**

| | |
|---|---|
| सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक - | डॉ. विश्व भारती |
| दोपहर 2 से रात 8 बजे तक - | डॉ. संध्या तिवारी |
| रात 8 से सुबह 8 बजे तक - | डॉ. सुमन |

**जेनरल इमर्जेंसी**

| | |
|---|---|
| सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक - | डॉ. निलम बाला |
| दोपहर 3 बजे से रात 9 बजे तक - | डॉ. पीपी पांडेय |
| रात 9 बजे से सुबह 9 बजे तक - | डॉ. मासूम आलम |

## ब्रीफ खबरें

### धनबाद रेल मंडल में मेगा टिकट चेकिंग अभियान

धनबाद। धनबाद मंडल में बड़े पैमाना पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है.। इसी क्रम में शनिवार को धनबाद मंडल में मेगा टिकट चेकिंग अभियान के साथ-साथ कोडरमा-पहाड़पुर रेलखंड में सघन टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया. परिणामस्वरूप 623 यात्रियों को पकड़ा गया, जिसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रीगण शामिल थे. इस दौरान उनसे 03,24,885 रूपए जुर्माने के रूप में राशि प्राप्त की गई तथा पकड़े गए यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गई. टिकट जांच अभियान के दौरान स्टेशनों के अनारक्षित टिकट काउंटर पर यात्रियों की काफी भीड़ देखी गई.

### रेलवे भूमि पर की गई पंचायत योजना की जांच

गोमो। गोमो में रेलवे की जमीन पर बिना एनओसी लिए किए गए ग्राम पंचायत की योजनाओं पर रेलवे के वरीय पदाधिकारियों ने जांच कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं. इस मामले पर दो दिन पूर्व धनबाद रेल मंडल अधिकारी गोमो पहुंचे थे. रेलवे की जमीन पर लगे चापाकलों को आधार बना कर खडे.किए जल मीनारों का सर्वे किया गया,फोटो ग्राफी की गई. संभावना जताया जा रहा कि रेलवे द्वारा सम्बन्धित लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

### 15 व 30 तारीख को सदर अस्पताल में रहेंगी क्लिनिकल हीमैटोलॉजिस्ट

धनबाद। सदर अस्पताल के आउटडोर विभाग में हर महीने की 15 व 30 तारीख को क्लिनिकल हीमैटोलॉजिस्ट नियमित रूप से उपलब्ध रहेगी. इसकी जानकारी देते हुए सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार ने बताया कि उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देश पर क्लिनिकल हीमैटोलॉजिस्ट डॉ प्रियांका हर महीने की 15 एवं 30 तारीख को नियमित रूप से सदर अस्पताल के आउटडोर विभाग में उपलब्ध रहेंगी. क्लिनिकल हेमेटोलॉजिस्ट के उपलब्ध रहने से रक्त संबंधी रोगों के मरीज एवं ऑन्कोलॉजी से संबंधित मरीजों को विशेषज्ञ सेवाओं का लाभ मिल सकेगा.

### सिंह नगर गोदाम में चोरी

झरिया। झरिया थाना क्षेत्र के सिंह नगर में एक गोदाम मे सेंधमारी कर चोरों ने एक लाख रुपए की गाड़ी पार्ट्स चोरी कर ली. गोदाम मालिक अरुण कुमार सिंह ने शनिवार के बताया कि चोरों ने बैटरी, सेल्फ पत्ती और अन्य कई सामानों की चोरी की है, जिनकी कीमत लगभग एक लाख रुपए है. गोदाम के मालिक अरुण कुमार सिंह ने आरोप लगाया कि स्थानीय गुलगुलिया पट्टी के कुछ युवकों ने इस चोरी को अंजाम दिया है. उन्होंने बताया कि जब वे सुबह गोदाम खोलने पहुंचे, तो देखा कि सारा सामान बिखरा पड़ा था और बैटरी और सेल्फ पत्ती गायब थे.

# कुमारधुबी ओवरब्रिज पर साइड वॉल से टकराई कार

### महिलाएं और बच्चे बाल-बाल बचे

शुभम संदेश। कुमारधुबी

शनिवार की दोपहर करीब तीन बजे कुमारधुबी रेलवे ओवरब्रिज पर एक तेज़ रफ्तार कार असंतुलित होकर ब्रिज की साइड वॉल से जा टकराई. हादसे में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया. गनीमत रही कि कार में सवार दो महिलाओं और दो बच्चों को केवल मामूली चोटें आईं और बड़ा हादसा टल गया. हादसे की जानकारी मिलते ही कुमारधुबी पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जानकारी ली. कार चालक एवं मालिक सिकंदर अंसारी ने बताया कि वह अपनी पत्नी, मां और दो बच्चों के साथ बांदा बस्ती से कोला कुसमा (धनबाद) स्थित अपने ससुराल जा रहे थे. ओवरब्रिज पर चढ़ते समय बच्चों को नींद आने लगी, और जब वह उन्हें सहारा देने के लिए पीछे देखने लगे, तभी कार असंतुलित होकर साइड वॉल से जा टकराई.

टक्कर इतनी तेज थी कि कार का एयरबैग खुल गया, जिससे सवार लोगों की जान बच गई. हादसे के तुरंत बाद चालक ने सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया.

### एक महीने में दूसरी दुर्घटना, ओवरब्रिज की डिजाइन में है खामी?

हादसे के बाद एक बार फिर कुमारधुबी ओवरब्रिज की तकनीकी गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं. राहगीरों का कहना है कि यह महज इत्तेफाक नहीं हो सकता कि एक ही स्थान पर एक महीने के भीतर दूसरी बार वाहन असंतुलित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो.

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि ब्रिज के एक टर्निंग पॉइंट पर हल्का सा मोड़ है, जहां ज़रा सी रफ्तार में भी वाहन असंतुलित हो जाते हैं. लोगों का कहना है कि वाहन ब्रिज पर चलते समय "नदी की लहरों" की तरह डगमगाते हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि निर्माण में तकनीकी खामी या अनियमितता हो सकती है.

सूत्रों के अनुसार, इस ओवरब्रिज का निर्माण तीन अलग-अलग कंपनियों द्वारा मिलकर किया गया था, जिससे निर्माण में समन्वय की कमी और गुणवत्ता में गिरावट की आशंका जताई जा रही है.

### जांच की उठी मांग

स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन और आसनसोल रेल मंडल से मांग की है कि ओवरब्रिज की तकनीकी जांच कराई जाए, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके. साथ ही उन्होंने कहा कि अगर ब्रिज में कोई संरचनात्मक त्रुटि पाई जाती है, तो दोषी निर्माण एजेंसियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए.

# नाबालिग बच्ची के साथ कथित घटना पर सीडब्ल्यूसी की बैठक

शुभम संदेश। झरिया

### पीड़िता को सहायता प्रदान

धनबाद। धनसार थाना क्षेत्र में चार साल की बच्ची के साथ कथित यौन शोषण के मामले में प्रधान जिला न्यायाधीश वीरेंद्र तिवारी के निर्देश पर शनिवार को बाल कल्याण समिति कार्यालय में एक आपात बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव मयंक तुषार टोपनो ने की. इसमें धनसार थाना, महिला थाना, जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड हेल्पलाइन और पीएलवी प्रतिनिधियों ने भाग लिया. महिला पदाधिकारियों ने पीड़िता से बातचीत की और उसकी चिकित्सकीय जांच करवाई गई. पुलिस ने पहले ही शुक्रवार को मामला दर्ज कर लिया था. मामले में शामिल आरोपितों की उम्र भी 12 वर्ष से कम है. सभी को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें काउंसलिंग के लिए सीडब्लूसी भेजा गया.

डालसा सचिव और सीडब्लूसी अध्यक्ष उत्तम मुखर्जी ने बताया कि पीड़िता को एक "सपोर्ट पर्सन" उपलब्ध कराया गया है तथा उसे स्पॉन्सरशिप योजना के तहत सहयोग दिया जाएगा. सीडब्लूसी ने समय रहते पुलिस और जेजेबी को मामले की जानकारी दी, जिससे कानूनी प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ी. घटना की गंभीरता को देखते हुए बालिका को समुचित सहायता एवं पुनर्वास सुनिश्चित किया जा रहा है.

## स्वास्थ्य केंद्र से चोरी में जांच शुरू

झरिया। गुरुवार की रात चोरों ने झरिया सिंदरी रोड स्थित पुराना अंचल कार्यालय के पास मिनी आईटीआई भवन में संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से लगभग 30 लाख से अधिक के स्वास्थ्य उपकरण की चोरी कर ली थी. सीएचसी प्रभारी डॉक्टर मिहिर कुमार के आवेदन पर झरिया थाना में कांड संख्या 250/25 दर्ज किया गया है. स्वास्थ्य केंद्र से से माइक्रोस्कोप मशीन, ब्लड टेस्टिंग मशीन सहित जांच के लिए जितनी भी मशीन और चिकित्सा के उपकरण थे. सभी सामान चोर चुरा कर ले गए थे. सीएचसी प्रभारी डॉ. मिहिर कुमार के लिखित शिकायत के अनुसार माइक्रोस्कोप, ब्लड टेस्टिंग मशीन सहित सभी उपकरणों की चोरी हुई है. जांच के लिए कोई मशीन नहीं बची है. शिकायत के बाद पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है. पुलिस ने मामले में इलाके के संदिग्धों से पूछताछ की है.

### नेशनल लोक अदालत : तीन लाख 69 हजार 322 विवादों का निपटारा

# 2 अरब 14 करोड़ 99 लाख 31 हजार 42 रुपए की रिकवरी

शुभम संदेश। धनबाद

### तीन लाख 69 हजार 322 विवादों का निपटारा

अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि विवादों एवं मुकदमो के निपटारे के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के आदेश पर 13 बेंच का गठन किया गया था. जिनके द्वारा विभिन्न तरह के तीन लाख 69 हजार 322 विवादों का निपटारा कर 2 अरब 14 करोड 99 लाख 31 हजार 42 रूपए की रिकवरी की गई. जिसमें 38 हजार 563 ऐसे मुकदमे थे जो विभिन्न अदालतों में लंबित थे. वहीं 3 लाख 30 हजार 759 प्री लिटिगेशन के रिकॉर्ड मामले निष्पादित हुए .उन्होंने सभी वादकारी, न्यायिक पदाधिकारियों विभाग के अधिकारियों एवं बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं का सहयोग के लिए आभार प्रकट किया. न्यायिक पदाधिकारियों में प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय सुभाष, लेबर जज रमाकांत मिश्रा, जिला एवं सत्र न्यायाधीश दुर्गेश चंद्र अवस्थी, पारस कुमार सिन्हा, विजय कुमार श्रीवास्तव, कुमार साकेत,मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, आरती माला ,अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पी एस घोष, सिविल जज एंजेलिना जॉन, राजीव कुमार सिंह ,अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी अभिजीत पांडे, रेलवे मजिस्ट्रेट मनोज कुमार, प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी ऋषि कुमार, रजिस्ट्रार आइ ज़ेड खान, डीडीसी सादात अनवर, एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक मीनाक्षी, एलडीएम अमित कुमार ,स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष पीयूष कुमार, सर्टिफिकेट ऑफिसर रवींद्रनाथ ठाकुर, जिला उपभोक्ता फोरम की सदस्य शिप्रा डालसा के पैनल अधिवक्ता, लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के टीम, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे.

नालसा के निर्देश पर वर्ष 2025 के तीसरे नेशनल लोक अदालत का उद्घाटन शनिवार को झारखंड के मुख्य न्यायाधीश त्रलोक सिंह चौहान ने ऑनलाइन रांची से किया. धनबाद के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा के चेयरमैन वीरेंद्र कुमार तिवारी ने इस मौके पर धनबाद में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि नेशनल लोक अदालत अब परिचय का मोहताज नहीं रह गया है. लोगों के स्वाद व आदत में शामिल हो चुका है. नेशनल लोक अदालत संविधान के परिकल्पना को पूरी करने के दिशा में एक सार्थक कदम है.,नवम्बर 2013 से पूरे देश में नेशनल लोक अदालत का आयोजन हर तीन माह मे किया जा रहा है.हमारा संविधान हर लोगों को सामाजिक , आर्थिक एवं सस्ता सुलभ न्याय की गारंटी देता है. उन्होंने कहा कि बिना प्रशासनिक सहयोग के हम समाज तक न्याय नहीं पहुंचा सकते. लोक अदालत में महीनों कोर्ट का चक्कर लगाने और पैसे की बर्बादी से बचा जा सकता है. इससे लोगों को मानसिक शांति भी मिलती है. साथ ही प्रेम और सौहार्द आपस में फिर से बन जाता है. लोगों में प्रेम ,शांति ,समृद्धि और समरसता बनी रहे, यही इस लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य है. डीडीसी धनबाद सादात अनवर ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत आम आदमी के हित के लिये लगाये जाते हैं. जिला प्रशासन हर वक्त समाज के लोगों की सेवा में डालसा के साथ कंधे से कंधे मिलाकर काम कर रहा है. धनबाद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राधेश्याम गोस्वामी ने कहा कि डालसा आम लोगों के हित में लगातार काम कर रहा है. एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से व्यापक पैमाने पर मुकदमों का निष्पादन किया जा रहा है. जिसमें समय की बचत के साथ-साथ वादकारियों को विभिन्न कानूनी पचड़ों से मुक्ति मिल रही है.

### पेज एक का शेष

#### मनरेगा में मृतक के नाम पर....

लेकिन शिकारीपाड़ा प्रखंड में एक ही परिवार के विभिन्न सदस्यों के नाम पर कई योजनाओं की स्वीकृति दी जा रही है और कार्य किए बिना ही राशि की निकासी की जा रही है. शिवताला पंचायत के शिवताला गांव में मनरेगा योजना के तहत हकीमुद्दीन मियां के नाम से बिरसा कूप निर्माण की स्वीकृति मिली थी, जिसमें मजदूरी मद से 1,04,040 रुपया की निकासी की गई, जबकि कूप केवल एक छोटा तालाब बन पाया. इसके अलावा उनके पुत्र अरमान अंसारी के नाम पर वित्तीय वर्ष 2024-25 में सिंचाई कार्य के लिए 87,984 रुपया की मजदूरी निकासी हुई, जबकि खुदाई का काम अभी तक पूरा नहीं हुआ है. हकीमुद्दीन मियां की 8 सितंबर 2024 को मृत्यु हो गई थी, फिर भी मई से जुलाई 2025 तक उनके नाम पर मजदूरी का भुगतान किया गया. अंतिम भुगतान 11 अगस्त 2025 को उनके एयरटेल अकाउंट में किया गया. जबकि सरकारी निर्देशों के अनुसार वर्षा के कारण मिट्टी का कार्य 15 जून से 10 अक्टूबर तक बंद रहता है. इसके बावजूद मृतक के नाम पर 16 जुलाई से 29 जुलाई 2025 तक 12 दिनों की मजदूरी 3,384 रुपया का भुगतान किया गया, जो कई तरह के सवाल खड़े करता है. इस संबंध में मनरेगा के प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी संदीप कुमार और कुमार प्रणव का कहना है कि वर्षा के कारण केवल तालाब और डोभा में मिट्टी का कार्य रोका गया था, ईसीबी में नहीं. मृतक के नाम पर मजदूरी भुगतान के सवाल पर दोनों अधिकारी चुप्पी साध लेते हैं. विशेषज्ञों और स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि मामले की गंभीरता से जांच की जाए तो यह मनरेगा योजना में बड़ा घोटाला उजागर कर सकता है.

#### भामसं का कार्य संगठित-असंगठित क्षेत्र....

उन्होंने कहा कि उन्होंने संगठन की मजबूती पर बल देते हुये कहा कि हमें संगठन के साथ-साथ कार्यकर्ताओं को भी मजबूत करने पर जोर देना होगा. इसलिए भाम संघ राष्ट्र हित, उद्योग हित एवं मजदूर हित का बात करता है. संघ का मानना है कि राष्ट्र रहेगा तभी उद्योग रहेगा, उद्योग रहेगा तभी मजदूर और मजदूर जब खुशहाल रहेंगे. तभी उद्योग फलेगा-फुलेगा और उद्योग फले-फुलेगा तभी राष्ट्र वैभव के शिखर पर पहुंचेगा. भारतीय मजदूर संघ ने अपने स्थापना काल से ही शोषित, पीड़ित, दलित जनों को खुशहाल रखने का संकल्प लिया है, जिसका पालन आज भी कर रहे हैं.

बैठक में अखिल भारतीय मजदूर संघ मंत्री सह क्षेत्रीय संगठन मंत्री धर्मदास शुक्ला, अखिल भारतीय खदान मज़दूर संघ के मंत्री के के सिंह, भामसंघ झा. प्रदेश से प्रांत प्रचार गोपाल शर्मा व्रजेश कुमार, चंदन कुमार प्रसाद, सुनील कुमार, कृष्ण राय, अंगद उपाध्याय, प्रभात रंजन, रामशंकर प्रसाद, संतोष कुमार साहू, रंजना सरण, कुमुदनी कुल्लू सहित माधव सिंह कार्यसमिति के सदस्य सह प्रभारी ईसीएल,बीसीसीएल और सीएमपीएफ, ओम कुमार सिंह, धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ की ओर से अध्यक्ष मुरारी तांतीं, महामंत्री उमेश कुमार सिंह, शुशील कुमार सिंह, अनिल कुमार आदि धनबाद जिला में कार्यरत यूनियनों के महामंत्री उपस्थित हुए.

#### 82,722 नए लोगों का नाम...

यदि समय पर केवाईसी नहीं कराया गया, तो राशन कार्ड निष्क्रिय हो जाएगा और लाभार्थी राशन का उठाव नहीं कर पाएंगे. ई-केवाईसी प्रक्रिया सरल है और इसे नजदीकी राशन दुकान या ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से पूरा किया जा सकता है. यह अभियान राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत चलाया जा रहा है, जिसमें आधार कार्ड, मोबाइल नंबर और अन्य दस्तावेजों का सत्यापन अनिवार्य है. जिले में कुल राशन कार्डधारकों की संख्या में यह बदलाव पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है.

### पेज तीन का शेष

#### पहले पहलगाम हमला याद....

लेकिन 1-2 क्रिकेटरों को छोड़कर, किसी ने यह नहीं कहा कि हमें पाक से मैच नहीं खेलना चाहिए. बीसीसीआई उन्हें बंदूक की नोंक पर खेलने को मजबूर नहीं कर सकता. उन्हें देश के लिए खड़ा होना चाहिए. लेकिन वे ऐसा नहीं कर रहे हैं. मैं मैच के प्रायोजकों से पूछना चाहती हूं कि क्या उन 26 परिवारों के प्रति उनका कोई फर्ज नहीं बनता है.

मैच की कमाई का क्या करेगा पाकः

ऐशान्या ने कहा, मैच की कमाई का पाक में क्या इस्तेमाल होगा? इसका इस्तेमाल वह सिर्फ़ आतंकवाद के लिए करेगा. वह आतंकी देश है. मैं लोगों से इस मैच का बहिष्कार करने की अपील करती हूं. आप इसे देखने न जाएं और इसके लिए अपना टीवी न चलाएं.

मंथन

## कोलकर्मियों के सम्मान और सुधारों के ठोस कदम

कोल इंडिया के कर्मियों और अफसरों के लिए यूनिफॉर्म की घोषणा केवल बदलाव नहीं, बल्कि यह उन श्रमिकों को सम्मानित करने का प्रयास है, जो दशकों से खदानों में काम करके देश की ऊर्जा जरूरतें पूरी करते हैं. केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी द्वारा एक्सग्रेशिया राशि बढ़ाना और कर्मियों को अतिरिक्त बीमा सुविधा देना निश्चित रूप से श्रमिकों के जीवन सुरक्षा और परिवार की स्थिरता की दिशा में बड़ा निर्णय है. ठेका कर्मियों को भी इस दायरे में शामिल करना सरकार की समावेशी सोच को दर्शाता है. देश में एक अरब टन कोल उत्पादन का लक्ष्य ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि है. झारखंड जैसे खनिज-समृद्ध राज्य की इसमें भूमिका अहम है. आयात में 60 हजार करोड़ रुपये की कमी यह साबित करती है कि कोल क्षेत्र के सुधार न केवल उत्पादन बढ़ा रहे, बल्कि विदेशी मुद्रा बचत और आर्थिक मजबूती में भी योगदान दे रहे हैं. महत्वपूर्ण खनिज मिशन और 32 हजार करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा युवाओं के लिए रोजगार सृजन का संकेत है. यदि ये निवेश पारदर्शिता और दक्षता के साथ लागू हुआ, तो यह क्षेत्र आर्थिक प्रगति का बड़ा वाहक बनेगा. झारखंड सरकार के बकाए पर कमेटी का कामकाज सहयोगात्मक संघीय ढांचे का उदाहरण है. यह जरूरी है कि कोल उत्पादन और राज्य के अधिकारों में संतुलन बनाते हुए समाधान निकले. कुल मिलाकर, यूनिफॉर्म से लेकर बीमा और उत्पादन लक्ष्यों तक ये कदम कोयला कर्मियों के सम्मान, श्रम की गरिमा और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकते हैं. यही मांग वर्षों से सीएम हेमंत सोरेन करते रहे हैं.

नजरिया

## नेपाल में अंतरिम सरकार से नई शुरुआत की उम्मीद

नेपाल ने एक ऐतिहासिक मोड़ पर कदम रखा है. सुशीला कार्की का अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेना न केवल देश की राजनीति के लिए नया अध्याय है, बल्कि लैंगिक समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण संकेत है. संसद भंग करने और अंतरिम सरकार के गठन का निर्णय अचानक नहीं, बल्कि जनआक्रोश व जेनरेशन-ज़ेड प्रदर्शनकारियों की मांगों का परिणाम है. संसद का विघटन और कार्की की नियुक्ति असंतोष के प्रति सत्ता प्रतिष्ठान की प्रतिक्रिया है. हालांकि ये राहत का रास्ता तो खोलता है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं. नई अंतरिम सरकार ने अगले साल 4 मार्च को चुनाव कराने का प्रस्ताव दिया है. यह तारीख नेपाल की लोकतांत्रिक यात्रा में निर्णायक साबित हो सकती है. लोकतांत्रिक सुधार की दिशा में उठाए गए कदमों को आपातकाल जैसी असाधारण व्यवस्था से कमजोर करना उचित नहीं होगा. सुशीला कार्की का भारत से जुड़ाव, खासकर बनारस हिंदू विवि में उनकी शिक्षा, नेपाल-भारत संबंधों को और मजबूत कर सकता है. भारत के लिए भी यह अवसर है कि वह अपने पड़ोसी की राजनीतिक स्थिरता में रचनात्मक सहयोग दे. निस्संदेह, सुशीला कार्की की नियुक्ति उम्मीद जगाती है. परंतु यह तभी सफल होगी जब अंतरिम सरकार पारदर्शी तरीके से काम करे, चुनाव समय पर और निष्पक्ष हों, और लोकतंत्र की जड़ों को और गहरा किया जाए. यही नेपाल के उज्ज्वल भविष्य की असली गारंटी होगी.

# वैश्विक क्षितिज पर राजभाषा हिंदी का परचम

अरविंद जयतिलक

**हिंदी राजभाषा दिवस पर विशेष आलेख से समझें कहां-कहां तक पहुंची हमारी भाषा**

किसी भी राष्ट्र की जीवंतता और पहचान उसकी भाषा और संस्कृति है. इसके बिना राष्ट्र रूपी शरीर का अस्तित्व, चिंतन और दर्शन सभी कुछ बेमानी है. राष्ट्र के नागरिक निज भाषा से संस्कारित होकर ही अपने मूल्यों, विचारों, आदर्शों और प्रतिमानों को जीते हैं. राष्ट्र के विचारों को गढ़ने-बुनने, संजोने-संवारने और उसे प्राणवान बनाने में भाषा की अहम भूमिका होती है. हिन्दी भाषा उन्हीं भाषाओं में से एक है जो भारत की सभ्यता-संस्कृति, आचार-विचार, विज्ञान-दर्शन और इतिहास को आलोकित-प्रकाशित करती है. बदलते वैश्विक परिदृश्य में जहां एक ओर भाषाएं दम तोड़ रही हैं वहीं हिन्दी भाषा अपनी स्वीकार्यता और प्रासंगिकता का लोहा मनवा रही है. आज समूचे विश्व में हिन्दी भाषा की गूंज है. विश्व के अधिकांश देशों में हिन्दी भाषा का सम्मान बढ़ रहा है. नतीजा, आज हिन्दी भाषा न सिर्फ भारत राष्ट्र की भाषा भर है बल्कि समूचे विश्व के लोगों के सांस्कृतिक जुड़ाव, विचारों के आदान-प्रदान और विकास का जरिया बन रही है.

आंकडों के लिहाज से देखें तो दुनिया भर में तकरीबन 61.5 करोड़ लोग हिन्दी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं. इथोनोलॉज के आंकड़ों के मुताबिक अंग्रेजी भाषा का इस्तेमाल करने वाले लोगों की संख्या 113 करोड़ और चीनी भाषा मंडारिन की संख्या 112 करोड़ है. लेकिन जिस गति से हिन्दी भाषा की स्वीकार्यता व लोकप्रियता आसमान छू रही है उससे साफ है कि आने वाले दिनों में हिन्दी भाषा अंग्रेजी और मंडारिन भाषा को पछाड़कर शीर्ष स्थान पर विराजमान हो जाएगी. वैश्विक स्तर पर यूजर्स के लिहाज से 1952 में हिन्दी भाषा पांचवे पायदान पर थी जो 1980 के दशक में चीनी और अंग्रेजी भाषा के बाद तीसरे स्थान पर पहुंच गयी. लेकिन विगत दशकों में विकासशील भारत के प्रति बढ़ते वैश्विक आर्थिक-व्यापारिक आकर्षण ने सभी के लिए हिन्दी भाषा को बोलने-समझने की अनिवार्यता सुनिश्चित कर दी.

गौर करें तो एक भाषा के तौर पर हिन्दी का जितना अधिक अंतर्राष्ट्रीय विकास हुआ है, विश्व में शायद ही किसी अन्य भाषा का उतना हुआ हो. वे सभी संस्थाएं, सरकारी मशीनरी और छोटे-बड़े समूह बधाई के पात्र हैं जिन्होंने हिन्दी को इस ऊंचाई पर पहुंचाया है. 1999 में मशीन ट्रांसलेशन शिखर बैठक में टोकियो विश्वविद्यालय के प्रोफेसर होजुमि तनाका द्वारा पेश नए भाषायी आंकड़ों के मुताबिक अब चीनी भाषा के बाद हिन्दी का स्थान है. यानी अंग्रेजी भाषा पीछे छूट गयी है. गौर करें तो आज दुनिया के तकरीबन 40 से अधिक देशों के 600 से अधिक विश्वविद्यालयों और स्कूलों में हिन्दी की पढ़ाई हो रही है. अमेरिका के अलावा यूरोपिय देशों में भी हिन्दी का तेजी से विकास हो रहा है. इंग्लैण्ड के लंदन, कैम्ब्रिज और यार्क विश्वविद्यालयों में हिन्दी को चाहने वालों की तादाद लगातार बढ़ रही है.

जर्मनी के हीडलबर्ग, लोअर सेक्सोनी के लाइपजिंग, बर्लिन के हम्बोलडिट और बॉन विश्वविद्यालय में भी हिन्दी भाषा को पाठ्यक्रम के रुप में शामिल किया गया है. एक दशक से रुस के कई विश्वविद्यालयों में हिन्दी साहित्य पर शोध हो रहे हैं. यहां हिंदी का बोलबाला बढ़ा है. हिन्दी का जलवा सिर्फ जर्मनी ही नहीं बल्कि रुस में भी कायम है. मॉस्को राजकीय विश्वविद्यालय और कुछ अन्य विश्वविद्यालयों में एक अलग पूर्वी भाषाओं के विभाग को बनाया गया है जहां पर हिन्दी की शिक्षा पर जोर दिया जा रहा है. हिन्दी की बढ़ती लोकप्रियता का ही आलम है कि वेस्टइंडीज के कई विश्वविद्यालयों में हिन्दी पीठ की स्थापना की गयी है.

एशियाई देश जापान में हिन्दी भाषा का बहुत अधिक सम्मान है. प्रोफेसर दोई ने टोकियो विश्वविद्यालय में हिन्दी विभाग की स्थापना की है. प्रोफेसर कोगा ने 'जापानी-हिन्दी कोष' की रचना की है. उन्होंने गांधी जी की आत्मकथा का भी जापानी में अनुवाद किया है. गुयाना और मॉरिशस में भी हिन्दी भाषा को लेकर जबरदस्त उत्साह है. मॉरीशस, फिजी, नेपाल, भूटान, मालदीव और श्रीलंका में भी हिन्दी का जलवा कायम है. नेपाल में भी हिन्दी बोलने व समझने वाले लोगों की तादाद अच्छी है. इसी तरह खाड़ी देशों में भी हिन्दी का तेजी से प्रचार-प्रसार हर रहा है. संयुक्त अरब अमीरात में हिन्दी एफएम चैनल लोगों का मनोरंजन कर रहे हैं. नए-पुराने हिन्दी गीतों को चाव से सुना जा रहा है. हिन्दी फिल्मों ने भी यहां धूम मचा रखी है. पिछले कुछ वर्षों से दुबई में लगातार हिन्दी कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है जो अपने-आप में एक बड़ी उपलब्धि है. हिन्दी भाषा की यह असाधारण उपलब्धि कही जाएगी कि जिन देशों में भाषा को विचारों की पोषाक और राष्ट्र का जीवन समझा जाता है वहां भी हिन्दी तेजी से अपना पांव पसार रही है. हंगरी, बुल्गारिया, रोमानिया स्विटजरलैंड, स्वीडन, फ्रांस, नार्वे, जापान, इटली, मिस्र, कजाकिस्तान, तुर्केमेनिस्तान, कतर और अफगानिस्तान, रुस और जर्मनी अपनी भाषा को लेकर बेहद संवेदनशील हैं. वे इसे अपनी सांस्कृतिक अस्मिता से जोड़कर देखते हैं. लेकिन इन दशों में हिन्दी को भरपूर स्नेह और सम्मान मिल रहा है.

आज दुनिया का कोई ऐसा कोना नहीं जहां भारतीयों की उपस्थिति न हो और वहां हिन्दी का तेजी विस्तार न हो रहा हो. एक आंकड़े के मुताबिक दुनिया भर में ढ़ाई करोड़ से अधिक अप्रवासी भारतीय 160 से अधिक देशों में रहते हैं. यह सुखद है कि वह अपनी भाषा व संस्कृति से जुड़े हैं और हिन्दी के फैलाव में योगदान कर रहे हैं. गौर करें तो बहुराष्ट्रीय देशों की कंपनियां भी अपने-अपने देशों में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए सरकारों पर दबाव बना रही हैं. दरअसल उनका मकसद हिन्दी के जरिए एशियाई देशों में अपनी व्यपारिक गतिविधियों को बढ़ाना है. यह स्वीकारने में हिचक नहीं कि बाजार ने भी हिन्दी की स्वीकार्यता को नई उंचाई दी है. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी की चमक प्रमाणित करती है कि संसार में उसकी प्रतिष्ठा और उपादेयता बढ़ी है. वह तेजी से वैश्विक भाषा बन रही है.

**यह स्वीकारने में हिचक नहीं कि बाजार ने हिंदी की स्वीकार्यता को नई ऊंचाई दी है. दुनिया भर में हिंदी की चमक प्रमाणित करती है कि उसकी प्रतिष्ठा और उपादेयता बढ़ी है. हिंदी आज के समय में तेजी से वैश्विक भाषा बन रही है.**

## आज का इतिहास

**1833 :** विलियम वेंटिक, पहले गवर्नर जनरल के तौर पर भारत आए.
**1901 :** अमेरिकी राष्ट्रपति विलियम मैकेंजी की गोली मारकर हत्या.
**1949:** संविधान सभा ने हिंदी को भारत की राजभाषा घोषित किया
**1998 :** माइक्रोसॉफ्ट, जनरल इलेक्ट्रिक को पीछे छोड़ सबसे बड़ी कंपनी बनी थी.
**2000 :** प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने अमेरिकी सीनेट के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को सम्बोधित किया.
**2007 :** जापान ने तानेगाशिया प्रक्षेपण केन्द्र से पहला उपग्रह एच-2ए प्रक्षेपित किया.
**2009:** भारत ने श्रीलंका को 46 रन से हराकर त्रिकोणीय का कॉम्पैक कप जीता.
**2009 :** लिएंडर पेस व चेक गणराज्य के लुकास लोही ने महेश भूपति और मार्क नोल्स की जोड़ी को हराकर यूएस ओपन के पुरुष युगल का ख़िताब जीता था.

## एक चुटकी ईमानदारी से एक चुटकी बेईमानी खत्म करें

**चिंतन**

रामू काका अपनी ईमानदारी के लिए पूरे गांव में प्रसिद्ध थे. एक बार उन्होंने अपने मित्रों को खाने पर बुलाया.सभी मित्र बड़े उत्साह से मिले. बातों का दौर चलने लगा. जब बात खाने को लेकर शुरू हुई तभी काका को एहसास हुआ कि नमक तो सुबह ही ख़त्म हो गया था. काका नमक लाने के लिए उठे फिर कुछ सोच कर अपने बेटे को बुलाया और हाथ में कुछ पैसे रखते हुए बोले, बेटा, जा बाज़ार से नमक ले आ.जी पिताजी. बेटा बोला और आगे बढ़ा. सुन, काका बोले, ध्यान रखना कि नमक सही दाम पर खरीदना,न अधिक पैसे देना और ना कम. बेटे ने पूछा, पिताजी, अधिक दाम में न लाना तो समझ में आता है, लेकिन अगर कुह मोल भाव करके मैं कम पैसे में नामक लाता हूं, तो इसमें हर्ज़ ही क्या है?

नहीं बेटा, काका बोले, ऐसा करना हमारे गांव को बर्बाद कर सकता है. काका के मित्र ये बात सुन रहे थे, किसी ने बोला, भाई, तेरी ये बात समझ न आई, कम दाम पर नमक लेने से अपना गांव कैसे बर्बाद हो जाएगा? काका बोले, सोचो कोई नमक कम दाम पर क्यों बेचेगा, तभी न जब उसे पैसों की ज़रूरत हो. और जो कोई भी उसकी स्थिति का फायदा उठाता है वो उस मजदूर का अपमान करता है जिसने पसीना बहा कर कड़ी मेहनत से नमक बनाया होगा. लेकिन इससे अपना गांव कैसे बर्बाद हो जाएगा? मित्रों ने हंसते हुए कहा. देखो मित्रों, शुरू में बेईमानी नहीं थी, लेकिन हम लोग इसमें एक-एक चुटकी बेईमानी डालते गए और सोचा कि इतने से क्या होगा, पर खुद ही देख लो हम कहां पहुंच गए. आज हम एक चुटकी ईमानदारी के लिए तरस रहे हैं.

दोस्तों, पाउलो कोल्हे की पुस्तक द डेविल एंड मिस प्रिम के एक अंश से प्रेरित ये कहानी हमें ईमानदार होने की सीख देती है और हमें दूसरों के प्रति संवेदनशील होना सिखाती है. अपनी रूटीन जिंदगी में हम बहुत बार ऐसा व्यवहार करते हैं जो हम भी जानते हैं कि वो गलत है. पर फिर हम ये सोच कर कि इससे क्या होगा. अपने आप को समझा लेते हैं और गलत काम कर बैठते हैं. इस तरह समाज में बेईमानी डाल देते हैं.चलिए,हम ईमानदारी की बड़ी मिसाल पेश करने से पहले रोजमर्रा की ज़िंदगी में ईमानदारी घोलें और एक चुटकी बेईमानी को एक चुटकी ईमानदारी से ख़त्म करें.

## इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #Rail2Mizoram
2. #SaveAshram
3. Spiritual Heritage
4. #உங்கவிஜய்_நா_வரேன்
5. Janta Ki Awaaz
6. Protect The Roots
7. #GodMorningSaturday
8. #earthquake
9. Aizawl
10. रेल लाइन

# बहुरंग

## प्राइम वीडियो के चैट शो में साथ दिखेंगी काजोल-ट्विंकल खन्ना, टीजर रिलीज

ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेज़न प्राइम वीडियो अपने दर्शकों के लिए एक नया और दिलचस्प शो लेकर आ रहा है. लंबे इंतज़ार के बाद आखिरकार टॉक शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' का टीज़र रिलीज़ कर दिया गया है. इस शो की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसकी मेज़बानी दो लोकप्रिय अभिनेत्रियां, काजोल और ट्विंकल खन्ना करेंगी. दोनों अपनी बुद्धिमत्ता, चुटीले अंदाज़ और बेबाक बातों के लिए जानी जाती हैं.

**टीज़र ने बढ़ाया उत्साह:** रिलीज़ हुए टीज़र में काजोल और ट्विंकल की मज़ेदार झलक ने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है. प्राइम वीडियो ने टीज़र शेयर करते हुए लिखा, ₹जब बुद्धि और नटखटपन मिलते हैं, तो नतीजा होता है, टू मच.₹ इसी टैगलाइन ने शो के अंदाज़ और मस्ती का पूरा संकेत दे दिया है. 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' का प्रीमियर 25 सितंबर 2025 को अमेज़न प्राइम वीडियो पर होगा. शो में फ़िल्म इंडस्ट्री की कई जानी-मानी हस्तियाँ मेहमान बनकर आएँगी और काजोल-ट्विंकल के साथ हंसी-मज़ाक से भरी खुली बातचीत करेंगी.

**पहले एपिसोड में दिखेंगे स्टार्स:** शो की शुरुआत ही धमाकेदार होने वाली है. रिपोर्ट्स के मुताबिक पहले एपिसोड में बॉलीवुड के दो बड़े स्टार, सलमान खान और आमिर खान नज़र आ सकते हैं. दोनों के साथ काजोल और ट्विंकल की बेबाक बातचीत, दर्शकों के लिए एंटरटेनमेंट से भरपूर अनुभव होगा.

## 4500 एपिसोड का सफर पूरा कर 'तारक मेहता' ने बनाया नया रिकॉर्ड

टीवी मनोरंजन की दुनिया में अगर लोकप्रिय धारावाहिकों का जिक्र किया जाए तो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' का नाम सबसे आगे आता है. शुरुआत से ही इस शो ने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है. बीच-बीच में विवादों के बावजूद इसकी लोकप्रियता कभी कम नहीं हुई, और इसकी टीम ने हमेशा कमाल का काम किया है. अब इस शो ने इतिहास रच दिया है.

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' भारत का सबसे लंबे समय तक चलने वाला सिटकॉम बन गया है. साल 2008 में निर्माता असित मोदी द्वारा शुरू किया गया यह शो लगातार 17 सालों से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है. हाल ही में इसने 4,500 एपिसोड पूरे कर एक नया मील का पत्थर छू लिया है. यह उपलब्धि न सिर्फ भारतीय टेलीविजन में इसकी विरासत को और मजबूत करती है, बल्कि वह पारिवारिक संस्कृति भी आगे बढ़ाती है जिसने सालों से बच्चों, बड़ों और बुजुर्गों, हर पीढ़ी को एक साथ जोड़कर रखा है.

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' ने जब 4,500 एपिसोड पूरे किए तो इस खास मौके को मनाने के लिए शो का पूरा परिवार एक साथ आया. जश्न का मकसद उन सभी को सम्मान देना था, जिन्होंने शुरुआत से अब तक पर्दे के पीछे शो को संभाला है. लेखकों, तकनीशियनों, सेट डिजाइनरों से लेकर प्रोडक्शन स्टाफ तक, हर उस सदस्य की मेहनत को सराहा गया, जिसने लगभग दो दशकों से इस शो की लोकप्रियता

बरकरार रखी. मौके पर निर्माता असित मोदी ने पूरी टीम के साथ केक काटा और खुशियां शेयर कीं.

निर्माता असित मोदी ने कहा, ₹ये सफलता सिर्फ हमारी टीम की नहीं, बल्कि उन सभी लोगों की है जो शुरू से हमारे साथ जुड़े रहे. असली ताकत वही लोग हैं, जिनकी वजह से यह शो आज इतना आगे बढ़ पाया है. हमने उनकी मेहनत और समर्पण का सम्मान करते हुए जश्न मनाया. मैं अपने कलाकारों, टीम और सबसे बढ़कर दर्शकों का दिल से शुक्रगुजार हूं, क्योंकि उन्हीं की बदौलत हम यहां तक पहुंचे हैं.₹ गौरतलब है कि 'तारक मेहता' के सफर में कई कलाकार आए और गए, लेकिन शो की लोकप्रियता साल दर साल और मजबूत होती चली गई.'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' सिर्फ दर्शकों के दिलों में ही नहीं, बल्कि रिकॉर्ड बुक्स में भी अपनी खास जगह बना चुका है. शो का नाम अब तक दो बार गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हो चुका है. साल 2021 में इसे भारत का सबसे लंबे समय तक चलने वाला सिटकॉम होने का गौरव मिला. इसके बाद 2 जुलाई 2022 को जब शो ने 3,500 एपिसोड पूरे किए, तब एक बार फिर गिनीज बुक में इसका नाम शामिल किया गया. यही नहीं, इससे पहले लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी इस शो ने अपना झंडा गाड़ा था.

## रणदीप हुड्डा ने साझा किया अपना अधूरा सपना, कहा-इसे दुनिया से साझा नहीं कर पाया

12 सितंबर 1897 को हुए सारागढ़ी के युद्ध की याद में हर साल 12 सितंबर को सारागढ़ी दिवस मनाया जाता है. इस दिन सिख रेजिमेंट की चौथी बटालियन अपने 21 वीर सपूतों को श्रद्धांजलि देती है, जिन्होंने हवलदार ईशर के नेतृत्व में 6,000 फीट ऊंचाई पर स्थित पोस्ट पर 10,000 से अधिक अफगान और पश्तून हमलावरों का डटकर मुकाबला किया और वीरगति को प्राप्त हुए. इस वीरता की गाथा को बड़े पर्दे पर लाने का सपना अभिनेता रणदीप हुड्डा ने देखा था. उन्होंने फिल्म 'बैटल ऑफ सारागढ़ी' में हवलदार ईशर सिंह की भूमिका निभाई थी. फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो गई थी, लेकिन दुर्भाग्यवश यह फिल्म कभी रिलीज नहीं हो सकी. सारागढ़ी दिवस 2025 के अवसर पर रणदीप ने इंस्टाग्राम पर फिल्म से अपना लुक साझा करते हुए इस अधूरे सपने का दर्द बयां किया. रणदीप हुड्डा ने अपने पोस्ट में लिखा, एक सपना जो मैं दुनिया के साथ साझा नहीं कर पाया. यह कहानी मेरे दिल के बेहद करीब है. उन्होंने आगे कहा कि फिल्म को कुछ कारणों से पूरा नहीं किया जा सका, लेकिन सारागढ़ी के रणबांकुरों की वीरता हमेशा उन्हें प्रेरित करती रही है. रणदीप ने 21 बहादुर सैनिकों और हवलदार ईशर सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि, उनकी बहादुरी 'लास्ट मैन, लास्ट राउंड' की भावना का प्रतीक है.

रणदीप के इस पोस्ट को देखकर सोशल मीडिया पर फैन्स भावुक हो गए. कई यूजर्स ने मांग की कि फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जाए. कुछ ने रणदीप के लुक की तुलना अक्षय कुमार की फिल्म 'केसरी' से की और उसे अधिक प्रभावशाली बताया.

बॉक्स ऑफिस रिव्यू

## बागी 4 की बॉक्स ऑफिस पर रफ्तार थमी, कमाई गिरी

बॉलीवुड स्टार टाइगर श्रॉफ की फिल्म 'बागी 4' को रिलीज हुए पूरा एक हफ्ता हो गया है. 5 सितंबर को सिनेमाघरों में आई यह फिल्म पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ साधारण प्रदर्शन कर पा रही है. शुरुआती दिनों के बाद वीकडेज में इसकी कमाई लगातार नीचे जाती दिख रही है. अब सातवें दिन के कलेक्शन के आंकड़े सामने आ चुके हैं, जिसमें और गिरावट दर्ज हुई है.

सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, 'बागी 4' ने अपनी रिलीज के सातवें दिन 2.15 करोड़ रुपये की कमाई की. इसी के साथ फिल्म का कुल कलेक्शन एक हफ्ते में 44.55 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. ए. हर्ष के निर्देशन में बनी इस एक्शन ड्रामा में टाइगर श्रॉफ के साथ पूर्व मिस यूनिवर्स हरनाज संधू ने डेब्यू किया है. संजय दत्त फिल्म में मुख्य विलेन के रूप में नजर आते हैं, जबकि सोनम बाजवा भी अहम भूमिका निभा रही हैं.

बॉक्स ऑफिस पर 'बागी 4' की टक्कर इस वक्त विवेक अग्निहोत्री की 'द बंगाल फाइल्स' और सिद्धार्थ मल्होत्रा की 'परम सुंदरी' से चल रही है. वहीं, 12 सितंबर को सिनेमाघरों में दिव्या खोसला कुमार और नील नितिन मुकेश की फिल्म 'एक चतुर नार' भी रिलीज हो चुकी है. इसी दिन मनोज बाजपेयी की 'जुगनुमा' और अवनीत कौर की 'लव इन वियतनाम' ने भी पर्दे पर दस्तक दे दी है.

## राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

**मेष :** मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा. कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी. लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे. धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा. अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. पुराने मित्र से मिलन होगा. शुभांक-3-6-9

**वृष :** समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है. अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा. कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा. स्वविवेक से कार्य करें. समय का लाभ लें. शुभांक-4-7-9

**मिथुन :** हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी. अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे. साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा. धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग. जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा. मनोरथ सिद्धि का योग है. शुभांक-4-6-8

**कर्क :** कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी. व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए. कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा. विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है. शुभकार्यों में अड़चनें व परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा. शुभांक-1-5-7

**सिंह :** मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी. कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे. यात्रा शुभ रहेगी. अपने काम को प्राथमिकता से करें. शुभांक-1-3-5

**कन्या :** अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे. कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी. यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा. सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी. आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी. मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा. शुभांक-4-6-8

**तुला :** अपने काम पर नजर रखिए. स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा. लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं. मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा. कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी. लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे. परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. शुभांक-2-4-6

**वृश्चिक :** पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए. कल का परिश्रम आज लाभ देगा. आलस्य का त्याग करें. कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा. यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा. पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. शुभांक-4-6-8

**धनु :** कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी. अपनों का सहयोग प्राप्त होगा. शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है. व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी. नौकरी में पदोन्नति की संभावना है. मान-सम्मान में वृद्धि होगी. मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है. यात्रा से लाभ. शुभांक-3-5-6

**मकर :** आत्मविश्वास बढ़ेगा. पारिवारिक विवाद टालें. व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी. कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा. निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा. संतान-स्त्री पक्ष से लाभ होगा. शुभांक-3-4-6

**कुंभ :** खान-पान में सावधानी रखें. व्यापार में प्रगति होगी. अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है. शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है. स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. आय के योग बनेंगे. यात्रा का योग है. शुभांक-3-5-6

**मीन :** जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें. आलस्य का त्याग करें. पुरुषार्थ का सहारा लें. कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी. आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा. शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी. परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. शुभांक-3-5-6

## ब्रीफ न्यूज

### कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने प्रखंड अध्यक्ष के साथ की बैठक

**अररिया।** जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शाद अहमद के फारबिसगंज राम मनोहर लोहिया पथ स्थित निज निवास पर सभी प्रखण्ड अध्यक्षों के साथ शनिवार को बैठक हुई. मूल रूप से बैठक जिल के सभी छह विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के प्रत्याशियों के चयन और उसकी प्रक्रिया को लेकर विचार विमर्श किया गया.बैठक में सभी प्रखण्ड अध्यक्षों द्वारा विधानसभा के संभावित प्रत्याशियों की सूची कांग्रेस जिलाध्यक्ष को सौंपा गया. जिसे एआईसीसी को चयनित प्रत्याशियों का नाम पटना में सुपुर्द करेंगे. मौके पर फारबिसगंज प्रखण्ड अध्यक्ष गुलाबचंद ऋषिदेव समेत कई अध्यक्ष मौजूद थे.

### महिला-पुरुष की हत्या, शव धोबा नदी से बरामद हुए

**पटना।** बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के लक्ष्मणपुर गांव में एक महिला और पुरुष का शव धोबा नदी किनारे मिला है. मामला 11 सितंबर का है, जब लोरिक कुमार ने अपनी पत्नी रीना देवी के अपहरण की एफआईआर दर्ज कराई थी. शिकायत में सनोज कुमार नामक व्यक्ति पर आरोप लगाया गया था कि उसने रीना देवी को अपहरण कर लिया है. लेकिन 12 सितंबर की देर शाम दोनों के शव अथमलगोला थाना क्षेत्र के सरिस्तापुर के धोबा नदी किनारे बरामद हुए. घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों के साथ एसपी बिक्रम सिहाग मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया.

### कटोरिया में बनेगा अब चौथा पुलिस ट्रेनिंग सेंटर

**पटना।** बिहार में साल में औसतन 20 हजार सिपाहियों की बहाली की जा रही है. इन्हें समुचित प्रशिक्षण देने के लिए नए प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना करने की कवायद भी शुरू हो गई है. इसके तहत बांका जिला के कटोरिया में चौथा पुलिस ट्रेनिंग केंद्र की स्थापना होने जा रही है. इसके लिए 51.40 एकड़ जमीन को ट्रांसफर करने की स्वीकृति दे दी गई है.वर्तमान में दो पुलिस प्रशिक्षण केंद्र डुमरांव और नाथनगर (भागलपुर) में मौजूद है. तीसरे केंद्र के लिए सिमुलतला में स्वीकृति पहले से मिली हुई है. इसका निर्माण भी जल्द पूरा होने के बाद यह चालू हो जाएगा. चौथा केंद्र कटोरिया में बनने जा रहा है.

### लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के सांसद अरुण भारती ने पार्टी की चाहत बतायी

# आनेवाले समय में चिराग सीएम बनें

**शुभम संदेश। पटना**

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के सांसद अरुण भारती के बयान ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में नई राजनीतिक सरगर्मी पैदा कर दी है. एक कार्यक्रम में अरुण भारती ने स्पष्ट कहा कि लोजपा (रामविलास) भी बिहार की राजनीति में अन्य क्षेत्रीय दलों की तरह राज्य की सबसे बड़ी ताकत बनने का सपना देख रही है और उसी दिशा में मेहनत कर रही है. जब उनसे चिराग पासवान को मुख्यमंत्री पद के संभावित चेहरे के रूप में पेश किए जाने पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा, हमारी पार्टी चाहती है कि चिराग पासवान बिहार की राजनीति में बड़ी भूमिका निभाएं. यह भी संभव है कि आने वाले समय में वह मुख्यमंत्री बनें.

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि राजनीति संभावनाओं और जनआशीर्वाद का खेल है, जहां जनता के समर्थन के आधार पर ही कोई सत्ता में आता है. अरुण भारती ने भाजपा का उदाहरण देते हुए कहा कि कभी भाजपा भी बिहार की राजनीति में एक छोटी पार्टी थी, लेकिन समय के साथ वह सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी. इससे पहले भी अरुण भारती ने कई मौकों पर अपनी पार्टी को सम्मानजनक सीटें देने की मांग की है. यहां तक उन्होंने बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर अपनी पार्टी की मजबूती की दावेदारी भी रखी है. चिराग पासवान को मुख्यमंत्री पद का संभावित उम्मीदवार बनाना लोजपा की बड़ी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है. सीट बंटवारे को लेकर पूछे गए सवाल पर अरुण भारती ने कहा कि पार्टी ने अपनी मांगें एनडीए नेतृत्व के समक्ष रख दी हैं और जल्द ही सीट बंटवारे का पूरा फैसला स्पष्ट हो जाएगा. उन्होंने यह भी कहा कि लोजपा (रामविलास) हमेशा से बिहार की जनता की आवाज उठाती रही है और गठबंधन में भी मजबूती से अपनी बात रखती है. गठबंधन में सहयोगी दलों के बीच संवाद को बेहद जरूरी बताते हुए उन्होंने कहा कि मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मनभेद नहीं होने चाहिए. अरुण भारती का यह बयान बिहार की राजनीति में सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर समन्वय और समीकरणों की जटिलता को दर्शाता है.

एनडीए में भाजपा और जदयू के बीच बिहार में लगातार राजनीतिक बयानबाजी होती रही है, जिसमें दोनों दल अपनी ताकत का प्रदर्शन करते रहे हैं. ऐसे में अरुण भारती के बयान ने नीतीश कुमार और भाजपा दोनों के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं. चिराग पासवान को सीएम चेहरे के रूप में उभारने से गठबंधन के अंदर सीट बंटवारे और सत्ता समीकरणों में दबाव बढ़ सकता है. वर्ष 2020 के चुनाव में जब चिराग पासवान ने अकेले चुनाव लड़कर जदयू के कई उम्मीदवारों को पटखनी दी थी, तब से ही उनकी राजनीतिक पकड़ मजबूत मानी जा रही है. नीतीश कुमार को एनडीए का सीएम चेहरा मानने वाले नेताओं के बीच अचानक चिराग पासवान के मुख्यमंत्री बनने की संभावनाओं पर खुलकर चर्चा होना नीतीश के लिए चिंता का विषय बन गया है.

### दरभंगा में तेज प्रताप की बढ़ती पकड़, सियासी गलियारों में हलचल

# राजद में टिकट को लेकर खामोश बगावत

**एजेंसी। पटना**

बिहार की राजनीति में विधानसभा चुनाव की तारीख़ भले ही अभी आधिकारिक तौर पर घोषित न हुई हो, लेकिन सियासी गलियारों में हलचल पहले ही तेज़ हो चुकी है. खासकर राजद के भीतर टिकट की दौड़ और दल के नेताओं के बीच बढ़ते असंतोष ने स्थिति को और पेचीदा बना दिया है. दरभंगा समेत कई इलाकों में तेज प्रताप यादव की सक्रियता इस दौर की सबसे बड़ी राजनीतिक खबर बनी हुई है. सूत्रों के मुताबिक, विधानसभा चुनाव के लिए टिकट पाने के दावेदार अब छुप-छुप कर नहीं बल्कि खुलकर दोनों तरफ़ राजद मुख्यालय और तेज प्रताप के दरबार में अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं. राजद के कई पुराने नेता, जिन्हें टिकट मिलने की संभावना कम नजर आ रही है. वे खुलेआम यह कह रहे हैं कि अगर पार्टी ने उन्हें मौका नहीं दिया तो वे तेज प्रताप यादव के समर्थन से चुनाव लड़ेंगे और सामाजिक न्याय के मुद्दे को उठाएंगे. तेज प्रताप यादव का पिछले कुछ हफ्तों में दरभंगा के विभिन्न हिस्सों में लगातार दौरे और रोड शो इस राजनीतिक बदलाव की गवाही दे रहे हैं.

हायाघाट और कुशेश्वरस्थान जैसे पारंपरिक तौर पर सुरक्षित माने जाने वाले विधानसभा क्षेत्रों में तेज प्रताप का काफ़िला जिस उत्साह और जोश के साथ निकला, उसने कार्यकर्ताओं में एक नई ऊर्जा भर दी है. कार्यकर्ताओं ने यहां तक नारा भी दिया "लालू प्रसाद का दूसरा अवतार, तेज प्रताप हमारा हथियार." दरभंगा की कुल 10 विधानसभा सीटों में से 2020 के चुनाव में राजद को केवल एक सीट पर सफलता मिली थी, जबकि बाकी सीटों पर एनडीए ने कब्ज़ा कर लिया था. इस बार महागठबंधन में वीआईपी जैसे पार्टियों के शामिल होने से सीटों का बंटवारा और भी जटिल हो गया है. ऐसे राजनीतिक समीकरण में राजद के कई पुराने और अनुभवी नेता हाशिए पर धकेले जा रहे हैं. ऐसे में वे दावा कर रहे हैं कि चुनाव लड़ना उनका मौलिक अधिकार है.

### राष्ट्रीय लोक अदालत: 16 बेंच पर किया गया मामलों का निपटारा

**भागलपुर।** जिले में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया. आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए इस बार कुल 16 बैंच बनाए गए. यहां रेलवे, बैंक, बिजली, जमीन-जायदाद समेत कई तरह के लंबित मामलों का निपटारा किया गया. वर्ष 2025 में राष्ट्रीय लोक अदालत का यह तीसरा आयोजन है. राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्घाटन भागलपुर के उप विकास आयुक्त प्रदीप कुमार सिंह, प्रिंसिपल जज राजकुमार राजपूत और जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया. इस मौके पर प्रिंसिपल जज राजकुमार राजपूत ने बताया कि न्याय के साथ-साथ जागरूकता बढ़ाने के लिए अदालत परिसर में सेल्फी प्वाइंट भी बनाया गया है, ताकि लोग यहां आकर अपनी तस्वीर खींचें और सोशल मीडिया पर साझा करें.

## न्यूज अपडेट

### जन सुराज में संकट: अमित विक्रम ने दिया इस्तीफा

**पटना।** बिहार विधानसभा चुनाव से पहले सियासी हलचल तेज हो गई है. इसी बीच जन सुराज पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एवं प्रमंडलीय चुनाव अभियान समिति के संयोजक अमित विक्रम ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने पार्टी की प्रोफेशनल टीम पर गंभीर आरोप लगाए हैं और कहा है कि पार्टी में कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं के सम्मान को नजरअंदाज किया जा रहा है. अमित विक्रम ने बताया कि उन्होंने प्राथमिक सदस्यता समेत सभी पदों से इस्तीफा दिया है. उनका आरोप है कि जन सुराज पार्टी की प्रोफेशनल टीम आम कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं की भावनाओं के विपरीत कार्य कर रही है. उन्होंने कहा कि इस बात की जानकारी पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर को भी दी गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई. विक्रम ने कहा कि उनका उद्देश्य बिहार में पिछले 20 वर्षों से सत्ता में रह रही भाजपा-जदयू सरकार को हटाना था. इसके लिए वे युवाओं और बुद्धिजीवियों को पार्टी से जोड़ते रहे. लेकिन अब बदलाव के लिए संकल्पित लोगों को नजरअंदाज किया जा रहा है और प्रोफेशनल टीम की ओर से चुनाव में विरोधी विचारधारा के लोगों को मौका दिया जा रहा है.

### ऑपरेशन मुस्कान: 35 चोरी हुए मोबाइल बरामद

**प. चंपारण।** पुलिस मुख्यालय बिहार, पटना के निर्देशानुसार चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के तहत बेतिया पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है. जिले के विभिन्न थानों में दर्ज मोबाइल चोरी और गुम होने की शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए इस माह कुल 35 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं. इनकी अनुमानित कीमत लगभग 6.30 लाख रुपये है. बेतिया के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. शौर्य सुमन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में अब तक कुल 313 मोबाइल फोन बरामद किए जा चुके हैं, जिनकी कुल कीमत करीब 43.30 लाख रुपये आंकी गई है. पुलिस ने बरामद सभी मोबाइल फोन के कागजातों का सत्यापन कर उनके वास्तविक मालिकों को वापस सौंप दिया है. एसएसपी डॉ. सुमन ने कहा कि ऑपरेशन मुस्कान जारी है और पुलिस का उद्देश्य चोरी या गुम हुए मोबाइल को बरामद कर उसके असली मालिक तक पहुंचाना है.

### प्रसाद रत्नेश्वर को मिलेगा प्रदर्श कला का राष्ट्रीय सम्मान

**पूर्वी चंपारण।** बिहार सरकार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग द्वारा प्रदर्श कला के लिए राष्ट्रीय स्तर पर दिया जाने वाला 2024 -2025 का राष्ट्रीय सम्मान मोतिहारी निवासी प्रसिद्ध रंगकर्मी प्रसाद रत्नेश्वर को दिया जाएगा. बिहार सरकार इस सर्वोच्च सम्मान स्वरूप प्रसाद रत्नेश्वर को एक लाख रुपये के साथ स्मृति चिह्न, मोमेंटो, प्रमाण पत्र व अंगवस्त्र प्रदान करेगी. बिहार सरकार प्रदर्श कला के लिए यह सम्मान प्रतिवर्ष राष्ट्रीय स्तर के नामचीन कलाकारो को देती है. इस वर्ष का यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रसाद रत्नेश्वर को 24 सितम्बर को पटना में विभाग द्वारा आयोजित एक भव्य समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रदान करेंगे. इस मौके पर उपमुख्यमंत्री,कला-संस्कृति मंत्री सहित विभाग के आला अधिकारी उपस्थित रहेंगे. उल्लेखनीय है,कि प्रसाद रत्नेश्वर को यह सम्मान पिछले 41 वर्षों से मोतिहारी,पटना एवं दिल्ली रंगमंच पर सक्रिय होने के कारण दिया जा रहा है. वे 12 वर्षों तक राज्य सरकार की बिहार संगीत नाटक अकादमी की कार्यसमिति के सदस्य तथा दो वर्षों तक एक कलाविद सदस्य के रूप में इज़ेडसीसी, संस्कृति मंत्रालय में अपनी सेवाएं दे चुके है.

### फारबिसगंज-सकरी रेलखंड के दोहरीकरण को मंजूरी

**अररिया।** नवनिर्मित ठाकुरगंज-अररिया नई रेललाइन के लोकार्पण के बाद गुवाहाटी से सिलीगुड़ी होते हुए अररिया के रास्ते फारबिसगंज-दरभंगा-गोरखपुर होते हुए दिल्ली एवं उत्तर भारत की ओर कई नई ट्रेनों का परिचालन संभावित है. जिससे इस रेल खंड पर परिचालन का भारी दबाव रहेगा,इसको लेकर पूर्व मध्य रेलवे ने 129 किलोमीटर लंबे फारबिसगंज-सकरी रेल मार्ग के दोहरीकरण की योजना हेतु फाइनल लोकेशन सर्वे के लिए 3 करोड़ 9 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की है, जिसकी निविदा शीघ्र ही जारी की जाएगी.जानकारी पूर्व मध्य रेलवे की रेल परामर्शदात्री समिति के सदस्य विनोद सरावगी ने दी. सरावगी ने कहा कि इस रेलखंड के दोहरी कारण हो जाने के बाद ट्रेनों के दोनों दिशाओं से आने-जाने के क्रम में क्रॉसिंग का कोई अवरोध नहीं होगा जिससे यात्रा समय में बचत के साथ ट्रेनों के विलंब से परिचालन की समस्या भी समाप्त होगी.

## कारोबार

### भारत-ईयू एफटीए पर काम करने के लिए प्रतिबद्ध: गोयल

**नयी दिल्ली।** केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि भारत और यूरोपीय संघ जल्द ही एक संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए काम करने को प्रतिबद्ध हैं. गोयल ने एक्स पोस्ट में कहा कि यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त मारोस सेफ्कोविक और यूरोपीय कृषि आयुक्त क्रिस्टोफ हैनसेन व्यापार समझौते के लिए चल रही बातचीत को गति देने के लिए यहां आए थे. दोनों पक्षों की आधिकारिक टीमों ने 13वें दौर की वार्ता की.

### निकट भविष्य में डॉलर का प्रभुत्व जारी रहेगा: गीता

**नयी दिल्ली।** अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री और उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ ने कहा है कि निकट भविष्य में डॉलर के वैश्विक प्रभुत्व में कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना कम है. हार्वर्ड विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में वापसी करने वाली गोपीनाथ ने अमेरिकी संस्थानों की मजबूती और वित्तीय बाजारों की गहराई को डॉलर की ताकत का मुख्य आधार बताया. आईएमएफ में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने डॉलर के वैश्विक प्रभुत्व पर गहन शोध किया.

### जियोर्जियो अरमानी की वसीयत में खुलासा

**नयी दिल्ली।** फैशन जगत के जियोर्जियो अरमानी का 4 सितंबर को 91 वर्ष की उम्र में निधन हो गया. अरमानी ने अपने पांच दशकों के फैशन साम्राज्य को बेहद मजबूती से संचालित किया, जिसमें हाउते कॉउचर से लेकर लग्जरी होटल तक शामिल थे. उनके निधन के बाद शुक्रवार को उनकी वसीयत सार्वजनिक हुई. उन्होंने अपनी कंपनी की 15 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की इच्छा जाहिर की है. इस हिस्सेदारी के संभावित खरीदारों के रूप में लक्जरी समूह एलवीएमएच व एस्सिलोरलक्सोटिका समेत कई कंपनियों का नाम दिया है.

### सरकार की उत्पादन बढ़ावा नीतियों से कंपनियों का विदेशी मुद्रा खर्च घटा

# इंपोर्ट बिल काफी कम हुआ

**एजेंसी। नयी दिल्ली**

सरकार देश में उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कई अहम कदम उठा रही है, ताकि बाहर से आने वाले महंगे सामान पर निर्भरता कम हो सके. इसके तहत कंपनियों को घरेलू उत्पादन बढ़ाने और इम्पोर्ट घटाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है. इस रणनीति के सकारात्मक परिणाम अब सामने आने लगे हैं. 20 बड़ी कंपनियों पर की गई स्टडी में पाया कि इन कंपनियों का विदेशी मुद्रा खर्च उनकी बिक्री के अनुपात में काफी कम हुआ है. पिछले पांच वर्षों में यह बदलाव स्पष्ट रूप से देखा गया है, खासकर गाड़ियों और इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों में. मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स, हीरो मोटोकॉर्प, बजाज इलेक्ट्रिकल्स, व्हर्लपूल, हैवल्स, ब्लू स्टार, एम्बर एंटरप्राइजेज और क्रॉम्पटन ग्रीव्स जैसी कंपनियों ने अपनी सालाना रिपोर्ट में बताया कि उनका इम्पोर्ट बिल काफी कम हुआ है. कुछ कंपनियों का इम्पोर्ट खर्च आधा तक घटा है, तो कुछ के लिए यह कई गुना कम हो गया है.

उदाहरण के तौर पर, डिक्सन टेक्नोलॉजीज, जो इलेक्ट्रॉनिक्स सामान बनाने वाली प्रमुख कंपनी है, ने इम्पोर्ट के हिस्से को कुल बिक्री का 49% से घटाकर मात्र 6% कर दिया है. वित्तीय वर्ष 2025 में इसका इम्पोर्ट खर्च 2,418 करोड़ रुपये रहा, जो 2020 के मुकाबले 28% कम है. डिक्सन टेक्नोलॉजीज के चेयरमैन सुनील वचानी ने बताया कि पीएलआई (प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव) स्कीम की वजह से लोकल वैल्यू एडिशन 40-45% से बढ़कर 65-70% तक पहुंच गया है. उन्होंने कहा कि एसी, एलईडी लाइटिंग और अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों में यह बदलाव खासतौर पर दिख रहा है.

इसके अलावा, बड़ी कंपनियां अब मोबाइल फोन और लैपटॉप के क्षेत्र में भी इसी तरह का विकास कर रही हैं. सरकार जल्द ही इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम भी लाने वाली है, जिससे घरेलू उत्पादन और बढ़ेगा.

मोदी सरकार ने पिछले पांच वर्षों में कई पीएलआई स्कीमें शुरू की हैं, जो इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटो कंपोनेंट्स, मोबाइल फोन, व्हाइट गुड्स, सोलर पीवी मॉड्यूल, फूड प्रोसेसिंग और आईटी हार्डवेयर जैसे क्षेत्रों को प्रोत्साहित करती हैं. इन योजनाओं का उद्देश्य देश में ही उत्पादन बढ़ाना और इम्पोर्ट पर निर्भरता घटाना है. इससे न केवल घरेलू उत्पादन की वैल्यू बढ़ेगी, बल्कि निवेश और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे. सरकार ने कई कच्चे माल और कंपोनेंट्स पर इम्पोर्ट ड्यूटी भी बढ़ा दी है और नए नियम बनाए हैं. इनमें से एक है कि भारत और विदेश में फैक्ट्रियों को ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स से सर्टिफिकेशन लेना जरूरी करना, जिससे इम्पोर्ट कंट्रोल हो सके. मारुति सुजुकी का विदेशी मुद्रा खर्च अब बिक्री का केवल 6% रह गया है, जो वित्तीय वर्ष 2020 में 11.5% था. टाटा मोटर्स का यह खर्च 7% से घटकर 1% हो गया है. दोपहिया वाहन निर्माता हीरो मोटोकॉर्प का एफवाई25 में इम्पोर्ट बिल 1,060 करोड़ रुपये था, जो पिछले साल से 10% कम है, जबकि इस दौरान उसकी बिक्री में 40% से अधिक की बढ़ोतरी हुई है. एफएमसीजी कंपनियां जैसे नेस्ले, मारिको, ब्रिटानिया ने भी इम्पोर्ट बिल में कमी दर्ज की है. पार्ले प्रोडक्ट्स के वाइस प्रेसिडेंट मयंक शाह ने बताया कि इम्पोर्ट सब्स्टिट्यूशन और कम कीमत वाले इम्पोर्टेड इनपुट जैसे कोको और फ्लेवर की वजह से यह संभव हुआ है.

### आईआईएफएल फाइनेंस का गोल्ड लोन भरोसेमंद साथी

**जयपुर।** आईआईएफएल फाइनेंस अपने मूल सिद्धांत ''सपना आपका, गोल्ड लोन हमारा'' के साथ लाखों भारतीयों का भरोसेमंद वित्तीय साथी बन चुका है. यह संस्था एमएसएमई और आम जनता की वित्तीय जरूरतों को समझते हुए सरल, पारदर्शी और किफायती गोल्ड लोन प्रदान करती है, जिससे वे अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक सपनों को आसानी से पूरा कर सकें. आईआईएफएल फाइनेंस गोल्ड लोन की प्रक्रिया बेहद आसान और त्वरित है. कम से कम दस्तावेजों के साथ ग्राहक उसी दिन फंड प्राप्त कर सकते हैं. लोन की वापसी भी ग्राहकों की सुविधा और उनकी वित्तीय स्थिति के अनुसार सहज रूप से की जा सकती है. ग्राहक अपने सोने को गिरवी रखकर शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार विस्तार और अन्य आवश्यकताओं के लिए फंड का इस्तेमाल कर सकते हैं, जिससे एमएसएमई क्षेत्र को विकास में सहायता मिलती है. आईआईएफएल फाइनेंस के बिजनेस हेड मनीष मयंक ने बताया कि ''सीधी बात'' आईआईएफएल का मार्गदर्शक सिद्धांत है. कंपनी हर लेन-देन में पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित करती है और ग्राहकों की सुविधा के अनुसार प्रक्रिया को डिजाइन करती है.

### पूर्व डीजी एनडीआरएफ एसएन प्रधान बने साइबरपीस के ग्लोबल सीईओ एवं चीफ मेंटर

**नयी दिल्ली।** पूर्व आईपीएस अधिकारी और पूर्व डीजी एनडीआरएफ एवं एनसीबी, एसएन प्रधान को साइबरपीस का ग्लोबल सीईओ एवं चीफ़ मेंटर नियुक्त किया गया है. यह नियुक्ति 1 सितंबर 2025 से प्रभावी होगी. नई भूमिका में प्रधान संगठन की वैश्विक रणनीति, साझेदारियों और प्रभावकारी कार्यक्रमों का नेतृत्व करेंगे. वे सरकार, उद्योग, शिक्षा और नागरिक समाज में अगली पीढ़ी के साइबर नेताओं को भी मार्गदर्शन प्रदान करेंगे. प्रधान ने अपने दशकों के अनुभव का लाभ साइबरपीस के मिशन को आगे बढ़ाने में लगाया है. उनका अनुभव संकट प्रबंधन, प्रौद्योगिकी-सक्षम पुलिसिंग, राष्ट्रीय सुरक्षा अभियानों, आपदा प्रतिक्रिया और पुलिस प्रशिक्षण में रहा है. उन्होंने महानिदेशक और संयुक्त सचिव जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है. इस अवसर पर प्रधान ने कहा, साइबर हानि सीमाओं को नहीं जानती. साइबरपीस से जुड़कर मुझे गर्व है कि मैं एक ऐसे मिशन का हिस्सा बन रहा हूं जो राष्ट्रों, नियामकों, प्लेटफार्मों और समुदायों को विश्वास और सुरक्षा के इर्द-गिर्द एकजुट करता है. हमारा लक्ष्य ठोस ढांचे, मापनीय परिणाम और समावेशी क्षमता निर्माण के माध्यम से डिजिटल सुरक्षा को मजबूत करना है.₹ साइबरपीस के संस्थापक विनीत कुमार ने बताया कि श्री प्रधान के नेतृत्व में साइबर मानदंडों को बढ़ावा मिलेगा.

### ओबेन इलेक्ट्रिक ने लॉन्च किया 'मेगा फेस्टिव उत्सव' ऑफर

**नयी दिल्ली।** देश की प्रमुख इलेक्ट्रिक बाइक कंपनी ओबेन इलेक्ट्रिक ने 'मेगा फेस्टिव उत्सव' की शुरुआत की है. यह राष्ट्रीय स्तर का विशेष ऑफर कंपनी की फ्लैगशिप इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल रोर ई जेड और रोर ई जेड सिग्मा पर उपलब्ध होगा. त्योहारों के अवसर पर ग्राहकों को 35,000 तक के लाभ दिए जा रहे हैं, ताकि इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलें और अधिक किफायती और आकर्षक बन सकें. इस फेस्टिव ऑफर के तहत रोर ई जेड या रोर ई जेड सिग्मा खरीदने वाले ग्राहकों को 20,000 की सीधी छूट मिलेगी, जो पहले से कीमत में शामिल है. इसके अलावा, 10,000 तक का कैशबैक और हर खरीद पर पक्का गोल्ड कॉइन भी उपहार में मिलेगा. साथ ही, एक भाग्यशाली ग्राहक को आईफोन जीतने का मौका भी दिया जाएगा. ओबेन इलेक्ट्रिक की फाउंडर और सीईओ मधुमिता अग्रवाल ने बताया कि यह उत्सव खासतौर पर ग्राहकों को बेहतरीन फायदे देने के लिए तैयार किया गया है, ताकि वे आसानी से इलेक्ट्रिक बाइक चला सकें. उन्होंने कहा कि रोर ई जेड सीरीज की बाइक तेज, भरोसेमंद और आधुनिक तकनीक से लैस है, जो शहर में सफर के लिए आदर्श है. रोर ई जेड सिग्मा में 175 किमी तक की रेंज, 95 किमी/घंटा की टॉप स्पीड, 0 से 40 किमी/घंटा की गति पकड़ने में मात्र 3.3 सेकंड का समय, तीन एडैप्टिव राइड मोड, रिवर्स मोड और 5-इंच का टीएफटी कलर डिस्प्ले जैसी खूबियां शामिल हैं.

### केनस्टार ने लॉन्च किए नए 5-स्टार वॉटर हीटर्स

मुंबई। भारत के लोकप्रिय होम अप्लायंसेज ब्रांड केनस्टार ने अपनी नई वॉटर हीटर रेंज लॉन्च की है, जो आधुनिक भारतीय परिवारों की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन की गई है. ये वॉटर हीटर्स न सिर्फ़ तेजी से पानी गर्म करते हैं, बल्कि 20% ज्यादा गर्म पानी देने की क्षमता रखते हैं, जिससे स्नान का अनुभव बेहतर और पूरा होता है. नई रेंज में स्विर्ल हिट टेक्नोलोजी का उपयोग किया गया है, जो गर्म पानी के उत्पादन को बढ़ाता है. इसके साथ ही हाई डेंसिटी पीयूएफ इंसुलेशन गर्माहट को 10% अधिक समय तक बनाए रखता है और बिजली की खपत को कम करता है. जर्मन ब्लू सेफायर टेक्नोलोजी के कारण ये हीटर्स 40% तक ज्यादा टिकाऊ हैं. इसके अलावा, ये सभी मॉडल 5-स्टार बीईई रेटिंग के साथ आते हैं, जो ऊर्जा की बचत और बिजली के बिल में कमी सुनिश्चित करता है. केनस्टार ने इस लॉन्च के साथ "बाथ बन जाए" कैंपेन भी शुरू किया है, जो स्नान के दौरान पानी कम पड़ने की समस्या को दूर करने का वादा करता है. कंपनी उपभोक्ताओं को 7 साल की टैंक वारंटी भी दे रही है, जिससे ग्राहकों का विश्वास और बढ़ेगा. केनस्टार के सीईओ सुनील जैन ने कहा कि यह नई रेंज तेज़ गर्माहट, ऊर्जा बचत और सुरक्षा के साथ-साथ बेहतरीन डिजाइन और प्रदर्शन के मामले में नए मानक स्थापित करेगी.

**टाटा ग्रुप** टाटा ट्रस्ट्स के वाइस-चेयरमैन विजय सिंह ने टाटा संस बोर्ड से इस्तीफा दिया

# सम्मान देने के लिए बोर्ड मीटिंग में बुलाए गए विजय

**एजेंसी। नयी दिल्ली**

टाटा ट्रस्ट्स के वाइस-चेयरमैन और पूर्व डिफेंस सेक्रेटरी विजय सिंह ने शुक्रवार को टाटा संस की बोर्ड मीटिंग में हिस्सा लिया. यह बैठक उन्होंने डायरेक्टर पद से इस्तीफा देने के एक दिन बाद अटेंड की. सूत्रों के अनुसार, विजय सिंह पहले ही अपने पद से इस्तीफा दे चुके थे, इसलिए इस मीटिंग में वह किसी भी एजेंडा आइटम पर वोट नहीं कर सके. हालांकि, टाटा संस ने उनके लंबे समय के योगदान को देखते हुए उन्हें सम्मान देने के लिए मीटिंग में बुलाया था. विजय सिंह टाटा ट्रस्ट्स के नॉमिनी डायरेक्टर थे, लेकिन शुक्रवार की बैठक में उनके पास नॉमिनी के रूप में कोई विशेष अधिकार नहीं थे. टाटा ट्रस्ट्स के नॉमिनी डायरेक्टर्स को टाटा संस के अन्य डायरेक्टर्स की तुलना में अधिक प्रभावशाली माना जाता है. इनके पास 100 करोड़ रुपये से अधिक के अधिग्रहण या कैपिटल एक्सपेंडिचर (कैपेक्स) प्रोग्राम जैसे महत्वपूर्ण फैसलों को रोकने की शक्ति होती है. लेकिन ये निर्णय स्वतंत्र रूप से नहीं ले सकते; उन्हें टाटा ट्रस्ट्स के ट्रस्टियों की बहुमत की मंजूरी आवश्यक होती है. सूत्रों ने बताया कि इस बार की बोर्ड मीटिंग में एयर इंडिया, टाटा इंटरनेशनल और टाटा कैपिटल से जुड़े सभी महत्वपूर्ण एजेंडा आइटम्स पास हो गए. केवल एक इन्वेस्टमेंट प्रपोजल को टाटा ट्रस्ट्स ने मंजूरी नहीं दी, जिसे अगली बोर्ड मीटिंग में पुनः समीक्षा के लिए रखा जाएगा. इस प्रस्ताव पर अंतिम निर्णय सबसे बड़े शेयरहोल्डर की मंजूरी मिलने के बाद लिया जाएगा. विजय सिंह के इस्तीफे के बाद, टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा और वाइस-चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन टाटा संस में नॉमिनी डायरेक्टर्स के रूप में शामिल हैं. दोनों शुक्रवार को बॉम्बे हाउस में हुई मीटिंग में मौजूद थे. बॉम्बे हाउस टाटा ग्रुप का हेडक्वार्टर है.

विजय सिंह टाटा संस के बोर्ड में कुल आठ साल तक रहे, जिनमें उन्होंने दो अलग-अलग कार्यकाल संभाले. उन्होंने गुरुवार को अचानक इस्तीफा दे दिया था क्योंकि उन्हें टाटा ट्रस्ट्स के अधिकांश ट्रस्टियों का समर्थन नहीं मिल पाया था. हालांकि नॉमिनी डायरेक्टर्स के लिए कोई अनिवार्य रिटायरमेंट उम्र निर्धारित नहीं है, लेकिन 75 वर्ष की उम्र के बाद उनकी नियुक्ति की समीक्षा की जाती है. 77 वर्ष के विजय सिंह अभी भी टाटा ट्रस्ट्स के ट्रस्टी हैं. उनके इस्तीफे के बाद ट्रस्ट्स रिटायरमेंट की उम्र को लागू करने पर विचार कर सकते हैं. टाटा ट्रस्ट्स के ट्रस्टियों के बीच नॉमिनी डायरेक्टर्स द्वारा ली जाने वाली कमीशन को लेकर भी असहमति बनी हुई है. विजय सिंह ने वित्त वर्ष 2024-25 में टाटा संस से कमीशन के रूप में 3.2 करोड़ रुपये प्राप्त किए, जबकि नोएल टाटा को 1.42 करोड़ रुपये मिले.

## हॉकी दिग्गजों ने की पंजाब हॉकी लीग की सराहना, कहा-

# पीएचएल हमारे समय में होती तो बढ़ जाते करियर

एजेंसियां। मोहाली

राउंडग्लास और हॉकी पंजाब के संयुक्त आयोजन में चल रही पंजाब हॉकी लीग (पीएचएल) को भारत के हॉकी महान खिलाड़ियों का भरपूर समर्थन मिल रहा है. उनका मानना है कि यह लीग देश में खेल का भविष्य बदल रही है. 30 लाख रुपये की इनामी राशि जो भारत में जूनियर हॉकी के लिए अब तक की सबसे बड़ी रकम है, और देशभर की टीमों की भागीदारी के साथ, पीएचएल ने जमीनी स्तर के विकास में नए मानक स्थापित कर दिए हैं. भारत के पूर्व फॉरवर्ड और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित प्रभजोत सिंह ने आयोजकों द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में टूर्नामेंट के पैमाने और दृष्टिकोण की सराहना करते हुए इसे ''युवाओं के लिए सबसे बड़ा मंच बताया. उन्होंने कहा, ''यह लीग, जो राउंडग्लास और हॉकी पंजाब ने शुरू की है, शानदार पहल है. जब ऐसी लीग होती है, तो सभी जूनियर्स को मौका मिलता है. साथ ही इसमें 30 लाख रुपये की बड़ी इनामी राशि भी है. यह खिलाड़ियों के लिए बड़े टूर्नामेंट की तैयारी का शानदार प्लेटफॉर्म है.,'' 2001 जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप विजेता और दो बार एशिया कप जीत चुके प्रभजोत ने कहा कि लीग के हर साल आयोजित होने से युवाओं को स्पष्टता और प्रेरणा मिलती है.

उन्होंने कहा, "पहले खिलाड़ियों को यह नहीं पता होता था कि कौन-सा टूर्नामेंट खेलना है. अब इस लीग

के चलते उन्हें पता है कि यह हर साल होती है. इसलिए वे इसके लिए तैयारी करते हैं. वे यहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं ताकि यह उन्हें सीनियर कैंप में चयन का मौका दिला सके.,''प्रभजोत ने यहां तक कहा कि अगर उनके दौर में भी ऐसी लीग होती, तो खिलाड़ियों का करियर कई साल और बढ़ जाता. हॉकी के दिग्गज बलजीत सिंह ने कहा कि इस पहल का असर पंजाब से आगे भी दिखेगा. उन्होंने कहा, "यह शानदार पहल है. इससे भारतीय हॉकी को बढ़ावा मिलेगा. पंजाब की हॉकी हमेशा समृद्ध रही है और अब अन्य राज्य भी हमारी हॉकी संस्कृति से लाभ उठा सकते हैं. ऐसी पहलों को नियमित समर्थन मिलना चाहिए ताकि भारत को लगातार अच्छे खिलाड़ी मिलते रहें.'

बलजीत ने पूरे देश से भागीदारी और उसके मिलने वाले अनुभव को अहम बताया. उन्होंने कहा, "हम आमतौर पर इस स्तर के आयु-वर्ग टूर्नामेंट नहीं देखते. यहां जूनियर खिलाड़ी उसी स्तर की हॉकी खेल रहे हैं, जैसा हॉकी इंडिया लीग में दिखता है, जो कि बड़ी बात है. जब ये खिलाड़ी एचआईएल और दुनिया भर के अन्य टूर्नामेंट्स में जाएंगे, तो उन्हें महसूस होगा कि वे पहले ही दबाव की परिस्थितियों के आदी हो चुके हैं.,''भारत के पूर्व कप्तान राजपाल सिंह ने राउंडग्लास की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने हर सीजन में स्तर को ऊंचा किया है. उन्होंने कहा, "यह बहुत अच्छी पहल है. इसका पूरा श्रेय राउंडग्लास को जाता है. उन्होंने हॉकी को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी ली है और पिछले सीजन से इस बार तक स्तर में सुधार का श्रेय उन्हें ही है.'' अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित राजपाल ने इनामी राशि और राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व, दोनों की अहमियत पर भी जोर दिया.

हॉकी इंडिया की मान्यता और लगातार बढ़ती प्रतिष्ठा के साथ, पंजाब हॉकी लीग को अब जूनियर्स के लिए वैश्विक स्तर तक पहुंचने का अहम रास्ता माना जा रहा है. पंजाब हॉकी लीग 2025 का पहला चरण मंगलवार (9 सितम्बर) को पूरा हुआ, जिसमें मौजूदा चैंपियन राउंडग्लास हॉकी अकादमी 20 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर रही. उसने सातों मैच जीतकर क्लीन स्वीप किया. स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, सोनीपत (एसएआई, एनसीओई, सोनीपत) 18 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है. लीग का दूसरा चरण 15 सितम्बर से जालंधर में शुरू होगा.

## एशिया कप : आखिरी टी20 से कितनी बदली दोनों टीमें, किसका पलड़ा भारी

# भारत-पाक महामुकाबला आज

एजेंसियां। दुबई

भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार 14 सितंबर को दुबई में एशिया कप का मुकाबला खेला जाएगा. इस साल यह दूसरी बार होगा जब दोनों टीमें एक दूसरे का सामना करेंगी. हालांकि, दोनों देशों के बीच रिश्ते काफी तनावपूर्ण चल रहे हैं और इस मैच का विरोध भी किया जा रहा है. भारत और पाकिस्तान की टीमों का ध्यान खेल पर केंद्रित है और दोनों ही टीमें इसके लिए उत्सुक हैं. भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 प्रारूप में आखिरी बार मुकाबला 2024 टी20 विश्व कप में हुआ था. दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला न्यूयॉर्क में खेला गया था जहां भारतीय टीम ने छह रनों से जीत हासिल की थी. हालांकि, 2024 टी20 विश्व कप और अब की टीम में काफी अंतर है और भारत-पाकिस्तान की टीमों में भी बदलाव हो गया है. भारत जहां पिछली बार रोहित शर्मा की कप्तानी में खेलने उतरा था, वहीं पाकिस्तान की कमान बाबर आजम के हाथों में थी. रोहित अब टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके हैं, जबकि बाबर को एशिया कप के लिए टीम में जगह नहीं मिली है. यानी यह तय है कि भारत और पाकिस्तान की टीमें अब नए कप्तान की अगुआई में इस मैच में उतरेंगी. भारत की कमान सूर्यकुमार यादव के हाथों में है, जबकि पाकिस्तान की कप्तानी सलमान अली आगा कर रहे हैं. दोनों ही टीमों ने ग्रुप चरण में अपने पहले मैच जीते हैं.

**दोनों टीमों में आया काफी बदलाव :** भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 प्रारूप में पिछले मुकाबले की तुलना में दोनों टीमों में काफी बदलाव आया है. एशिया कप के लिए भारतीय टीम में आठ खिलाड़ी ऐसे हैं जो पाकिस्तान के खिलाफ 2024 टी20 विश्व कप मैच में भी शामिल थे. हालांकि, इनमें से छह खिलाड़ी ही प्लेइंग-11 का हिस्सा थे. सूर्यकुमार, शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, संजू सैमसन और कुलदीप यादव टी20 विश्व कप टीम में शामिल थे और इनमें से सैमसन और कुलदीप के अलावा अन्य छह खिलाड़ियों को पाकिस्तान के खिलाफ पिछले टी20 मैच के लिए प्लेइंग-11 में जगह मिली थी. दूसरी ओर, सबसे ज्यादा बदलाव पाकिस्तान टीम में देखने मिला है.

भारत के खिलाफ पिछले टी20 मुकाबले की तुलना में सिर्फ पांच खिलाड़ी ऐसे हैं जो इस बार भी पाकिस्तान टीम का हिस्सा हैं. फखर जमां, शाहीन अफरीदी, हारिस रऊफ, अबरार अहमद, सैम अयूब टी20 विश्व कप 2024 में भी शामिल थे और ये पांचों खिलाड़ी एशिया कप के लिए भी पाकिस्तान टीम का हिस्सा हैं. हालांकि, फखर जमां, शाहीन अफरीदी और हारिस रऊफ को ही पिछली बार प्लेइंग-11 में जगह मिली थी. दोनों टीमों के सिर्फ खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि अब कोच भी बदल गए हैं. टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के कोच गैरी कर्स्टन थे, जबकि भारत के कोच राहुल द्रविड़ थे. अब भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर हैं, जबकि माइक हेसन पाकिस्तान के कोच हैं. 2025 एशिया कप में भारतीय टीमः सूर्यकुमार यादव, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, अभिषेक शर्मा, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, हर्षित राणा। 2025 एशिया कप में पाकिस्तान की टीमः सलमान आगा (कप्तान), फखर जमां, खुशदिल शाह, सैम अयूब, हसन नवाज, हुसैन तलत, फहीम अशरफ, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), साहिबजादा फरहान (विकेटकीपर), हसन अली, हारिस रऊफ, अबरार अहमद, सलमान मिर्जा, सूफियान मुकीम, मोहम्मद वसीम जूनियर, शाहीन अफरीदी.

### खौलती गर्मी में बरसेंगे अंगारे भारत-पाक टक्कर से 'डेजर्ट स्टॉर्म'!

दुबई। भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला मुकाबला एक बार फिर क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक बड़ा रोमांच लेकर आने वाला है. एशिया कप 2025 में दोनों देशों के बीच होने वाले इस महामुकाबले को लेकर फैंस की उत्सुकता चरम पर है. यह सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि भावनाओं और प्रतिष्ठा की लड़ाई है. इस बड़े मुकाबले पर न सिर्फ दुनिया भर की निगाहें टिकी हैं, बल्कि दुबई का मौसम भी चर्चा का विषय बना हुआ है. यूं तो दुबई के रेगिस्तान में कोई प्राकृतिक तूफान आने की संभावना नहीं है, लेकिन 14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान की टक्कर से 'डेजर्ट स्टॉर्म' जरूर आएगा. यह मुकाबला दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाना है और मौसम विभाग के अनुसार, मैच के दिन दुबई का मौसम गर्म और पूरी तरह से साफ रहने की उम्मीद है. मैच के दिन, दुबई में तापमान 38 से 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है, जो खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी चुनौती पेश कर सकता है. दिन के समय गर्मी काफी होगी, लेकिन जैसे-जैसे शाम होगी तापमान में गिरावट आएगी. शाम के समय तापमान 32 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है, जिससे खिलाड़ियों को थोड़ी राहत मिल सकती है. हालांकि नमी का स्तर काफी ऊंचा रहने की संभावना है, जिससे खिलाड़ियों को काफी पसीना आएगा और उन्हें हाइड्रेटेड रहना बेहद जरूरी होगा. अच्छी खबर यह है कि इस दौरान बारिश की कोई संभावना नहीं है. आसमान बिल्कुल साफ रहेगा और मैच बिना किसी रुकावट के पूरा होने की पूरी उम्मीद है. यह फैंस के लिए एक बड़ी राहत है, क्योंकि वे दोनों टीमों के बीच एक रोमांचक और पूरा मुकाबला देखना चाहते हैं. कुल मिलाकर दुबई का मौसम क्रिकेट के इस महामुकाबले के लिए अनुकूल रहेगा, जिससे फैंस को एक शानदार मैच देखने को मिलेगा.

# इंग्लैंड ने रचा इतिहास, टी20 अंतरराष्ट्रीय में 300 का आंकड़ा पार करने वाली पहली टीम बनी

इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को दूसरे टी20 में 146 रनों से हराया

एजेंसियां। मैनचेस्टर

मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर खेले गए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में इंग्लैंड ने इतिहास रच दिया है. इंग्लिश टीम ने शुक्रवार देर रात (भारतीय समयानुसार शनिवार) को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 20 ओवर में सिर्फ 2 विकेट खोकर 304 रन बनाए और टी20 अंतरराष्ट्रीय में किसी फुल-मेम्बर टीम के खिलाफ 300 का आंकड़ा पार करने वाली पहली टीम बन गई. फिल सॉल्ट ने धमाकेदार पारी खेलते हुए मात्र 60 गेंदों में नाबाद 141 रन बनाए. यह किसी भी इंग्लिश बल्लेबाज का टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है. कप्तान जोस बटलर ने भी सिर्फ 30 गेंदों में 83 रन की तूफानी पारी खेलकर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई. पहले ही ओवर से इंग्लैंड ने अपने इरादे साफ कर दिए थे. बटलर ने मात्र 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और टीम ने 5.5 ओवर में ही 100 रन ठोक दिए. सॉल्ट ने 39 गेंदों में शतक पूरा कर इंग्लैंड की ओर से सबसे तेज टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया. जवाब में दक्षिण अफ्रीकी टीम 16.1 ओवर में सिर्फ 158 रन पर ढेर हो गई. कप्तान एडेन मार्कराम (41) और ब्योर्न फोर्टुइन (32) ने थोड़ी कोशिश की, लेकिन इंग्लिश गेंदबाजों के सामने पूरी टीम बिखर गई. जोफ्रा आर्चर ने 25 रन देकर 3 विकेट और सैम करन ने 11 रन देकर 2 विकेट झटके. इस जीत के साथ इंग्लैंड ने सीरीज 1-1 से बराबर कर ली. यह इंग्लैंड की टी20अंतरराष्ट्रीय में अब तक की सबसे बड़ी जीत है.

### इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज से बाहर हुए केशव

**नयी दिल्ली।** दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज इंग्लैंड के खिलाफ जारी टी20 सीरीज़ के बचे हुए दो मैचों से बाहर हो गए हैं. क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. महाराज को ग्रोइन (जांघ) में चोट लगी है. उनकी जगह 30 वर्षीय बाएं हाथ के स्पिनर ब्योर्न फोर्टुइन को टीम में शामिल किया गया है. फोर्टुइन ने आखिरी बार सितंबर 2024 में टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला था. कार्डिफ़ में खेले गए वर्षा बाधित पहले टी20 मैच में दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को 14 रन (डीएलएस पद्धति) से हराया था. सीरीज़ के बाकी दो मुकाबले मैनचेस्टर और नॉटिंघम में खेले जाएंगे.

**संक्षिप्त स्कोर**

इंग्लैंडः 304/2 (20 ओवर)
फिल सॉल्ट 141* (60 गेंद)
जोस बटलर 83 (30 गेंद)
ब्योर्न फोर्टुइन 2/52

दक्षिण अफ्रीकाः 158 (16.1 ओवर)
एडेन मार्कराम 41, ब्योर्न फोर्टुइन 32
जोफ्रा आर्चर 3/25, सैम करन 2/11
इंग्लैंड ने 146 रनों से जीत दर्ज की.

## क्या भज्जी को बीसीसीआई में मिलेगा बड़ा पद?

# एशिया कप के बीच इस फैसले ने चौंकाया

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारत के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) में बड़ा पद मिल सकता है. 28 सितंबर को बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक होने वाली है, जिसके लिए पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन ने हरभजन सिंह को अपना प्रतिनिधि घोषित किया है. द इंडियन एक्स्प्रेस के मुताबिक हरभजन सिंह इस बैठक का हिस्सा होंगे. इससे पहले क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल, सौरव गांगुली को अपना प्रतिनिधि घोषित कर चुका है. 28 सितंबर, वही दिन है जब बीसीसीआई के चुनाव होने हैं, जिसमें अध्यक्ष पद पर नई नियुक्ति भी होनी है.

हरभजन सिंह को इससे पहले पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन का सलाहकार नियुक्त किया गया था. ये पहली बार होगा जब वो राज्य क्रिकेट संघ के प्रतिनिधि के रूप में नजर

आएंगे. सभी राज्य क्रिकेट संघों को नोटिस भेजा जा चुका है कि अपना-अपना प्रतिनिधि घोषित करने की आखिरी तारीख 12 सितंबर होगी. वहीं चुनाव अधिकारी ने आवेदन करने की आखिरी तारीख 20 सितंबर से बढ़ाकर 21 सितंबर कर दी है. यदि कोई उम्मीदवार चाहे तो 23 सितंबर तक अपना नाम वापस ले सकता है और चुनाव 28 सितंबर को होंगे. इसी दिन एशिया कप 2025 का फाइनल भी खेला जाना है.

28 सितंबर को होने वाली बैठक में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष पदों पर फैसला लिया जाना है. कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन ने रघुराम भट्ट, मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने संजय नाइक को अपना प्रतिनिधि बनाया है. हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से पूर्व आईपीएल चेयरमैन अरुण सिंह धूमल और उत्तर प्रदेश की ओर से राजीव शुक्ला इस वार्षिक आम बैठक में मौजूद रहेंगे. हाल ही में पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर का नाम बीसीसीआई प्रेसिडेंट पद से जोड़ा जा रहा था. उन अटकलों ने खूब जोर पकड़ा हुआ था कि सचिन को अगला बीसीसीआई अध्यक्ष चुना जा सकता है, लेकिन हाल ही में उनकी कंपनी 'एसआरटी सपोर्ट मैनेजमेंट' ने साफ किया था कि सचिन तेंदुलकर को बीसीसीआई अध्यक्ष पद मिलने को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है और यह सब झूठ है.

# दुबई में घूम रहे रिंकू सिंह, बुर्ज खलीफा के सामने दिया पोज

एजेंसियां। दुबई

भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह इस समय एशिया कप के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) गए हुए हैं. भारत ने एशिया कप में पहला मैच जीत लिया है. हालांकि यूएई के खिलाफ मैच में रिंकू सिंह को प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं किया गया था, लेकिन आगे आने वाले मैचों में ये खिलाड़ी टीम इंडिया के लिए खेल सकता है. भारत का अगला मैच पाकिस्तान के साथ है, इससे पहले रिंकू सिंह दुबई में बुर्ज खलीफा घूमने गए. रिंकू के साथ टीम के बाकी खिलाड़ी भी दुबई में मौज-मस्ती कर रहे हैं. रिंकू सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दुबई से दो फोटो शेयर की हैं. इसमें एक फोटो में रिंकू अकेले बुर्ज खलीफा सामने हाथ बांधे नजर आ रहे हैं. वहीं दूसरे फोटो में रिंकू के साथ भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा हैं. ये दोनों खिलाड़ी बुर्ज खलीफा के सामने पोज दे रहे हैं.

**रिंकू सिंह ने किया शाहरुख खान का आइकॉनिक पोज :** जितेश शर्मा के साथ शेयर किए दूसरे फोटो में रिंकू सिंह बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान का आइकॉनिक पोज देते नजर आ रहे हैं. रिंकू सिंह ने आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए खेलते हैं और इस फ्रेंचाइजी के मालिकों में नाम शाहरुख खान का भी दर्ज है. रिंकू अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कई बार शाहरुख खानके साथ फोटो अपलोड कर चुके हैं.

**दुबई में हो रही मौज मस्ती :** रिंकू सिंह के अलावा जितेश शर्मा ने भी अपने सोशल मीडिया पर दुबई से फोटो शेयर की हैं. बुर्ज खलीफा देखने रिंकू सिंह और जितेश शर्मा के अलावा अर्शदीप सिंह भी गए थे.

# पाकिस्तान का जीत के साथ आगाज ओमान को 93 रन से दे दी पटखनी

एजेंसियां। दुबई

पाकिस्तान ने ओमान को 93 रन से हराकर एशिया कप 2025 में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की है. शुक्रवार को मौजूदा टूर्नामेंट का चौथा मुकाबला दुबई में खेला गया. टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम ने मोहम्मद हारिस की अर्धशतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 160 रन बनाए. जवाब में ओमान की टीम 16.4 ओवर में सिर्फ 67 रन बना पाई और मुकाबला हार गई.

**ओमान की पारी :** 161 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ओमान की शुरुआत झटके के साथ हुई. उन्हें पहला झटका कप्तान जतिंदर सिंह के रूप में महज दो रन के स्कोर पर लगा. सईम अयूब ने उन्हें बोल्ड किया. वह सिर्फ एक रन बना पाए. इसके बाद अयूब ने आमिर कलीम को एलबीडब्ल्यू आउट किया. वह 13 रन बनाकर पवेलियन लौटे. ओमान के लिए हम्माद मिर्जा ने सर्वाधिक 27 रन बनाए, जबकि आठ बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए. शकील अहमद ने 10 रन बनाए जबकि समय श्रीवास्तव पांच रन बनाकर नाबाद रहे. पाकिस्तान के लिए सईम अयूब, सुफियान मुकीम और फहीम अशरफ ने दो-दो विकेट झटके. वहीं, शाहीन शाह अफरीदी, अबरार अहमद और मोहम्मद नवाज को एक-एक सफलता मिली.

**पाकिस्तान की पारी :** पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही. सईम अयूब को पहले ओवर की दूसरी गेंद पर शाह फैसल ने एलबीडब्ल्यू आउट किया. वह खाता भी नहीं खोल पाए. इसके बाद तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद हारिस ने साहिबजादा फरहान के साथ मोर्चा संभाला. दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 63 गेंदों में 85 रनों की साझेदारी हुई, जिसे आमिर कलीम ने तोड़ा.

## घटिया बोल | इरफान पठान पर झूठ फैला रहा पाकिस्तानी क्रिकेटर शाहिद अफरीदी !

# भारत में घर जलाने की धमकी से खौफ, वीडियो देख खून खौल उठेगा

एजेंसियां। नयी दिल्ली

एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में घमासान होगा. मैच से पहले दोनों देशों के क्रिकेट एक्सपर्ट अपनी -अपनी राय रख रहे हैं, लेकिन पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने जो कहा है वह बेहद ही शर्मनाक है. वैसे तो शाहिद अफरीदी ने हमेशा ही भारत के खिलाफ जहर उगलने का काम किया है. ऐसे में उनसे कुछ अच्छा कहने की उम्मीद भी नहीं की जा सकती है. ऐसे में उम्मीद के मुताबिक एक बार फिर अफरीदी ने एक पाकिस्तानी टीवी चैनल पर एशिया कप के शो दौरान भारतीय खिलाड़ियों को लेकर विवादित बयान दिया है. सोशल

मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में अफरीदी को ये कहते हुए सुना जा सकता है कि, 'भारत के मुस्लिम प्लेयर्स को घर जलाने की धमकियां दी जाती है. कुछ एक ऐसे हैं जो अभी तक वहां साबित कर हैं कि हम हिंदुस्तानी है और अब एशिया कप में कमेंट्री भी कर रहे हैं.'

**इरफान पठान पर साधा निशाना :** बता दें कि शाहिद अफरीदी ने टीवी शो में बात करते हुए बिना लिए भारतीय दिग्गज इरफान पठान पर निशाना साधा है. वायरल क्लिप में जिस खिलाड़ी के कमेंट्री पर उन्होंने बात की है वो इरफान पठान ही हैं. क्योंकि इरफान ही सोनी नेटवर्क के कमेंट्री पैनल में शामिल हैं. हालांकि, शाहिद अफरीदी के इस विवादित वीडियो पर इरफान पठान की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है.

**डब्ल्यूसीएल में बायकॉट से लगी है अफरीदी मिर्ची :** हाल ही में वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड में इंडिया चैंपियन के खिलाड़ियों ने पाकिस्तान के साथ मुकाबले का बायकॉट किया था. इंडिया चैंपियन में इरफान पठान, शिखर धवन, हरभजन सिंह और युवराज सिंह जैसे खिलाड़ियों ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलने से इंकार कर दिया था. भारतीय खिलाड़ियों के इस फैसले से विश्व स्तर पर पाकिस्तान की बेइज्जती हुई थी और फैंस ने भी सराहा कि एक ऐसे देश के साथ किसी भी तरह का संबंध नहीं रखना चाहिए जो आतंकियों को पनाह देता हो. मासूम और निर्दोष लोगों की हत्या करवाता हो. डब्ल्यूसीएल में क्रिकेट मैच में हुए बायकॉट के बाद से ही शाहिद अफरीदी को मिर्ची लगी हुई है. और वह हर जगह आग उलगता रहा है. हालांकि उसको हरभजन सिंह समेत कई पूर्व खिलाड़ियों ने समय-समय पर माकूल जवाब दिया है.

## मशहूर टेनिस प्लेयर को डेट कर रहीं खूबसूरत मॉडल

# कार्लोस अल्काराज के साथ जुड़ रहा नाम

एजेंसियां। वाशिंगटन

स्पेन के टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज अपने खेल के साथ ही पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में आ गए हैं. कार्लोस अमेरिकी मॉडल के साथ रिलेशनशिप में हैं. कार्लोस अल्काराज के साथ अमेरिकी मॉडल ब्रूक्स नादेर का नाम जुड़ रहा है. आखिर कौन हैं ब्रूक्स नादेर. द सन की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रूक्स नादेर को एक स्विमसूट मॉडल कहा जाता है. 2019 में स्पोर्ट्स इलस्ट्रेटेड स्विम सर्च प्रतियोगिता जीतने के बाद नादेर एक स्टार के रूप में सामने आईं. ब्रूक्स नादेर की बहन ग्रेस एन नादेर ने इन दोनों के डेटिंग रुमर्स की पुष्टि की है. ब्रूकस की बहन ने कहा कि सभी अफवाहें सच हैं. इसके साथ ही कार्लोस और ब्रूक्स के रिलेशनशिप

की खबरें और भी तेज हो गई हैं.

कार्लोस अल्काराज ने हाल ही में यूएस ओपन का खिताब जीता है. कार्लोस ने फाइनल में वर्ल्ड नंबर-1 जैनिक सिनर को हराया. कार्लोस अल्काराज अब तक 6 ग्रैंडस्लैम अपने नाम कर चुके हैं. इसकी शुरुआत उन्होंने यूएस ओपेन 2022 जीतने के साथ की थी. कार्लोस अल्काराज अब तक यूएस ओपन 2022, विंबलडन 2023, विंबलडन 2024, फ्रेंच ओपन 2024, फ्रेंच ओपन 2025 और यूएस ओपन 2025 जीत चुके हैं.

## दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

**हजारीबाग ।** हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज एंड हॉस्पिटल एवं मिशन हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान मेंआनंदा कॉलेजमें आयोजित दो दिवसीयनि:शुल्क स्वास्थ्य शिविरका सफल समापन हुआ. शिविर मेंडेंटल के 45 और सामान्य स्वास्थ्य के 70 मरीजोंकी जांच और उपचार किया गया.शिविर में दांत, आंख, शुगर, कोलेस्ट्रॉल और रक्त की जांचनि:शुल्क उपलब्धकराई गई. चिकित्सकों ने मरीजों को स्वास्थ्य संबंधी जरूरी सलाह दी. कॉलेज प्रबंधन ने इस आयोजन कीप्रशंसा करते हुए डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के प्रति आभारव्यक्त किया. मौके परडॉ. प्रवीण श्रीनिवास, सचिव हजारीबाग डेंटल कॉलेज सह संचालक मिशन हॉस्पिटल ने कहा कि "बुनियादी उपचार को जरूरतमंदों तक नि:शुल्क पहुंचाना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना हमारा मुख्य उद्देश्य है."शिविर मेंडॉ. शैली, डॉ. दीपांशु, राज मोना, मुस्कान कुमारी, आकांक्षा कुमारी, श्रद्धा कुमारी और सफिया अलीने सराहनीय योगदान दिया.

### दुर्गा पूजा की तैयारी को लेकर डीसी की अध्यक्षता में जिला एवं पुलिस प्रशासन की अहम बैठक

# पंडाल में थर्माकोल और नायलॉन कपड़े का उपयोग पूरी तरह वर्जित, अग्निशमन यंत्र की व्यवस्था अनिवार्य

**शुभमसंदेश। हजारीबाग**

हजारीबागके उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को समाहरणालय सभागार में दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित रूप से मनाने के लिए जिला एवं पुलिस प्रशासन की महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें पुलिस अधीक्षक, डीडीसी, नगर आयुक्त, अपर समाहर्ता, सदर व बरही एसडीओ सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे.

**पूजा पंडाल मजबूत एवं सुरक्षित बनवाएं :** बैठक में उपायुक्त ने पूजा आयोजकों को सख्त निर्देश दिए कि दुर्गा पूजा पंडाल मजबूत एवं सुरक्षित बनवाएं. उन्होंने कहा कि थर्माकोल और नायलॉन कपड़े का उपयोग पूजा पंडाल निर्माण में पूरी तरह से वर्जित रहेगा. प्रत्येक पंडाल में पुरुष और महिला प्रवेश-निकासी के लिए अलग-अलग व्यवस्था करना अनिवार्य होगा. इसके साथ ही, आयोजकों को छोटे अग्निशमन यंत्रों की व्यवस्था अपने स्तर से सुनिश्चित करनी होगी.

**साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था और कूड़ा प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें :** जिला प्रशासन ने साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था और कूड़ा प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने को कहा है. पंडालों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का प्रावधान भी किया जाएगा. खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा पंडाल के आसपास खाद्य दुकानों की नियमित जांच और खराब उत्पादों की सैंपलिंग कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी. शहर में यातायात नियंत्रण के लिए बैरिकेडिंग की जाएगी और पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया जाएगा, ताकि यातायात सुचारू रूप से संचालित हो सके. दुर्गा पूजा के दौरान भड़काऊ एवं अश्लील गीतों पर प्रतिबंध रहेगा. अवैध शराब व नशाखोरी रोकने के लिए उत्पाद विभाग को भी कड़े निर्देश दिए गए हैं. जबरन चंदा वसूली पर रोक लगाने के लिए सभी थाना प्रभारी एवं अंचल अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाएंगे. साइबर सेल के माध्यम से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की निगरानी रखी जाएगी. साथ ही, ड्रोन कैमरे से भी पंडाल और आसपास की वीडियो निगरानी की जाएगी. दुर्गा प्रतिमा विसर्जन स्थल पर बचाव एवं सुरक्षा के उचित प्रबंध जिला प्रशासन द्वारा किए जाएंगे.उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को दिए गए सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करानेकोकहा, ताकि इस बार की दुर्गा पूजा शांति, सौहार्द और सुरक्षा के साथ सफलतापूर्वक मनाई जा सके.

## एक नजर

### शिक्षक-अभिभावक बैठक में दो प्रतिशत उपस्थिति गंदगी देख चेयरमैन ममता कुमारी ने जताई नाराजगी

**हंटरगंज (चतरा) ।** परियोजना बालिका उच्च विद्यालय में शनिवार को शिक्षक-अभिभावक बैठक आयोजित की गई, जिसमें केवल2% अभिभावक ही उपस्थितरहे. विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष भी अनुपस्थित थे. बैठक की अध्यक्षता प्रभारी प्रधानाध्यापक इंदल कुमार ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में चेयरमैन ममता कुमारी मौजूद रहीं. चेयरमैन ने छात्रों की शत-प्रतिशत उपस्थिति और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर बल दिया. उन्होंने अभिभावकों से कहा कि भले वे अनपढ़ हों, लेकिन बच्चों को पढ़ने जरूर भेजें. निरीक्षण के दौरानविद्यालय परिसर में फैली गंदगीदेखकर चेयरमैन नाराज हो गईं. उन्होंनेप्राचार्य और चपरासी को फटकार लगाते हुए साफ-सफाईपर ध्यान देने की चेतावनी दी. उन्होंने दोबारा निरीक्षण के दौरान बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा. मौके पर कई शिक्षक एवं शिक्षिका उपस्थित थीं.

### मंदिर समिति गठन से पीछे हटा लेम्बोईया पक्ष

**पत्थलगड़ा।** मां भगवती मंदिर प्रबंधन समिति के गठन को लेकर सिंघानी और लेम्बोईया गांव के बीच विवाद फिर गहराता जा रहा है.12 सितंबर को बुलाई गई बैठक में लेम्बोईया पक्ष अनुपस्थित रहा. उन्होंने हाई कोर्ट में मामला होने का हवाला दिया, जबकि सूत्रों के अनुसार मामला चतरा कोर्ट में लंबित है. पूर्व में 21 जनवरी को मंदिर का नाम "मां दक्षिणेश्वरी भगवती मंदिर" और 33 सदस्यीय समिति गठन पर सहमति बनी थी. परंतु अंचलाधिकारी की निष्क्रियता और लेम्बोईया पक्ष की मनमानी से समिति अब तक नहीं बन पाई.सिंघानी ग्रामवासियों ने आरोप लगाया कि मंदिर का आय-व्यय बिना लेखा-जोखा के मनमाने ढंग से संचालित हो रहा है. उन्होंने मांग की है कि जब तक विवाद सुलझे, प्रशासन मंदिर का नियंत्रण अपने हाथ में ले. अन्यथा उग्र आंदोलन की चेतावनी दी गई है.

### अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद, हत्या की आशंका

**मरकच्चो।** कोडरमा के नवलशाही थाना क्षेत्र के मसमोहना कब्रिस्तान के पास शनिवार को एक अज्ञात अंधेड़ व्यक्ति का शव मिला. शव पर कई जख्म के निशान थे और स्थानीय लोग मानते हैं कि यह हत्या कर 2-3 दिन पहले यहां फेंका गया है. ग्रामीणों ने शव देखा और पुलिस को सूचना दी. नवलशाही थाना प्रभारी शशिभूषण कुमार मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा. उन्होंने बताया कि शव की शिनाख्त अभी तक नहीं हो पाई है और संभावना है कि व्यक्ति मानसिक रूप से विक्षिप्त था. शव काफी सड़ा हुआ था और कीड़े लग चुके थे. पुलिस आसपास के थानों से भी संपर्क कर गुमशुदगी के मामलों की जांच कर रही है. शव को पोस्टमार्टम के बाद 72 घंटे शीत गृह में रखा जाएगा ताकि पहचान की जा सके.

### गैरमजरूआ जमीन पर भू-माफियाओं का कब्जा

**हजारीबाग ।** हजारीबाग के शंकरपुर इलाके में भू-माफियाओं ने गैरमजरूआ और रेलवे लाइन के किनारे की जमीन पर अवैध कब्जा कर निर्माण कार्य शुरू कर दिया था. स्थानीय लोगों की शिकायत पर शनिवार को रेलवे कर्मचारी और कटकमदाग अंचलाधिकारी मौके पर पहुंचे और निर्माण कार्य को तुरंत बंद कराया. अंचलाधिकारी ने कहा कि मामले की गंभीरता से जांच की जाएगी और यदि कब्जा साबित हुआ तो सख्त कार्रवाई की जाएगी.स्थानीय लोगों ने बताया कि शंकरपुर समेत आसपास के क्षेत्रों में भू-माफियाओं का दबदबा बढ़ रहा है, जो गैरमजरूआ जमीन पर बाउंड्री बनाकर अस्थाई संरचनाएं खड़ी कर रहे हैं. कुछ लोग सरकारी जमीन को भी बेचने और बंटवारा करने में संलिप्त हैं. रेलवे कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि रेलवे की जमीन भू-माफियाओं को कभी नहीं दी जाएगी.

### वकीलों व पुलिस में विवाद, 23 वकीलों पर प्राथमिकी

**हजारीबाग ।** हजारीबाग में अधिवक्ताओं और पुलिस के बीच विवाद गंभीर रूप ले लिया है. पुलिस ने 23 नामजद व कुछ अज्ञात अधिवक्ताओं के खिलाफ सदर थाना में FIR संख्या 282/25 के तहत एससी-एसटी एक्ट समेत BNS की 16 धाराओं में मामला दर्ज किया है. यह मामला 9 सितंबर को कटकमसांडी के डांटो खुर्द गांव में फर्जी एसीबी अधिकारी बनकर उगाही करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद शुरू हुआ.11 सितंबर को आरोपियों को न्यायालय में पेश करते समय वकीलों के एक समूह ने पुलिस कर्मियों पर हमला किया. पुलिस ने बताया कि वकीलों ने एसआई मनोज कुजूर की वर्दी फाड़ दी, नेमप्लेट तोड़ा, जातिसूचक गालियां दीं और जान से मारने की कोशिश की. कुछ वकीलों ने उनके गले पर पेन घुसाकर गंभीर चोट पहुंचाई. पुलिस संघ ने इस घटना की निंदा करते हुए दोषी वकीलों के बार काउंसिल से लाइसेंस रद्द करने की मांग की है.

### कीर्ति श्री ने वेयर हाउस का किया आंतरिक निरीक्षण

**चतरा ।** भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार शनिवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी एवं चतरा के उपायुक्त कीर्ति श्री की अध्यक्षता में जिला निर्वाचन कार्यालय स्थित वेयरहाउस का आंतरिक निरीक्षण किया गया. इस दौरान उपायुक्त ने वेयरहाउस की सुरक्षा, रख-रखाव और साफ-सफाई की स्थिति का विस्तृत निरीक्षण किया. सभी ताले, सील, रिकॉर्ड एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं की भौतिक जांच की गई. उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग, सफाई और उपकरणों के समय-समय पर परीक्षण का निर्देश भी दिया. निरीक्षण में मान्यता प्राप्त सभी राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्ष, सचिव एवं उनके प्रतिनिधि मौजूद थे. साथ ही कार्यपालक अभियंता भवन एवं विद्युत प्रमंडल, उप निर्वाचन पदाधिकारी वेदवंती कुमारी तथा अन्य कार्यालय कर्मचारी भी उपस्थित रहे.

### कोयला लदा ट्रक जब्त, तस्करों पर उठे सवाल

**चौपारण ।** शनिवार सुबह वन विभाग ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए कोयला लदा ट्रक (जेएच 02 एयू-1029) जब्त किया. इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया. चौपारण लंबे समय से कोयला, गौ, लकड़ी, मछली, शराब, डीजल, नशा और देह व्यापार जैसे अवैध कारोबार का अड्डा बना हुआ है. लगातार कार्रवाई के बावजूद तस्करी रुक नहीं रही, जिससे लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या तस्करों को किसी का संरक्षण प्राप्त है? स्थानीय लोगों का कहना है कि असली सरगनाओं और उनके संरक्षकों पर कार्रवाई जरूरी है. ग्रामीणों में नाराजगी है और प्रशासन से ठोस कदम की मांग की जा रही है. वन विभाग ने कहा है कि कार्रवाई लगातार जारी रहेगी, लेकिन असली चुनौती पूरे नेटवर्क को तोड़ने की है.

### नगवां मुहल्ला मार्ग जर्जर, दुर्घटना का खतरा बढ़ा

**चतरा ।** पाफेक्स मॉल के बगल से नगवां मुहल्ला तक जाने वाली सड़क की हालत बेहद खराब हो चुकी है. सड़क पर कई जगह दरारें हैं और किनारे कटाव भी हो गया है. पोखर के पास बनी यह सड़क हर रोज स्थानीय लोगों के आवागमन का मुख्य मार्ग है. लोगों ने बताया कि नगर परिषद ने अब तक मरम्मत पर ध्यान नहीं दिया है. संतु खान, सराफत मियां, तिलक साव, मो. सोनू, नईम मियां समेत अन्य ने उपायुक्त कीर्तिश्री से जल्द मरम्मत की मांग की है.

### झमाझम बारिश से फिर से खेतों में लौटी हरियाली

**चंदवारा (कोडरमा)।** कोडरमा जिले के विभिन्न हिस्सों में लगातार हुई झमाझम बारिश से किसानों के चेहरे पर दोबारा रौनक लौट आई है. खासकरचंदवारा प्रखंडमें शुक्रवार रात हुई बारिश से खेतों में हरियाली आ गई है. विगत कुछ दिनों से बारिश नहीं होने के कारण किसानधान की फसलको लेकर चिंतित थे.कारोंजिया गांवके किसानराजू यादवने बताया कि अच्छी वर्षा की उम्मीद में धान की रोपनी की गई थी, लेकिन बारिश की कमी से मायूसी छा गई थी. अब हुई बारिश ने खेतों में जरूरी नमी ला दी है.

## डीसी ने की विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक

**चतरा ।** समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त कीर्तिश्री जी की अध्यक्षता में ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं की गहन समीक्षा बैठक आयोजित हुई. बैठक में अबुआ आवास योजना, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), पीएम जनमन, झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रोमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस), मनरेगा अंतर्गत बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना, अपूर्ण आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति, वीर शहीद पोटो हो खेल विकास योजना, मरेगा पार्क और बिरसा हरित ग्राम योजना समेत कई योजनाओं की प्रगति पर बिंदुवार चर्चा की गई. उपायुक्त ने ग्रामीण विकास योजनाओं की प्रगति में किसी भी लापरवाही को बर्दाश्त नहीं करने का स्पष्ट निर्देश दिया. विशेष रूप से अबुआ आवास योजना 2023-24 एवं 2024-25 की समीक्षा करते हुए कहा कि जिन प्रखंडों में प्रगति संतोषजनक नहीं है, उनके जिम्मेदार अधिकारियों से स्पष्टीकरण लिया जाएगा और आवश्यकतानुसार वेतन पर रोक भी लगाई जाए

## सामाजिक कुरीतियों की रोकथाम व जनकल्याणकारी योजनाओं पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

**हजारीबाग।** सूचना भवन, हजारीबाग में जिला समाज पदाधिकारी शिप्रा सिन्हा की अध्यक्षता में सामाजिक कुरीतियों की रोकथाम एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस दौरान डायन प्रथा, बाल विवाह, भ्रूण हत्या और लिंग भेद रोकथाम पर विस्तार से चर्चा हुई. डायन प्रथा प्रतिषेध अधिनियम, 2001 के तहत महिलाओं को प्रताड़ित करने पर सजा का उल्लेख किया गया. बाल विवाह पर रोक लगाने और उसकी कानूनी सजा के साथ ही टोल फ्री नंबर 112 एवं 1098 पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी दी गई. मुख्यमंत्री कन्यादान, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि, प्रधानमंत्री मातृ वंदना व विधवा पुनर्विवाह योजना से भी अवगत कराया गया. संरक्षण पदाधिकारी दीप नारायण चौधरी ने फोस्टर केयर योजना के तहत 4000 मासिक सहायता की जानकारी दी. कार्यशाला में बाल विकास परियोजना पदाधिकारी और महिला पर्यवेक्षिकाओं सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे.

## चौपारण में जहरीली मिठाइयों की धड़ल्ले से बिक्री

**चौपारण ।** प्रखंड में मिठाइयों के नाम पर लोगों की सेहत से खिलवाड़ हो रहा है. गिरिडीह और गया से लाकर नकली व जहरीली मिठाइयां खुलेआम होटल-ढाबों में बेची जा रही हैं. कुछ दुकानदार तो खराब मिठाइयों को रासायनिक प्रक्रिया से दोबारा तैयार कर बेच रहे हैं, जिससे जानलेवा बीमारियों का खतरा बढ़ गया है. हालात बेहद गंभीर हैं, लेकिन प्रशासन और खाद्य सुरक्षा विभाग मौन है. फूड सेफ्टी ऑफिसर की सक्रियता केवल शहर तक सीमित है, जबकि गांव और प्रखंड स्तर पर निरीक्षण नहीं हो रहा. ग्रामीणों ने दोषियों पर छापेमारी और सख्त कार्रवाई की मांग की है ताकि आम लोगों की सेहत से खिलवाड़ रोका जा सके.

## कटकमदाग अंचल का अपर समाहर्ता ने किया औचक निरीक्षण, सकारात्मक व्यवहार पर दिया जोर

**हजारीबाग ।** शनिवार को जिले के अपर समाहर्ता संतोष सिंह ने कटकमदाग अंचल का औचक निरीक्षण कर राजस्व से जुड़े मामलों की समीक्षा की. उन्होंने भूमि विवाद, दाखिल-खारिज रजिस्टरों के रखरखाव और आम जनता की शिकायतों के शीघ्र समाधान पर विशेष जोर दिया. उन्होंने अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से काम करने, पारदर्शिता बनाए रखने और जनता के साथ सकारात्मक व्यवहार करने के निर्देश दिए. अपर समाहर्ता ने लंबित जमीन विवादों का जल्दी निपटारा करने तथा सरकारी योजनाओं का लाभ सही लाभुकों तक पहुंचाने पर भी बल दिया. निरीक्षण के दौरान कई वरीय अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे. यह निरीक्षण अधिकारियों के लिए कड़ा संदेश और जनता के लिए उम्मीद की किरण माना जा रहा है.

### पीएम श्री बालिका विद्यालय में शिक्षक-अभिभावक बैठक का आयोजन

# लाइब्रेरी, स्मार्ट क्लास जैसी अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी : मंत्री

- कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री व विधायक सहित कई गणमान्य अतिथि हुए शामिल

**शुभमसंदेश ।कोडरमा**

जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कोडरमा के पीएम श्री परियोजना बालिका प्लस टू उच्च विद्यालय में शिक्षक-अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री एवं कोडरमा सांसद श्रीमती अन्नपूर्णा देवी, विधायक डॉ. नीरा यादव उपस्थित रहीं. कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसमें उपायुक्त ऋतुराज, जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव समेत अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया.

केंद्रीय मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने विद्यालय की छात्राओं की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि 'पीएम श्री' परियोजना के तहत लाइब्रेरी, स्मार्ट क्लास जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी. उन्होंने छात्राओं को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहकर विभिन्न क्षेत्रों में दक्ष बनने के लिए प्रोत्साहित किया. साथ ही पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर जोर देते हुए हर छात्रा से अपनी माँ के नाम पर एक पेड़ लगाने और उसकी देखभाल करने का आह्वान किया. उन्होंने स्वच्छता और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था पर भी ध्यान दिलाया.

विधायक डॉ. नीरा यादव ने अभिभावकों को बच्चों की शिक्षा में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया और कहा कि शिक्षक-अभिभावक बैठक बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है. उपायुक्त ऋतुराज ने कहा कि यह बैठक अभिभावकों और प्रशासन के बीच संवाद का माध्यम है, जिससे छात्रों की समस्याओं का समाधान संभव हो सके. उन्होंने कोडरमा जिले की शिक्षा व्यवस्था की प्रगति की जानकारी दी और 'प्रोजेक्ट इंपैक्ट' के तहत विद्यालयों में सुधार के प्रयासों पर प्रकाश डाला.

जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी बैठकें शैक्षणिक गुणवत्ता और बच्चों की समग्र प्रगति में सहायक होती हैं. बैठक में अभिभावकों ने विद्यालय से संबंधित समस्याएँ भी साझा कीं, जिनके शीघ्र समाधान के निर्देश केंद्रीय मंत्री द्वारा दिए गए. कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और शिक्षण सामग्री से सम्मानित किया गया. इसके अतिरिक्त, आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण का शिलान्यास किया गया. स्टॉप चाइल्ड मैरिज, सेव द गर्ल चाइल्डस और स्वन स्टॉप सेंटरस के प्रचार के लिए जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया. स्बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओस अभियान के तहत हस्ताक्षर बोर्ड पर हस्ताक्षर कर संदेश भी दिया गया. अतिथियों ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया. इस अवसर पर उप विकास आयुक्त रवि जैन, अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह, जिला शिक्षा अधीक्षक अजय कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी अविनाश राम सहित अन्य अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे.

## 40 लाभुकों को 90% अनुदान पर मिला विद्युत चाक

**चतरा।** जिला उद्योग केन्द्र चतरा के परिसर में झारखंड माटीकला बोर्ड और मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड के सहयोग से माटीकला विद्युत चाक वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाप्रबंधक शम्भु शरण बैठा ने की और 40 चयनित लाभुकों को 90 प्रतिशत अनुदान पर अत्याधुनिक विद्युत चाक वितरित किया. महाप्रबंधक ने बताया कि यह योजना पारंपरिक माटी शिल्पकारों को तकनीकी उपकरण उपलब्ध कराकर उनकी उत्पादन क्षमता बढ़ाने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई है. इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे. लाभुकों में विभिन्न प्रखंडों से शिल्पकार शामिल थे, जिन्होंने जिला प्रशासन और उद्योग विभाग का आभार व्यक्त किया. जिला उद्यमी समन्वयक हेमन्त केशरी ने कहा कि विद्युत चाक से शिल्पकारों का परिश्रम कम होगा और उत्पादन बढ़ेगा, जिससे बाजार की मांग पूरी होगी. कार्यक्रम में अनेक प्रखंड उद्यमी समन्वयक और माटी शिल्पकार उपस्थित थे.

## धान अधिप्राप्ति में बैंक गारंटी की अनिवार्यता का पैक्स अध्यक्षों ने किया विरोध, बहिष्कार की चेतावनी

**रामगढ़ ।** धान अधिप्राप्ति में बैंक गारंटी अनिवार्य करने के आदेश के खिलाफ रामगढ़ जिले के पैक्स अध्यक्षों और सचिवों ने जोरदार विरोध जताया. जिला सहकारिता पदाधिकारी द्वारा 24 घंटे में गारंटी जमा करने का निर्देश मिलने पर शनिवार को व्यापार मंडल कार्यालय में बैठक हुई. सभी ने पूर्व की तरह बिना गारंटी अधिप्राप्ति कार्य जारी रखने की मांग की और चेतावनी दी कि आदेश नहीं हटने पर वे कार्य का बहिष्कार करेंगे. मांग पत्र कृषि और आपूर्ति मंत्री को भेजा गया. कई पैक्स प्रतिनिधि मौके पर मौजूद थे.

## बरकट्ठा में उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने की योजनाओं और स्वास्थ्य सेवाओं की गहन समीक्षा

**हजारीबाग ।** उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने शनिवार को बरकट्ठा प्रखंड का दौरा कर विभिन्न योजनाओं एवं स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण किया. उन्होंने सबसे पहले शिलाडीह पंचायत के बाराडीह गांव में आम बागवानी योजना का अवलोकन किया और लाभुक चिंता देवी से संवाद कर पौधों की देखरेख के लिए आवश्यक सुझाव दिए. उपायुक्त ने योजना की स्वीकृत राशि, गड्ढों की गहराई जैसे बिंदुओं की गहन जांच की और अधिकारियों को बागवानी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए. इसके बाद उपायुक्त ने बेलकपी पंचायत सचिवालय का निरीक्षण किया. उन्होंने जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, आधार सीडिंग, विवाह पंजीकरण एवं अन्य सेवाओं से संबंधित रजिस्टरों की जांच की और सचिवालय की सेवाओं को सुचारू बनाने के लिए दिशा-निर्देश दिए. बरकट्ठा के सूर्यकुण्ड का भी उन्होंने निरीक्षण किया और परिसर की सफाई, सुरक्षा जाली निर्माण व सोलर सिस्टम लगाने के निर्देश दिए.

## धान अधिप्राप्ति केंद्र को लेकर पैक्स संघ का विरोध चार जिलों के अध्यक्ष हुए एकजुट, आंदोलन की चेतावनी

**हजारीबाग ।** हजारीबाग के निर्मल महतो पार्क में हजारीबाग, चतरा, कोडरमा और रामगढ़ जिले के पैक्स संघ की संयुक्त बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता गजेंद्र यादव ने की, जबकि संचालन गिरधारी महतो ने किया. झारखंड सरकार के पत्रांक 2413 (02 सितंबर 2025) और जिला सहकारिता पदाधिकारी हजारीबाग के पत्रांक 601 (06 सितंबर 2025) में धान अधिप्राप्ति केंद्रों के संचालन के लिए पैक्स अध्यक्षों से 100 एमटी क्षमता वाले गोदाम के लिए 24 लाख रुपये और 200 एमटी क्षमता वाले गोदाम के लिए 48 लाख बैंक गारंटी मांगने का प्रावधान है.

**उपलब्धि** — नगर पंचायत के वार्ड संख्या एक स्थित फुलवरिया गांव में खुशी का माहौल

# आजादी के बाद पहली बार फुलवरिया में पहुंची बिजली

- उद्घाटन के बाद ट्रांसफार्मर और जलते बल्बों की रोशनी देखकर ग्रामीणों ने इसे उम्मीद की नई किरण बताया

**शुभम संदेश ।कोडरमा**

नगर पंचायत के वार्ड संख्या एक स्थित फुलवरिया गांव में आजादी के 78 साल बाद पहली बार बिजली का उद्घाटन हुआ है, जिससे ग्रामीणों में उत्साह का माहौल है. बीते दिनों ध्वजाधारी धाम से फुलवरिया तक बिजली के पोल और तार लगाने का कार्य पूरा हुआ. शनिवार को केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव, बरकट्ठा विधायक अमित यादव और जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव ने संयुक्त रूप से पूजा-पाठ कर बिजली का उद्घाटन किया. इस मौके पर जिले के उपायुक्त ऋतुराज, एसपी अनुदीप सिंह, डीएफओ सूरज सिंह, डीडीसी रवि जैन समेत कई अधिकारी उपस्थित थे. फुलवरिया, जो कोडरमा मुख्यालय से केवल 5 किलोमीटर दूर है, लंबे समय तक बिजली और पक्की सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित रहा क्योंकि यहां पहुंचने वाला रास्ता वाइल्डलाइफ क्षेत्र से गुजरता है. इसी कारण कई बार ग्रामीणों ने चुनावों में वोट बहिष्कार भी किया था. मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि बिजली पहुंचाने के लिए उन्होंने सदन में कई बार आवाज उठाई. विधायक डॉ. नीरा यादव ने बताया कि वन क्षेत्र की बाधाओं के कारण बिजली का काम विलंबित हुआ, लेकिन अब सड़कों और आंगनबाड़ी केंद्र का भी निर्माण जल्द शुरू किया जाएगा. स्थानीय महिलाओं ने खुशी जताई कि अब उनके बच्चे बेहतर पढ़ाई कर पाएंगे क्योंकि पहले बिजली न होने के कारण वे कई आधुनिक सुविधाओं से वंचित थे. गांव के लोग अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के इस प्रयास के लिए आभार व्यक्त कर रहे हैं. उद्घाटन के बाद ट्रांसफार्मर और जलते बल्बों की रोशनी देखकर ग्रामीणों ने इसे उम्मीद की नई किरण बताया. यह उपलब्धि फुलवरिया गांव के लिए विकास की दिशा में बड़ा कदम है, जिससे गांव के लोगों का जीवन स्तर बेहतर होगा और उनके समग्र विकास की राह खुलेगी.

## डीएमएफटी शासी एवं न्यास परिषद की बैठक

**कोडरमा ।** समाहरणालय सभागार में केंद्रीय मंत्री एवं कोडरमा की सांसद श्रीमती अन्नपूर्णा देवी की अध्यक्षता में डीएमएफटी न्यास परिषद और शासी परिषद की बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई. बैठक में सांसद निधि मद, डीएमएफटी फंड की प्रगति, आय-व्यय की जानकारी के साथ ही क्रियान्वित योजनाओं की समीक्षा की गई. नई योजनाओं के अनुमोदन और घटनोत्तर स्वीकृति पर भी चर्चा हुई. बैठक में विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता ने कोडरमा जिले में बिजली आपूर्ति, वितरण नेटवर्क, शिकायत निवारण प्रणाली और सुधार कार्यों की जानकारी दी. मंत्री ने बिजली आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने, बिजली कटौती रोकने और बिल संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु अभियान चलाने के निर्देश दिए. आरएनआर नीति के तहत पूर्व तथा नयी योजनाओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए.

## न्यूज अपडेट

### इस्राइली हमलों से यमन में भारी तबाही, 46 लोगों की हो गयी मौत

**सना।** यमन की राजधानी सना में इस्राइली हवाई हमलों ने जमकर तबाही मचाई है. इन हमलों में हूती विद्रोहियों को निशाना बनाते हुए इस्राइल ने सैन्य मुख्यालय, ईंधन स्टेशन और रिहायशी इलाकों पर मिसाइलें दागीं, जिससे कम से कम 46 लोगों की मौत हो गई. मरने वालों में 11 महिलाएं, 5 बच्चे और 11 स्थानीय पत्रकार शामिल हैं, जबकि 165 लोग घायल हुए हैं. इस्राइली कार्रवाई, हूती विद्रोहियों द्वारा इस्राइल पर किए गए ड्रोन हमले के जवाब में की गई. उस ड्रोन हमले में इस्राइल का एक हवाई अड्डा निशाना बना और एक व्यक्ति घायल हुआ था. इसके बाद यमन पर जवाबी हमला किया, जिसने सना के मध्य तहरीर इलाके समेत कई हिस्सों को प्रभावित किया.

### सिंध में सिंधु नदी में पानी की कमी मछुआरों की आजीविका संकट में

**नयी दिल्ली।** पाक के सिंध प्रांत में सिंधु नदी का जलस्तर घटने और तटीय क्षेत्रों में लगातार भूमि कटाव ने मछुआरा समुदाय की चिंताएं बढ़ा दी हैं. सिंध के तटवर्ती इलाकों में रह रहे हजारों मछुआरे अपनी जमीन और रोज़गार खोने की कगार पर हैं. मछुआरों का कहना है कि उन्होंने सरकार से कई बार मदद की गुहार लगाई, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हुई. फिशरफोक फोरम की केंद्रीय नेता यासमीन शाह के अनुसार, सिंध के तटीय इलाकों में भूमि कटाव की समस्या पहली बार 1950 में सामने आई थी और अब तक लगभग 35 लाख एकड़ जमीन समुद्र में समा चुकी है. इससे न केवल हजारों परिवारों को पलायन करना पड़ा, बल्कि उनकी आजीविका भी खत्म हो गई. शाह ने यह भी आरोप लगाया कि सिंध सरकार की अनुबंध आधारित नीतियों ने मत्स्य पालन क्षेत्र को निजी कंपनियों के हवाले कर दिया है.

### न्यूयॉर्क में बैठक : संयुक्त राष्ट्र में इस्राइल-पाकिस्तान में तीखी बहस

**नयी दिल्ली।** संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की न्यूयॉर्क में हुई बैठक में इस्राइल और पाकिस्तान के प्रतिनिधियों के बीच तीखी बहस देखने को मिली. मामला कतर की राजधानी दोहा में हुए उस हमले को लेकर उठा, जिसमें इस्राइल ने हमास नेताओं को निशाना बनाया. पाकिस्तान के दूत आसिम इफ्तिखार अहमद ने इस हमले को अवैध और अकारण आक्रामकता बताते हुए कड़ी निंदा की और सवाल उठाया कि विदेशी धरती पर आतंकवादियों को निशाना क्यों बनाया गया. इस पर इस्राइली प्रतिनिधि डैनी डैनन ने तीखा जवाब देते हुए कहा कि पाकिस्तान इस तथ्य को नहीं बदल सकता कि खूंखार आतंकी ओसामा बिन लादेन को उसी की धरती पर मारा गया था.

### नासा ने चीनी नागरिकों पर लगाया प्रतिबंध

**न्यूयॉर्क।** अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अमेरिकी वीजा धारक चीनी नागरिकों को अपनी सुविधाओं, अनुसंधान कार्यक्रमों और आंतरिक नेटवर्क तक पहुंच से वंचित कर दिया है. यह निर्णय अमेरिका की अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ती सुरक्षा चिंताओं और चीन के साथ तकनीकी प्रतिस्पर्धा के बीच लिया गया है. रिपोर्ट के अनुसार, जिन चीनी नागरिकों की किसी भी रूप में नासा परियोजनाओं में भागीदारी थी, उन्हें 5 सितंबर को सूचित किया गया कि वे अब इन परियोजनाओं का हिस्सा नहीं रहेंगे. इसके तुरंत बाद उनकी डिजिटल प्रणाली से पहुंच समाप्त कर दी गई और उन्हें नासा से जुड़ी किसी भी बैठक—चाहे वह आमने-सामने हो या ऑनलाइन में शामिल होने से रोक दिया गया. नासा की प्रवक्ता बेथानी स्टीवेंस ने बताया कि यह कदम भौतिक और साइबर सुरक्षा जोखिमों को कम करने के उद्देश्य से उठाया गया है.

### अभिनेता विजय ने अपनी पार्टी टीवीके के प्रचार का त्रिची से किया आगाज

त्रिची (तमिलनाडु)। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के अध्यक्ष और अभिनेता से नेता बने थलपति विजय ने आज तिरुचि से अपनी पार्टी का तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के प्रचार का 'मैं आ रहा हूं' का नारा देकर आगाज कर दिया. त्रिची हवाई अड्डे पर बड़ी संख्या में उनके कार्यकर्ता त्रिची ने स्वागत किया है. विजय एक जुलूस के रूप में अपने प्रचार वाहन पर बैठकर जनसभा के लिए रवाना हुए हैं. टीवीके के अध्यक्ष और अभिनेता से नेता बने थलपति विजय निजी विमान से चेन्नई से त्रिची पहुंचे.

### ई-मेल कर दिल्ली के ताज पैलेस होटल को बम से उड़ाने की धमकी

**नयी दिल्ली।** दिल्ली के ताज पैलेस होटल को बम से उड़ाने की धमकी भरा एक ई-मेल मिला है. इसके बाद से ही पुलिस ने होटल परिसर में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया. हालांकि सघन तलाशी अभियान के बाद यह खबर झूठी निकली. अभियान के दौरान होटल में रूके मेहमानों और स्टाफ को कुछ घंटों के लिए परेशानी हुई लेकिन बाद में किसी भी तरह के खतरा नहीं होने की बात साफ होने से पुलिस ने राहत की सांस ली. दिल्ली पुलिस के मुताबिक होटल प्रबंधन को शुक्रवार देर रात करीब 02 बजे प्राप्त ई-मेल में बम विस्फोट की धमकी दी गई . इसके तुरंत बाद पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और होटल के सभी हिस्सों की बारीकी से छानबीन की पर कोई संदिग्ध वस्तु या सामान नहीं मिला.

## दुनिया का सबसे बड़ा मंदिर

# कंबोडिया का भव्य अंकोरवाट मंदिर

**नोमपेन्ह।** दुनिया में कई मंदिर अपने आकार, वास्तुशिल्प और कलात्मकता के लिए प्रसिद्ध हैं, लेकिन कंबोडिया का अंकोरवाट मंदिर इन सभी में सबसे अलग और विशाल माना जाता है. यह मंदिर ना सिर्फ हिंदू आस्था का प्रतीक है, बल्कि विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक स्मारक भी है. अंकोरवाट मंदिर कंबोडिया के सिएम रीप शहर के पास मीकांग नदी के किनारे स्थित है. इसे 12वीं शताब्दी में कम्बुज (कंबोडिया) के राजा सूर्यवर्मा द्वितीय ने भगवान विष्णु को समर्पित कर बनवाया था. यह मंदिर प्राचीन नगर अंकोरयोम (जिसे पहले यशोधरपुर कहा जाता था) में स्थित है और इसे मेरु पर्वत का प्रतीक भी माना जाता है. इस मंदिर की दीवारों पर समुद्र मंथन, रामायण, महाभारत और अन्य हिंदू ग्रंथों के प्रसंग बेहद बारीकी और सुंदरता से उकेरे गए हैं. इसकी भव्यता और ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर स्थल घोषित किया है. हिंदू संस्कृति और कला का अद्भुत उदाहरण अंकोरवाट आज भी श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है.

## सुशीला कार्की : प्रथम महिला प्रधान न्यायाधीश से प्रथम महिला प्रधानमंत्री तक

# उनके फैसलों ने न्यायिक स्वतंत्रता के सिद्धांत को और मजबूत किया

एजेंसी। काठमांडू

सुशीला कार्की ने नेपाल के इतिहास में दो बार अपना स्थान बनाया है. उन्होंने पहली बार 2016 में देश की पहली महिला प्रधान न्यायाधीश बनकर इतिहास रचा और राजनीतिक दलों तथा नेताओं, मंत्रियों के खिलाफ साहसिक फैसलों के कारण प्रतिष्ठा अर्जित की. लगभग एक दशक बाद उन्होंने एक और इतिहास रचा है- नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री बन कर. उनकी नियुक्ति ऐसे दौर में हुई जब पूरा राष्ट्र गहरे उथल-पुथल के दौर से गुजर रहा है. भ्रष्टाचार, राजनीतिक विशेषाधिकार, विरासत में मिली संपत्ति और सोशल मीडिया प्रतिबंध पर गुस्से से प्रेरित जेन जेड के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को पद छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया. एक नाटकीय घटनाक्रम में, जेन जेड आंदोलन से जुड़े नेताओं ने कार्की के नाम को अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए अपनी पसंद के रूप में सामने रखा. अनिश्चितताओं के बीच खुद को प्रमुख शक्ति के रूप में स्थापित करने वाली नेपाल की सेना ने उनकी नियुक्ति को सुविधाजनक बनाया. पारंपरिक शक्ति संक्रमण के विपरीत कार्की का प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण कुछ दिनों की तनावपूर्ण और अनिश्चितता के माहौल में उनके समर्थकों के लिए राहत की खबर लेकर आई है. कई लोगों के लिए, उनका नेतृत्व पुरुष राजनीतिक अभिजात वर्ग के लंबे समय से प्रभुत्व वाले देश में जवाबदेही और सुधार के लिए एक प्रतीकात्मक जीत का भी प्रतिनिधित्व करता है. सुशीला कार्की का जन्म 7 जून, 1952 को बिराटनगर, मोरंग में हुआ था, जो अपने राजनीतिक और व्यावसायिक महत्व के लिए जाना जाता है. उनकी परवरिश एक राजनीतिक परिवार और परिवेश में हुई क्योंकि उनके परिवार ने नेपाली कांग्रेस के प्रभावशाली कोइराला परिवार के साथ घनिष्ठ संबंध थे. कम उम्र से ही, उन्हें लोकतंत्र, शासन और न्याय पर बहस का सामना करना पड़ा, जिससे नागरिक कर्तव्य और राजनीतिक जिम्मेदारी की उनकी समझ को आकार मिला.कार्की के माता-पिता ने शुरू में उनके लिए मेडिकल कैरियर की कल्पना की थी, कार्की ने कानून चुनकर अपने साहसिक फैसला लेने की क्षमता को दर्शाता है. जिस समय न्याय क्षेत्र में पुरुषों का प्रभुत्व हुआ करता था. यह निर्णय न केवल उनके दृढ़ संकल्प को दर्शाता है बल्कि न्याय और शासन के मुद्दों को संबोधित करने के लिए एक प्रारंभिक प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है. उन्होंने 1972 में महेंद्र मोरंग कैंपस में बैचलर ऑफ आर्ट्स पूरा किया, इसके बाद 1975 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) से राजनीति विज्ञान में मास्टर डिग्री हासिल की. बीएचयू में रहने के दौरान उन्होंने राजनीति में गहरी दिलचस्पी दिखाई जिसके कारण उनके विश्व दृष्टिकोण को गहराई से प्रभावित किया और यहीं वह अपने भावी पति, लोकतांत्रिक कार्यकर्ता दुर्गा प्रसाद सुबेदी से भी मिलीं. नेपाल लौट कर उन्होंने 1978 में त्रिभुवन विश्वविद्यालय से कानून की डिग्री हासिल की. 1985 और 1989 के बीच, कार्की ने धरान के महेंद्र मल्टीपल कैंपस में कानून और राजनीति विज्ञान पढ़ाया, व्यावहारिक अनुभव और बौद्धिक आधार दोनों प्राप्त किए जो उन्हें न्यायपालिका में एक ऐतिहासिक करियर में काफी मदद मिली. कार्की ने 1978 में कानून का अभ्यास करना शुरू किया, जल्दी ही एक सैद्धांतिक और सक्षम वकील के रूप में प्रतिष्ठा अर्जित की. निष्पक्षता और सावधानीपूर्वक तैयारी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने उन्हें नेपाल की कानूनी बिरादरी में प्रतिष्ठित किया. उन्होंने बिराटनगर में उच्च न्यायालय में बार एसोसिएशन की अध्यक्षता करते हुए नेतृत्व की भूमिका जल्दी ग्रहण की, जहां वह कानूनी प्रवचन में एक प्रमुख व्यक्ति बन गईं. 2007 में, उन्हें एक वरिष्ठ वकील के रूप में मान्यता दी गई, जिससे उनके पेशेवर कद को और मजबूत किया गया. उन्हें 2009 में सुप्रीम कोर्ट का तदर्थ न्यायाधीश नियुक्त किया गया और 2010 में स्थायी न्यायाधीश बन गईं. प्रत्येक मील का पत्थर उनके कानूनी कौशल, परिश्रम और सिद्धांत के अटूट पालन को दर्शाता है. 11 जुलाई, 2016 को नेपाल की पहली महिला प्रधान न्यायाधीश के रूप में उनकी नियुक्ति हुई. हालांकि उनका कार्यकाल 7 जून, 2017 तक एक साल से भी कम समय तक चला, लेकिन इसने न्यायपालिका पर एक परिवर्तनकारी प्रभाव छोड़ा.

### सुशीला कार्की नेपाल में शांति का मार्ग प्रशस्त करेंगी: मोदी

**इंफाल।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मणिपुर की धरती से नेपाल को एक खास संदेश दिया. उन्होंने कहा कि नेपाल भारत का घनिष्ठ मित्र है और दोनों देशों का साझा इतिहास एवं आस्था है, जो दोनों को साथ लेकर आगे बढ़ा रही है. मोदी ने नेपाल की नई अंतरिम प्रधानमंत्री, सुशीला घर्ती माया को उनके कार्यभार संभालने पर हार्दिक बधाई दी. उन्होंने विश्वास जताया कि सुशीला जी नेपाल में शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेंगी. सुशीला जी के पहले महिला प्रधानमंत्री बनने को प्रधानमंत्री मोदी ने महिला सशक्तिकरण का उदाहरण बताया. प्रधानमंत्री ने नेपाल के लोगों की भी प्रशंसा की, जिन्होंने हाल के अस्थिर दौर में लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत रखा. उन्होंने नेपाल के युवाओं को सड़कों की सफाई और रंग-रोगन में मेहनत करते देखा, जो प्रेरणादायक है और देश के उज्ज्वल भविष्य का संकेत देता है.

### नेपाल राष्ट्र बैंक ने वित्तीय नुकसान की जांच की

**काठमांडू।** जेन-जी के 8 और 9 सितंबर को हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद नेपाल राष्ट्र बैंक (एनआरबी) ने बैंकों, वित्तीय संस्थानों और उद्योगों को हुए नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है. केंद्रीय बैंक के गवर्नर डॉ. विश्वनाथ पौडेल, जिनका अपना निवास प्रदर्शन के दौरान जला दिया गया था, उन्होंने क्षति रिपोर्ट एकत्र करने और वित्तीय क्षेत्र का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने में अग्रणी भूमिका निभाई है. एनआरबी की प्रवक्ता किरण पंडित के अनुसार, केंद्रीय बैंक नुकसान का विवरण संकलित कर रहा है और संस्थानों और उद्योगों को सामान्य संचालन फिर से शुरू करने में मदद करने के लिए सुविधा उपायों पर काम कर रहा है. इस प्रक्रिया के हिस्से के रूप में, गवर्नर पौडेल ने बैंकों, वित्तीय संस्थानों और व्यापारिक नेताओं के प्रतिनिधियों के साथ अलग-अलग बैठकें कीं. बैंकिंग क्षेत्र से उपस्थित लोगों में माछापुच्छ्रे बैंक के सीईओ और नेपाल बैंकर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संतोष कोइराला, ग्लोबल आईएमई बैंक के सीईओ और एसोसिएशन के उपाध्यक्ष सुरेंद्र रेगमी, डेवलपमेंट बैंकर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सुयोग श्रेष्ठ. सनीमा बैंक के सीईओ निश्चल राज पांडे, और गरिमा डेवलपमेंट बैंक के सीईओ माधव उपाध्याय शामिल थे.

### आतंकी हमले में 12 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए

**इस्लामाबाद।** दक्षिणी वजीरिस्तान के बदर घाटी के अपर जिले में पाकिस्तानी सेना के काफिले पर एक बड़ा और योजनाबद्ध आतंकी हमला हुआ है, जिसमें कम से कम 12 सैनिकों की मौत हो गई और 4 अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं. यह हमला हाल के महीनों में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुआ सबसे घातक हमला माना जा रहा है. पाकिस्तानी सेना ने हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि घायल सैनिकों को त्वरित रूप से नजदीकी सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है. स्थानीय सुरक्षा बलों ने बताया कि हमला अत्यंत योजनाबद्ध तरीके से किया गया और इतनी तेजी से अंजाम दिया गया कि सैनिक प्रतिक्रिया नहीं दे सके. इस हमले की जिम्मेदारी प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने ली है. टीटीपी ने दावा किया है कि उनके लड़ाकों ने न सिर्फ हमला किया बल्कि पाकिस्तानी सैनिकों से हथियार भी छीन लिए. हमले के बाद पूरे क्षेत्र में सुरक्षा एजेंसियों द्वारा तलाशी अभियान चलाया जा रहा है.

### अमेरिका बनाएगा नए जमाने का बंकर-बस्टर बम

**नयी दिल्ली।** अमेरिकी वायुसेना ने बोइंग और एप्लाइड रिसर्च एसोसिएट्स (एआरए) को अगली पीढ़ी के बंकर-तोड़ बम—नेक्स्ट जेनरेशन पेनिट्रेटर (एनजीपी)—बनाने का ठेका दिया है. यह नया बम मौजूदा मैसिव ऑर्डनेंस पेनेट्रेटर (मोप) की तुलना में हल्का, छोटा और कहीं अधिक घातक होगा. इस समझौते के तहत बोइंग टेल किट और बम को बॉम्बर में फिट करने का काम करेगा, जबकि एआरए डिजाइन और प्रयोगशाला स्तर पर परीक्षण करेगी. यह प्रोजेक्ट अमेरिकी वायुसेना के "विंग-टू-विंग इन्वेस्टमेंट" कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसके अंतर्गत 2025 में 120.8 मिलियन डॉलर और 2026 में 73.7 मिलियन डॉलर खर्च किए जाएंगे. एनजीपी बम को खासतौर पर बी-21 रेडर स्टील्थ बॉम्बर्स के साथ इस्तेमाल करने के लिए तैयार किया जाएगा. इसका प्रोटोटाइप अगले दो वर्षों में तैयार होना है और 2027 तक इसका परीक्षण और विकास जारी रहेगा.

### भारतीय वायुसेना ने मांगे 114 नए राफेल फाइटर जेट

**नयी दिल्ली।** भारतीय वायुसेना ने रक्षा मंत्रालय को 114 नए राफेल फाइटर जेट की खरीद के लिए आधिकारिक प्रस्ताव भेजा है. यह प्रस्ताव वायुसेना की सबसे बड़ी खरीद योजनाओं में से एक है और इसे मीडियम रोल फाइटर एयरक्राफ्ट कार्यक्रम के तहत पूरा किया जाएगा. अगर यह डील फाइनल होती है तो यह दुनिया के सबसे बड़े डिफेंस सौदों में शामिल हो सकती है. इस कदम से स्पष्ट है कि भारतीय वायुसेना को राफेल जेट पर पूरा भरोसा है. वर्तमान में भारतीय वायुसेना के पास 36 राफेल फाइटर जेट हैं, जिन्हें 2020 में सेवा में शामिल किया गया था. अब वायुसेना राफेल का सबसे आधुनिक वैरिएंट एफ-4 खरीदने पर विचार कर रही है, जो कि अत्याधुनिक हथियारों और सेंसर से लैस है. यह फाइटर जेट पांचवीं पीढ़ी के विमानों के करीब की क्षमताएं रखता है, हालांकि इसमें पूर्ण स्टील्थ तकनीक नहीं है. 114 राफेल विमानों की खरीद से वायुसेना को 6-7 नए स्क्वाड्रन मिल सकते हैं. वर्तमान में भारत के पास दो स्क्वाड्रन सक्रिय हैं. यह डील भारत की सैन्य शक्ति को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा सकती है और भारतीय उपमहाद्वीप में सामरिक संतुलन को और मजबूत करेगी.

### बेटे ने मां की बेरहमी से की हत्या, उम्रकैद की सजा

**बर्मिंघम (ब्रिटेन)।** बर्मिंघम में भारतीय मूल के 39 वर्षीय सुरजीत सिंह को अपनी 76 वर्षीय मां मोहिंदर कौर की हत्या के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई गई है. कोर्ट ने आदेश दिया कि सिंह को कम से कम 15 साल तक जेल में रहना होगा, इसके बाद ही उसकी रिहाई पर विचार किया जाएगा. यह चौंकाने वाला मामला सितंबर 2023 का है, जब एक मामूली बात—टीवी रिमोट को लेकर हुए विवाद—ने हिंसक रूप ले लिया. नशे में धुत सुरजीत सिंह ने अपनी बुजुर्ग मां पर बेरहमी से हमला कर दिया. पुलिस जांच में सामने आया कि हमले के समय सिंह के शरीर में कोकीन और शराब की उच्च मात्रा पाई गई थी. बर्मिंघम क्राउन कोर्ट में सुनवाई के दौरान जज ने इस घटना को ₹एक कमजोर और बुजुर्ग महिला पर बेरहम हमला₹ बताया, जिसमें पीड़िता खुद का बचाव करने में असमर्थ थीं. अदालत ने इसे ₹बेवजह की हत्या₹ करार दिया.

## भारत की संसदीय व्यवस्था और संविधान अभूतपूर्व

# भारत दुनिया का शक्तिशाली देश बनेगा : हरिवंश

अशोक अकेला। बेंगलुरू

भारत की संसदीय व्यवस्था और संविधान दोनों काफी मजबूत और अभूतपूर्व हैं. जो लोगबांग्लादेश, नेपाल, पाकिस्तान का उदाहरण देते हैं, उन्हें पहले भारतीय संविधान और संसदीय प्रणाली के बारे में पहले लिख-पढ़ लेना चाहिए, क्योंकि ऐसी मजबूत व्यवस्था दुनिया में कहीं नहीं है. यह कहना हैं राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश का. हरिवंश बेंगलुरू में चल रहे भारतीय संसदीय व्यवस्थापर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लेने पहुंचेथे. उन्होंने शुभम संदेश संवाददाता से खास बातचीत करते हुए कहा कि भारत में लोकतंत्र काफी मजबूत है.दुनिया के लोगों को भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था का अध्ययन करना चाहिए,तब कोई टिप्पणी करनी चाहिए. देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चर्चा करते हुए राज्यसभा के उप सभापति ने कहा कि जिस विज्ञान की बात नरेंद्र मोदी करते है,वह विज्ञान, आधुनिक इंजीनियरिंग सबकुछ एम विश्वेशवरैया म्यूजियम में देखने को मिलता हैं, जिसके बल पर भारत दुनिया का सबसे ताकतवर देश बनने की ओर अग्रसर है. विश्वेशवरैया म्यूजियम की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इस तरह का म्यूजियम सभी राज्यों में होना चाहिए जहां स्कूल,कॉलेज के विद्यार्थी जाकर देख सकें और अनुभव से नए-नए प्रयोग कर सकें. बेंगलुरू के होटल वेस्ट इंड के सभागार में आयोजित भारतीय संसदीय व्यवस्था सेमिनार में पधारे देशके सभी विधानसभा अध्यक्षों, विधायिका से जुड़े लोगों को संबोधित करते हुए हरिवंश ने कहा कि भारतीय लोकतान्त्रिक व्यवस्था दुनिया में की बेमिसाल व्यवस्था है. इस सेमिनार में लोकसभा अध्यक्ष, कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया, उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर आदि भाग ले रहे हैं.

### डॉ. भीमराव अंबेडकर के बारे में साधु-संत चुप रहें, तो यह उचित होगा

**लखनऊ।** बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने साधु संतों की ओर से बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर को लेकर दिए जा रहे बयानबाजी पर अपनी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि बाबा साहेब अतुल्य योगदान के बारे में सही जानकारी नही होने के कारण उनको इस बारे में कोई भी गलत बयानबाजी आदि करने की बजाए यदि वे चुप रहें तो यह उचित होगा. मायावती ने उन्होंने लिखा कि कुछ साधु संत बाबा साहेब के बारे में गलत बयानबाजी कर रहे हैं. कुछ साधु-सन्तों को डॉ. भीमराव अम्बेडकर के अतुल्य योगदान के बारे में सही जानकारी नहीं होने के कारण इनको इस बारे में कोई भी गलत बयानबाजी आदि करने की बजाए यदि वे चुप रहें तो यह उचित होगा.

### प्रो प्रजापति ने संस्थान के निदेशक का कार्यभार संभाला

**नयी दिल्ली।** प्रोफेसर प्रदीप कुमार प्रजापति ने यहां के अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के निदेशक का कार्यभार शनिवार को ग्रहण कर लिया.इस अवसर पर आयोजित स्वागत समारोह की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन एवं भगवान धन्वंतरि वंदना से हुई. संस्थान की पूर्व कार्यकारी निदेशक प्रो. मञ्जूषा राजगोपाल, डीन प्रो. महेश व्यास, सहित शैक्षणिक, चिकित्सकीय, प्रशासनिक एवं नर्सिंग स्टाफ बड़ी संख्या में उपस्थित रहा. सभी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर नए निदेशक का स्वागत किया.पदभार ग्रहण करने के बाद प्रो. प्रजापति ने कहा, "आयुर्वेद की सेवा करने का यह महत्वपूर्ण अवसर मेरे लिए गर्व और सौभाग्य की बात है. सरकार ने आयुर्वेद को जन-जन तक पहुंचाने का जो बीड़ा उठाया है, उसमें आप सभी के सहयोग से अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान को वैश्विक पहचान दिलाने की यात्रा में हमें निश्चित ही सफलता प्राप्त होगी." प्रो. राजगोपाल ने अपने स्वागत सम्बोधन में सभी का आभार व्यक्त करते हुए टीम भावना के साथ कार्य करने की प्रतिबद्धता दोहराई. डीन प्रो. महेश व्यास ने कहा कि निदेशक महोदय का देश के शीर्ष संस्थानों में कार्य करने का अनुभव संस्थान को नई ऊंचाइयों तक लेकर जाएगा. उल्लेखनीय है कि प्रो. प्रजापति इससे पहले जोधपुर स्थित डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति थे.

## उपलब्धि

रेलगन तकनीक का उपयोग करनेवाला पहला देश, जिससे रुस, अमेरिका, चीन को मिल सकती है चुनौती

# जापान ने इलेक्ट्रो मैग्नेटिक रेलगन से फायर कर रचा इतिहास

एजेंसी। टोक्यो

जापान ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए समुद्र में पहली बार अपने अत्याधुनिक इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेलगन से टेस्ट फायरिंग की है. यह परीक्षण जापान की एक्वीजिशन टेक्नोलॉजी एंड लॉजिस्टिक एजेंसी (एटीएलए) और जापान मेरीटाइम सेल्फ डिफेंस फोर्स (जेएमएसडीएफ) द्वारा मिलकर किया गया.

एटीएलए ने बताया कि यह परीक्षण जून से जुलाई 2025 के बीच समुद्री टेस्टबेड जेएस असुका से सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया. यह परीक्षण जापान समुद्र में रेलगन तकनीक का उपयोग करने वाला पहला देश बन सकता है, जिससे अमेरिका, रूस और चीन को कड़ी चुनौती मिल सकती है. 6,200 टन वजनी असूका जहाज को इस परीक्षण के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया था. इसमें मध्यम-कैलिबर की टर्रेट-माउंटेड इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेलगन लगाई गई थी, जिसका वजन लगभग 8 से 9 टन है. इस रेलगन से समुद्र में एक वास्तविक लक्ष्य पर सफलतापूर्वक फायरिंग की गई. एटीएलए ने फायरिंग की तस्वीरें भी जारी की हैं, जिनमें रेलगन के टर्रेट और फायर कंट्रोल रडार को स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है. एटीएलए का कहना है कि यह रेलगन पहले भी जमीन पर परीक्षणों के दौरान मैच 6.5 की गति से प्रोजेक्टाइल फायर कर चुकी है और इसके लिए 5 मेगाजूल ऊर्जा का उपयोग हुआ था. भविष्य में इस ऊर्जा को 20 मेगाजूल तक बढ़ाने का लक्ष्य है, जिससे इसकी मारक क्षमता 150 किलोमीटर से भी अधिक हो सकती है. इससे यह तकनीक भारी प्रोजेक्टाइल दागने और उच्च काइनेटिक इम्पैक्ट हासिल करने में सक्षम होगी. रेलगन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह बारूद के बजाय इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फोर्स का उपयोग करती है, जिससे प्रोजेक्टाइल हाइपरसोनिक स्पीड (ध्वनि की गति से कई गुना तेज) से निकलता है. इससे न केवल फायरिंग की सटीकता बढ़ती है, बल्कि विध्वंसक ताकत भी कई गुना अधिक हो जाती है. यही कारण है कि रेलगन को भविष्य की सैन्य तकनीकों में एक गेमचेंजर माना जा रहा है. हालांकि, इस तकनीक के सामने कई चुनौतियाँ भी हैं, जैसे अत्यधिक ऊर्जा की मांग, बैरल का गर्म होना और घर्षण से क्षति, साथ ही लगातार फायरिंग के दौरान मैग्नेटिक स्ट्रेस. लेकिन जापान ने इन सभी समस्याओं को काफी हद तक काबू में कर लिया है. असूका पर किए गए लगातार परीक्षणों ने इस सिस्टम को और ज्यादा स्थिर और ऑपरेशनल बना दिया है. विशेषज्ञों का मानना है कि इस तकनीक का सबसे बड़ा फायदा हाइपरसोनिक मिसाइल इंटरसेप्शन और एंटी-शिप ऑपरेशनों में मिलेगा. अमेरिका, रूस और चीन भी इस तकनीक पर वर्षों से काम कर रहे हैं, लेकिन जापान ने उन्हें पीछे छोड़ते हुए समुद्र में पहला सफल परीक्षण करके वैश्विक सुरक्षा समीकरणों में एक नया अध्याय जोड़ दिया है.


स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 **(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार).**

आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.